@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 20 दिसम्बर 2025

# कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 46 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

# योग ने पूरी दुनिया को स्वास्थ्य, संतुलन और सामंजस्य का रास्ता दिखाया- पीएम मोदी

● पिछले तीन दिनों में यहां पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े दुनियाभर के विशेषज्ञों ने गंभीर और सार्थक चर्चा की है।

## 'इस समिट में ट्रेडिशनल नॉलेज और मॉर्डन प्रैक्टिस का संगम हो रहा है।'

एजेंसी
**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री मोदी ने नई दिल्ली में आयोजित विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के पारंपरिक चिकित्सा पर दूसरे वैश्विक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। उन्होंने वैश्विक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज डब्ल्यूएचओ ग्लोबल समिट ऑन ट्रेडिशनल मेडिसिन समिट का समापन दिन है। पिछले तीन दिनों में यहां पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े दुनियाभर के विशेषज्ञों ने गंभीर और सार्थक चर्चा की है। मुझे खुशी है कि इसके लिए भारत एक मजबूत प्लेटफॉर्म का काम कर रहा है और इसमें डब्ल्यूएचओ की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं इस सफल आयोजन के लिए डब्ल्यूएचओ का, भारत सरकार के आयुष मंत्रालय का और यहां उपस्थित सभी प्रतिभागियों के हृदय से आभार प्रकट करता हूं। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए गौरव की बात है कि डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन भारत के जामनगर में स्थापित हुआ है। 2022 में ट्रेडिशनल मेडिसिन की पहली समिट को विश्व ने बड़े भरोसे के साथ भारत को सौंपा था। हम सबके लिए खुशी की बात है कि इस ग्लोबल सेंटर का यश और प्रभाव ग्लोबली एक्सपेंड कर रहा है। इस समिट की सफलता इसका सबसे

बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस समिट में ट्रेडिशनल नॉलेज और मॉर्डन प्रैक्टिस का संगम हो रहा है। समिट में विभिन्न देशों के स्वास्थ्य मंत्रियों और प्रतिनिधियों के बीच विस्तार से संवाद भी हुआ है। इस संवाद ने जॉइंट रिसर्च को बढ़ावा दिया है, नियमों को सरल बनाया है, और ट्रेनिंग और नॉलेज शेयरिंग के लिए नए रास्ते खोले हैं। ये सहयोग आगे चलकर ट्रेडिशनल मेडिसिन को अधिक सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि इस समिट में कई अहम विषयों पर सहमति बनना हमारी मजबूत साझेदारी का प्रतिबिंब है, रिसर्च को मजबूत करना, ट्रेडिशनल मेडिसिन के क्षेत्र में डिजिटल टेक्नोलॉजी का यूज बढ़ाना, और ऐसे रेगुलेटरी फ्रेमवर्क तैयार करना जिन पर पूरी दुनिया भरोसा कर सके। ऐसे मुद्दे ट्रेडिशनल मेडिसिन को सशक्त करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली का एक अहम हिस्सा योग भी है। योग ने पूरी दुनिया को स्वास्थ्य, संतुलन और सामंजस्य का रास्ता दिखाया है। भारत के प्रयासों और 175 से ज्यादा देशों के सहयोग से संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को योग दिवस घोषित किया गया था। बीते वर्षों में हमने योग को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचते देखा है। योग पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों का अभिन्न अंग है। इसने विश्व को स्वास्थ्य, संतुलन और सामंजस्य का मार्ग दिखाया है। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली में डब्ल्यूएचओ के साउथ-ईस्ट एशिया रीजनल ऑफिस का उद्घाटन भी किया गया है। ये भारत की तरफ से एक विनम्र उपहार है। यह एक ऐसा ग्लोबल हब है, जहां से रिसर्च, रेगुलेशन और कैपेसिटी बिल्डिंग को बढ़ावा मिलेगा। आयुर्वेद में बैलेंस, अर्थात् संतुलन, को स्वास्थ्य का पर्याय कहा गया है। जिसके शरीर में ये बैलेंस बना रहता है, वही स्वस्थ है, वही हेल्दी है।

## क्रिसमस प्रेम और करूणा का संदेश देता है: उपराष्ट्रपति

एजेंसी
**नई दिल्ली।** उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि क्रिसमस केवल एक त्योहार नहीं बल्कि एकता, प्रेम और करुणा का संदेश देता है। उपराष्ट्रपति ने यह बात उपराष्ट्रपति आवास में 'क्रिसमस लंच' पर कही। उन्होंने सभी को क्रिसमस और नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उपराष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, आइए, क्रिसमस जैसे पावन अवसर पर हम एक ऐसे समाज का संकल्प लें जहां हर चेहरे पर मुस्कान और हर दिल में भाईचारा हो।' उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि अगर हमें 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाना है, तो हम सबको मिलकर काम करना होगा। राधाकृष्णन ने बताया कि तरक्की के साथ-साथ पर्यावरण को बचाना भी जरूरी है, इसीलिए उन्होंने 'मिशन लाइफ' की बात की ताकि सभी अपनी आदतों में बदलाव लाकर धरती को सुरक्षित रख सकें और विकास को टिकाऊ बना सकें। उन्होंने ईसाई समुदाय से राष्ट्र निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान जारी रखने का आग्रह किया। इस मौके पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस, राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश, केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन, केंद्रीय राज्य मंत्री सुरेश गोपी और ईसाई समुदाय के वरिष्ठ आध्यात्मिक नेता सहित अन्य चर्च प्रशासनों के वरिष्ठ प्रतिनिधि उपस्थित थे।

# अवैध सट्टेबाजी मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, युवराज सिंह-उर्वशी रौतेला समेत इन हस्तियों की करोड़ों की संपत्तियां अटैच

**● ईडी ने देश के प्रमुख चार पेमेंट गेटवे पर छापे मारे और 60 से ज्यादा बैंक खातों को फ्रीज किया है।**

एजेंसी
**नई दिल्ली।** अवैध सट्टेबाजी ऐप 'वन एक्स बैट' मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने इस मामले में आरोपों के दायरे में आए कई नामी क्रिकेटरों और फिल्मी सितारों की संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। ईडी ने अपनी जांच को तेज करते हुए कुल 7.93 करोड़ रुपए कीमत की संपत्तियां जब्त की हैं। इन संपत्तियों के मालिक भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह, रॉबिन उथप्पा, बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद, अभिनेत्री उर्वशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती, अंकुश हाजरा और नेहा शर्मा जैसी नामी हस्तियां हैं। इस कार्रवाई के तहत शिखर धवन की 4.55 करोड़ रुपए और सुरेश रैना की 6.64 करोड़ रुपए की संपत्ति

पहले ही जब्त की जा चुकी थी। अब ईडी ने सोनू सूद की 1 करोड़ रुपए, मिमी चक्रवर्ती की 59 लाख रुपए, युवराज सिंह की 2.5 करोड़ रुपए (वाईडब्ल्यूसी हेल्थ एंड वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर), नेहा शर्मा की लगभग 1.26 करोड़ रुपए, रॉबिन उथप्पा की 8.26 लाख रुपए, अंकुश हाजरा की 47.20 लाख रुपए और उर्वशी रौतेला की मां मीरा रौतेला की 2.02 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच की है। इस तरह, अब तक इस मामले में करीब 7.93 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्तियां ईडी ने अपने नियंत्रण में कर ली हैं। मामला 'वन एक्स बैट' और इसके अन्य ब्रांड्स से जुड़ा है, जो भारत में बिना किसी कानूनी अनुमति के ऑनलाइन सट्टेबाजी का धंधा चला रहे थे। ईडी की जांच में यह खुलासा हुआ है कि यह ऐप भारत में अपने प्रचार के लिए कई मशहूर हस्तियों का इस्तेमाल कर रहा था। इन हस्तियों ने जान-बूझकर विदेशी कंपनियों के साथ एंडोर्समेंट डील की, जिससे अवैध कमाई को छिपाने का प्रयास किया गया।

ईडी ने पाया कि वन एक्स बेट और उससे संबंधित ब्रांड सोशल मीडिया, ऑनलाइन वीडियो, प्रिंट मीडिया और अन्य माध्यमों से भारत में बेटिंग के लिए यूजर्स को आकर्षित कर रहे थे। इन प्लेटफॉर्म्स ने फर्जी और किराए के हजारों बैंक खाते बनाकर करोड़ों रुपए के लेन-देन किए। ईडी ने देश के प्रमुख चार पेमेंट गेटवे पर छापे मारे और 60 से ज्यादा बैंक खातों को फ्रीज किया है।

# बांग्लादेश की स्थिति पर करीब से नजर, भारत किसी भी हालात से निपटने को तैयार: त्रिपुरा सीएम

'हमारी ड्रोन निगरानी प्रणालियों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

एजेंसी
**अगरतला।** त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शुक्रवार को कहा कि भारत सरकार बांग्लादेश में उभरती स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है और किसी भी संभावित चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद पड़ोसी देश में कई चिंताजनक और विध्वंसक घटनाएं सामने आई हैं। मौजूदा हालात पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम साहा ने बताया कि त्रिपुरा सरकार सीमा पार उत्पन्न हालात से जुड़े सभी घटनाक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट नियमित रूप से केंद्र सरकार को भेज रही है। सीएम ने एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान कहा, 'बांग्लादेश की जेलों से कुख्यात आतंकियों, अपराधियों और विभिन्न मामलों में शामिल लोगों को रिहा किया गया है।' उन्होंने कहा कि भारत और उसकी सशस्त्र सेनाएं हर स्थिति से

निपटने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल बांग्लादेश में हो रहे घटनाक्रम से पूरी तरह अवगत है और स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है।

सीएम साहा ने कहा, 'हमारी ड्रोन निगरानी प्रणालियों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। एस-400 मोबाइल लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एसएएम) प्रणाली पहले ही अपनी क्षमताएं साबित कर चुकी है।' उन्होंने जोड़ा कि सीमा पर सुरक्षा इंतजाम मजबूत हैं और सभी आवश्यक उपाय किए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि जून-जुलाई 2024 में बांग्लादेश में हिंसा भड़कने के बाद, विशेषकर 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद, अर्धसैनिक बलों ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है और सीमा प्रभुत्व को और सख्त किया गया है। गौरतलब है कि त्रिपुरा की बांग्लादेश के साथ 856 किलोमीटर लंबी सीमा है और राज्य तीन ओर से पड़ोसी देश से घिरा होने के कारण सीमा पार घटनाक्रमों के प्रति अत्यंत संवेदनशील बना हुआ है।

## जनजातीय क्षेत्र आवंटित बजट राशि का पारदर्शिता से समुचित उपयोग सुनिश्चित हो : राज्यपाल

**जयपुर।** राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने लोकभवन में अनुसूचित जनजातियों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं और समस्याओं के सम्बन्ध में अधिकारियों की विशेष बैठक ली। इस दौरान उन्होंने आदिवासी विकास से जुड़ी योजनाओं के बारे में बिंदुवार जानकारी ली और अधिकारियों को व्यक्तिगत रूचि लेकर जनजातीय क्षेत्रों की समस्याओं का निराकरण करने के व्यावहारिक प्रयास करने और विभिन्न मदों में आवंटित बजट राशि का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। राज्यपाल बागडे ने बैठक में सख्त लहजे में स्पष्ट कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में संचालित हॉस्टल और आवासीय विद्यालयों की अधिकारी प्रभावी मॉनिटरिंग करें। इस सम्बन्ध में किसी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही की जाए।

# सुप्रीम कोर्ट ने भुल्लर की जमानत अर्जी की खारिज, कहा- हाई कोर्ट में सुनवाई पेंडिंग

*हालांकि, हाई कोर्ट ने कोई अंतरिम राहत नहीं दी और मामले की अगली सुनवाई एक महीने बाद तय की।*

एजेंसी
**पंजाब।** रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार पंजाब में रोपड़ के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उनकी जमानत की मांग से जुड़ी याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि इस स्टेज पर वह दखल नहीं देगा, क्योंकि मामला अभी हाई कोर्ट में पेंडिंग है। कोर्ट ने भुल्लर के वकील की अर्जी पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसके बाद वकील ने अर्जी वापस ले ली। दरअसल, भुल्लर ने अपने केस में

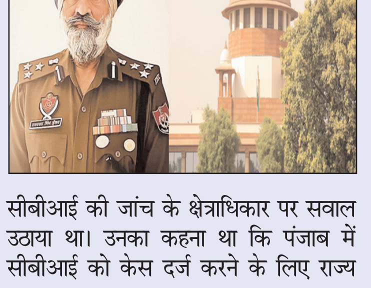

सीबीआई की जांच के क्षेत्राधिकार पर सवाल उठाया था। उनका कहना था कि पंजाब में सीबीआई को केस दर्ज करने के लिए राज्य सरकार की ओर से जरूरी मंजूरी नहीं है, इसलिए सीबीआई का जांच का अधिकार नहीं बनता। इसी वजह से उन्होंने हाई कोर्ट का रुख किया और अंतरिम राहत के तौर पर जमानत और केस पर रोक की मांग की।

हालांकि, हाई कोर्ट ने कोई अंतरिम राहत नहीं दी और मामले की अगली सुनवाई एक महीने बाद तय की। इसके बाद भुल्लर ने सुप्रीम कोर्ट से राहत की गुहार लगाई, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया और स्पष्ट किया कि इस समय वह हाई कोर्ट के फैसले में दखल नहीं देगा।

बता दें कि सीबीआई ने 16 अक्टूबर को रोपड़ रेंज के डीआईजी के तौर पर तैनात भुल्लर को बिचौलिए कृषाणु शारदा के साथ गिरफ्तार किया था। उन पर स्क्रैप डीलर आकाश से 5 लाख रुपए की रिश्वत लेने का आरोप है। शारदा को चंडीगढ़ से गिरफ्तार किया गया था, जबकि डीआईजी भुल्लर को मोहाली में उनके ऑफिस से गिरफ्तार किया गया। चंडीगढ़ में भुल्लर के घर पर तलाशी के दौरान, सीबीआई ने 7.36 करोड़ रुपए से ज्यादा कैश, 2.32 करोड़ रुपए से ज्यादा के गहने, 26 ब्रांडेड और महंगी घड़ियां, साथ ही परिवार के सदस्यों के नाम पर लगभग 50 अचल संपत्तियों के दस्तावेज जब्त किए। डीआईजी भुल्लर के खिलाफ बेहिसाब संपत्ति जमा करने के लिए एक और एफआईआर इंस्पेक्टर सोनल मिश्रा की शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी।

# बैंक धोखाधड़ी मामले में सीबीआई कोर्ट का सख्त फैसला: चार आरोपियों को 4 साल कैद और 1 लाख जुर्माना

एजेंसी
**नई दिल्ली।** दिल्ली की विशेष सीबीआई कोर्ट ने बैंक धोखाधड़ी के एक पुराने मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने 18 दिसंबर 2025 को चार आरोपियों को चार-चार साल की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक आरोपी पर 1-1 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने संजय चतुर्वेदी, अमित चतुर्वेदी, सुमित चतुर्वेदी और प्रवीण जुनेजा को दोषी करार देते हुए प्रत्येक को चार साल की कैद की सजा सुनाई। यह मामला इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (आईडीबीआई) से 15 करोड़ रुपए के टर्म लोन की धोखाधड़ी से जुड़ा है। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने 9 फरवरी 2009 को प्रारंभिक जांच के बाद मामला दर्ज किया था। आरोप था कि इन चारों आरोपियों ने आपस में साजिश रचकर आईडीबीआई बैंक

को धोखा दिया। आरोपियों ने लोन लेने के लिए झूठी जानकारी और जाली दस्तावेज जमा किए। लोन की राशि को उस उद्देश्य के लिए इस्तेमाल करने की बजाय अन्य कार्यों में डायवर्ट कर दिया, जिसके लिए लोन स्वीकृत हुआ था। इससे बैंक को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। सीबीआई की जांच में यह साफ हुआ कि आरोपियों की मिलीभगत से बैंक की प्रक्रियाओं का दुरुपयोग किया गया। जांच पूरी होने पर सीबीआई ने 22 अप्रैल 2010 को आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। लंबे ट्रायल के बाद कोर्ट ने सबूतों और गवाहों के आधार पर सभी आरोपियों को दोषी ठहराया और सजा सुनाई। यह फैसला बैंकिंग सेक्टर में धोखाधड़ी के खिलाफ सख्त संदेश देता है। देश में बैंक फ्रॉड के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, और ऐसे फैसले जांच एजेंसियों की मुस्तैदी को दिखाते हैं। जाली दस्तावेज और फंड डायवर्जन जैसे तरीके आम हैं, जिससे सार्वजनिक बैंकों को करोड़ों का नुकसान होता है।

## योजनाओं के बावजूद उत्तर कर्नाटक में खुले में शौच और बाल विवाह जारी: सिद्धारमैया

**बेलगावी।** कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को कहा कि सरकार की कई योजनाओं और सुधारों के बावजूद उत्तर कर्नाटक क्षेत्र में खुले में शौच, बाल विवाह और बाल गर्भधारण जैसी सामाजिक समस्याएं अब भी बनी हुई हैं। विधानसभा में उत्तर कर्नाटक से जुड़े मुद्दों पर सत्तारूढ़ और विपक्षी नेताओं द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जुवर्गी विधानसभा क्षेत्र के विधायक ने महिलाओं को खुले में शौच के लिए बाहर जाने से रोकने के उद्देश्य से बाउंड्री वॉल बनाने की मांग की थी। उन्होंने बताया, 'मैंने उनसे पूछा कि क्या वहां शौचालय बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि शौचालय तो हैं, लेकिन लोग उनका उपयोग नहीं करते।

# समाज की मजबूती पर ही परिवार का अस्तित्व व सुरक्षा निर्भर: सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत

एजेंसी
**कोलकाता।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि एक स्वस्थ और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए सकारात्मक और सद्गुणों से युक्त शक्तियों का आपसी सहयोग जरूरी है। सभी को एक दिशा में मिलकर आगे बढ़ना होगा। डॉ. भागवत ने स्पष्ट किया कि चरित्र निर्माण केवल उन्हीं व्यक्तियों के माध्यम से संभव है, जिनका जीवन सादा हो और समाज से उनका सक्रिय जुड़ाव बना रहे। डॉ. भागवत ने पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में आयोजित प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने परिवार की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि हर परिवार को यह आत्ममंथन करना चाहिए कि वह समाज की समृद्धि के लिए कितना समय, श्रम और संसाधन दे रहा है, क्योंकि समाज की मजबूती पर ही परिवार का अस्तित्व और सुरक्षा निर्भर करती है। यह सम्मेलन संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में उत्तर बंगाल

प्रांत की ओर से उत्तर बंगाल मारवाड़ी भवन में आयोजित किया गया। सम्मेलन में उत्तर बंगाल के आठ जिलों और पड़ोसी राज्य सिक्किम से आए सौ से अधिक प्रबुद्ध नागरिकों ने भाग लिया। सम्मेलन का विषय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा रहा। इसमें समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने भाग लिया।

सरसंघचालक डॉ. भागवत ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर फैली भ्रांतियों पर कहा कि संघ को पारंपरिक संगठनात्मक ढांचे से नहीं समझा जा सकता, क्योंकि ऐसा कोई अन्य संगठन नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संघ की स्थापना किसी का विरोध करने या व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं हुई, बल्कि समाज के हर वर्ग में निःस्वार्थ सेवा की भावना को विकसित करने और बिना प्रचार एवं व्यक्तिगत पहचान की इच्छा के सामाजिक कार्य करने वालों को जोड़ने के उद्देश्य से हुई है।संघ संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार का उल्लेख करते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद डॉ. हेडगेवार ने अध्ययन के प्रति समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना को जीवन का आधार बनाया।

# कानपुर रोडवेज की बड़ी तैयारी, माघ मेले के लिए दौड़ेंगी 270 बसें, 50 शटल बसें भी तैयार

**● बसों के फेरे इस प्रकार तय किए गए हैं कि किसी भी यात्री को बस स्टैंड पर 10-15 मिनट से ज्यादा इंतजार न करना पड़े।**

एजेंसी
**कानपुर।** महाकुंभ-2025 के सफल आयोजन के बाद योगी सरकार माघ मेले की तैयारी में जुट गई है। श्रद्धालुओं को मेला तक लाने-ले जाने के लिए कानपुर परिक्षेत्र से इस बार 270 माघ मेला स्पेशल बसें चलाई जाएंगी, जो 24 घंटे सेवा में रहेंगी। समय पर बसें मिलें, इसको लेकर भी योगी सरकार ध्यान दे रही है। इस बार 6 स्नान पर्वों पर इन बसों के जरिए श्रद्धालु सुगम आवागमन कर सकेंगे। कानपुर रोडवेज ने यात्रियों की भारी भीड़ को संभालने के लिए भी पुख्ता इंतजाम किए हैं। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, कानपुर परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक महेश कुमार ने बताया कि कानपुर परिक्षेत्र से माघ मेले के लिए 270 बसों का संचालन यात्रियों

की उपलब्धता के अनुसार किया जाएगा। क्षेत्रीय प्रबंधक ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बसों का मुख्य केंद्र झकरकटी बस अड्डा होगा। यात्रियों की सुविधा के लिए संचालन को अलग-अलग डिपो में बांटा गया है। इसके तहत, माती डिपो (कानपुर देहात),फतेहपुर, और, उन्नाव डिपो की बसों को भी प्रयागराज रूट पर लगाया गया है। महेश कुमार ने जानकारी दी कि केवल लंबी दूरी की बसें ही नहीं, बल्कि 50 विशेष शटल बसें भी चलाई जाएंगी। ये शटल बसें प्रयागराज के बाहरी स्टैंड से श्रद्धालुओं को संगम क्षेत्र के निकटतम स्थानों तक छोड़ने और वापस लाने का काम करेंगी, ताकि बुजुर्गों और बच्चों को पैदल न चलना पड़े। परिवहन विभाग के मुताबिक, सभी बसों की कंडीशन अच्छी स्थिति में रहेगी और इन बसों में फॉग लैंप, हेडलाइट, विंडो कैचर, हॉर्न, सीटों की दशा व साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और सभी बसों में रूट के हिसाब से मेला स्टीकर लगाए जाएंगे, ताकि श्रद्धालुओं में भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो और आसानी से वह अपने क्षेत्र की बसों में बैठ सकें।

## हरियाणा में वंदे मातरम पर चर्चा से लेकर मुख्यमंत्री और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र का दूसरा दिन काफी हंगामेदार रहा। सदन में वंदे मातरम पर चर्चा से लेकर मुख्यमंत्री और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। सत्र के दौरान विधायक घनश्याम ने वंदे मातरम पर चर्चा का प्रस्ताव रखा। कांग्रेस विधायक ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाकर कहा कि पहाड़ों को उद्योगपतियों को बेचा जा रहा है। इस पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस पर निशाना साधकर कहा कि आपने विभाजन के समय वंदे मातरम को काट दिया था। इस बयान के बाद सदन में जमकर नारेबाजी हुई और स्पीकर हरविंदर कल्याण को सदन की कार्यवाही 30 मिनट (लंच तक) के लिए स्थगित करनी पड़ी। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस द्वारा लाए अविश्वास प्रस्ताव पर चुटकी ली। उन्होंने ध्यान दिलाया कि नोटिस पर विपक्ष के नेता (भूपेंद्र सिंह हुड्डा) के हस्ताक्षर नहीं थे। कांग्रेस को हुड्डा पर यकीन नहीं, देश की जनता को कांग्रेस पर यकीन नहीं, पर सदन में विपक्ष चाहिए था, हम तो हुड्डा साहब ही चाहते थे, चाहे कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व चाहे या न चाहे। हुड्डा साहब ही सही इस शुरू के बाद कांग्रेस विधायक वेल में आ गए और जोरदार हंगामा किया। हंगामे के दौरान जब मंत्री विज बोलना चाहते थे, तब स्पीकर ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इस पर विज नाराज हो गए और स्पीकर से ही भिड़ गए। उन्होंने शिकायत की कि उन्हें अपनी बात रखने का पर्याप्त मौका नहीं दिया जा रहा है।

## दिल्ली से कई एयरलाइन की 27 उड़ानें और इंडिगो की 59 घरेलू उड़ानें रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। घने कोहरे और उसकी वजह से दृश्यता कम होने के कारण गुरुवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर कई एयरलाइन की 27 उड़ानें रद्द कर दी गईं और कई के परिचालन में देरी हुई। आधिकारिक सूत्र ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बीच इंडिगो की वेबसाइट के मुताबिक उसने अपने घरेलू नेटवर्क में 59 उड़ानें रद्द कर दी हैं। सूत्र ने बताया कि घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर 16 प्रस्थान और 11 आगमन से जुड़ी अब तक 27 उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। यात्रियों के लिए जारी एक परामर्श में डायल ने कहा कि घने कोहरे के कारण उड़ान संचालन वर्तमान में कैट (श्रेणी)-तीन की स्थितियों के अंतर्गत आता है। इस तरह की परिस्थितियों में परिचालन में देरी या व्यवधान हो सकता है। इंडिगो की वेबसाइट के मुताबिक एयरलाइन ने गुरुवार को 59 उड़ानें रद्द की थी और शुक्रवार के लिए 28 और उड़ानें रद्द कीं। हालांकि, इंडिगो ने इसका कोई कारण नहीं बताया।

## छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी ने की एक और गिरफ्तारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में 16 दिसंबर को एक और गिरफ्तारी की है। ईडी के रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार सौम्या चौरसिया को रायपुर की एक विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया जहां से उसे तीन दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया। ईडी ने छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित एसीबी-ईओडब्ल्यू द्वारा आईपीसी, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत दर्ज प्राथमिकी पर जांच शुरू की है। पुलिस की जांच से पता चला कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ और अपराधों के माध्यम से लाभार्थियों को फायदा पहुंचाने के लिए 2,500 करोड़ रुपये से अधिक की अपराध आय उत्पन्न हुई। ईडी की जांच में पता चला कि सौम्या को लगभग 115.5 करोड़ रुपये की रिश्वत प्राप्त हुई थी। ईडी की जांच में डिजिटल रिकॉर्ड, जब्त सामग्री और लिखित बयानों के रूप में जुटाए गए सबूतों से यह साबित हुआ कि सौम्या शराब गिरोह की सक्रिय सहयोगी थी। डिजिटल साक्ष्य से पुष्टि हुई कि वह अनिल टूटेजा और चैतन्य बघेल सहित शराब गिरोह के प्रमुख सदस्यों के बीच केंद्रीय समन्वयकर्ता एवं मध्यस्थ की भूमिका निभा रही थी तथा अवैध धन के सृजन एवं धनशोधन में सुविधा प्रदान कर रही थी। बरामद चैट से यह भी पता चला कि वह गिरोह के प्रारंभिक संगठन में शामिल थी जिसमें अरुण पति त्रिपाठी और निरंजन दास को आबकारी विभाग में महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त करने में सहायता करना भी शामिल था। इससे पहले ईडी ने संबंधित मामले में अनिल टूटेजा (पूर्व आईएएस); अरविंद सिंह, त्रिलोक सिंह ढिल्लों, अनवर ढेबर, अरुण पति त्रिपाठी (आईटीएस), कवासी लखमा (छत्तीसगढ़ के तत्कालीन आबकारी मंत्री) और चैतन्य बघेल (पूर्व मुख्यमंत्री के पुत्र) को गिरफ्तार किया गया है।

## मध्य प्रदेश के साईं भक्तों ने साईं बाबा के चरणों में 20 लाख रुपये का सोने का मुकुट चढ़ाया

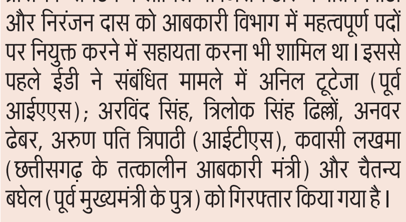

शिर्डी (एजेंसी)। देश और विदेश के करोड़ों भक्तों की श्रद्धा का स्थान शिरडी के साईं बाबा में अटूट आस्था है। साईं बाबा के चरणों में भक्त अपना आभार जताने के लिए अलग-अलग तरह के दान करते हैं। इसी भावना के साथ, मध्य प्रदेश के हरदासपुर के एक साईं भक्त तेज बहादुर सिंह ने साईं बाबा के चरणों में 20 लाख रुपये का सोने का मुकुट चढ़ाया है। मध्य प्रदेश के हरदासपुर के रहने वाले तेज बहादुर सिंह 2002 से शिरडी साईं बाबा के दर्शन के लिए आ रहे हैं। पिछले 24 सालों से साईं बाबा में उनकी अटूट आस्था है। तेज बहादुर सिंह ने कहा, मैंने अपनी ज़िंदगी में साईं बाबा से जो कुछ भी मांगा, वह सब मुझे मिला। 24 साल बाद, साईं बाबा की कृपा से मुझे एक बेटा हुआ। मैंने अपनी ज़िंदगी में कई बड़ी मुश्किलों का सामना किया। हालांकि, साईं बाबा ने मुझे हमेशा उन मुश्किलों से बाहर निकाला। तेज बहादुर सिंह, जो पहले बहुत मुश्किल हालात में रहे थे, ने कहा है कि आज उन्हें जो भी कामयाबी, खुशी, खुशहाली और सुकून मिला है, वह सब साईं बाबा की कृपा से है। तेज बहादुर सिंह ने कहा, आज मेरे पास जो कुछ भी है, वह साईं बाबा की कृपा से है। इसलिए मुझे साईं बाबा को कुछ देना है। इसी भावना से मैंने यह सोने का मुकुट चढ़ाया है। दरअसल साईं भक्त तेज बहादुर सिंह ने श्रद्धा के साथ साईं बाबा के चरणों में करीब 200 ग्राम वज़न का एक आकर्षक और खूबसूरती से सजा हुआ सोने का मुकुट चढ़ाया। इस कलात्मक सोने के मुकुट की कीमत करीब 20 लाख 16 हज़ार रुपये है। साईं बाबा के चरणों में सोने का मुकुट चढ़ाने के बाद, इसे साईं बाबा संस्थान के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी भीमराज दराडे को सौंप दिया गया। इस मौके पर, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी भीमराज दराडे ने दरियादिल साईं भक्त तेज बहादुर सिंह को सम्मानित किया और उनकी आस्था और योगदान के लिए दिल से शुक्रिया अदा किया।

# यूपीएससी और राज्य लोक सेवा आयोग भविष्य के लिये तैयार सिविल सेवाओं के निर्माण की कुंजी हैं: राष्ट्रपति

**हैदराबाद (एजेंसी)।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को भारत के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) और राज्य लोक सेवा आयोगों (पीएससी) की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए सिविल सेवा भर्ती प्रकिया में ईमानदारी, पारदर्शिता और तकनीकी तैयारी पर अधिक जोर देने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति ने यहां रामोजी फिल्म सिटी में लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि एक ऐसे मंच में भाग लेना सौभाग्य की बात है जो देश भर से यूपीएससी और राज्य लोक सेवा आयोगों के प्रमुखों को एक साथ लाता है।

राष्ट्रपति ने भारत में लोक सेवा आयोगों के लंबे और प्रतिष्ठित इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्रीय लोक सेवा आयोग की स्थापना एक अक्टूबर, 1926 को हुई थी और बाद में भारत सरकार अधिनियम, 1935 के तहत संघीय और प्रांतीय लोक सेवा आयोगों का प्रावधान किया गया। 26 जनवरी, 1950 को भारत के गणतंत्र बनने के बाद, संघ और राज्य लोक सेवा आयोगों ने अपनी वर्तमान संवैधानिक भूमिकाएँ ग्रहण कीं।

केन्द्रीय और राज्य लोक सेवा आयोगों के योगदान का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि लोक सेवा आयोगों ने सरकारी प्रशासन में समानता, निष्पक्षता और व्यावसायिकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन संस्थानों के माध्यम से चयनित सिविल सेवाएँ भारत के आर्थिक विकास, राजनीतिक स्थिरता और प्रशासन के लिए बहुत अहम रही हैं, जिससे संघ लोक सेवा आयोग देश के सबसे भरोसेमंद संस्थानों में से एक बन गया है।

श्रीमती मुर्मु ने इस बात पर जोर दिया कि कौशल की कमी को प्रशिक्षण के माध्यम से दूर किया जा सकता है, लेकिन सत्यनिष्ठा की कमी ऐसी चुनौतियाँ पैदा करती है जिन पर काबू पाना मुश्किल है तो ऐसे में भर्ती में ईमानदारी और सत्यनिष्ठा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोक सेवा आयोगों को उम्मीदवारों के बीच नैतिक अभिविन्यास और संवेदनशीलता का आकलन करने के लिए बेहतर प्रक्रिया विकसित करनी चाहिए, विशेष रूप से समाज के हाशिए पर रह रहे और कमजोर वर्गों के प्रति। राष्ट्रपति ने भविष्य की चुनौतियों पर जोर देते हुए लोक सेवा आयोगों से उभरते तकनीकी मुद्दों का अनुमान लगाने, पारदर्शिता को मजबूत करने और भर्ती प्रक्रियाओं में दक्षता बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन सर्वोत्तम विधियों, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी अपनाने, कानूनी ढांचे और प्रक्रिया सुधारों को साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है।

उन्होंने भारत के तेजी से आर्थिक विकास और आने वाले दशकों में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की उसकी महत्वाकांक्षा का जिक्र करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि संघ लोक सेवा आयोग और राज्य लोक सेवा आयोग भविष्य के लिए तैयार ऐसी सिविल सेवा का पोषण करके राष्ट्र निर्माण में योगदान देना जारी रखेंगे जो स्थिरता को रचनात्मकता के साथ और निरंतरता को आधुनिकीकरण के साथ जोड़ती है। श्रीमती मुर्मु ने संघ और राज्य लोक सेवा आयोगों को उनके प्रयासों में लगातार सफलता मिलने की शुभकामनाएं दीं।

## सीएम सरमा की धमकियों और डराने से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता : गौरव गोगोई

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा कि असम के सीएम हिमंत विस्वा सरमा की धमकियों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गोगोई ने कहा कि मुख्यमंत्री की धमकियों और डराने से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्हें ऐसा करते रहने दीजिए। आजकल उनकी बातों से राज्य के लोगों को फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि सीएम सरमा की धमकियों की राजनीति ज्यादा दिन नहीं चलने वाली है। गोगोई ने कहा कि सीएम सरमा अगले चार महीने जो चाहे कर सकते हैं, लेकिन सत्ता से बाहर होने के बाद उन्हें जनता के बीच ही रहना होगा। सीएम पिछले कुछ महीनों से गौरव गोगोई और उनकी पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध होने का आरोप लगाते हुए लगातार हमले कर रहे हैं। कोलबर्न ब्रिटेन की नागरिक हैं। राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था। एसआईटी ने 10 सितंबर को सीएम सरमा को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। सरमा ने पिछले सप्ताह कहा था कि यह मामला केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंप दिया जाएगा। सीएम सरमा ने यह भी कहा कि एसआईटी जुबिन गर्ग की मौत से जुड़े मामले में आरोप-पत्र दाखिल कर चुकी है, अब हम गौरव गोगोई के मामले पर आगे बढ़ेंगे। गर्ग हत्याकांड में सीआईडी की विशेष जांच टीम द्वारा दाखिल आरोप-पत्र का जिक्र करते हुए गोगोई ने कहा कि राज्य के अनुभवी वकीलों की टिप्पणियों से स्पष्ट होता है कि यह आरोप-पत्र अत्यंत कमजोर है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह आरोप-पत्र सीएम सरकार के करीबी सहयोगी श्यामकानु महंत को बचाने की रणनीति के तहत सोच-समझकर तैयार किया गया है। इसमें कई प्रमुख आरोपियों के नाम शामिल नहीं किए गए हैं, जिन्हें किया जाना चाहिए था।

## सीएम ममता ने 'कर्मश्री' योजना का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखने की घोषणा की

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बड़ा राजनीतिक और वैचारिक बयान देते हुए राज्य सरकार की रोजगार योजना कर्मश्री का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात पर शर्म महसूस होती है कि राष्ट्रीय स्तर पर महात्मा गांधी के नाम को कल्याणकारी योजनाओं से हटाया जा रहा है। ममता बनर्जी का इशारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के नाम में किए गए कथित बदलावों की ओर था, जिसे लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'कर्मश्री' योजना के तहत राज्य में 75 से 100 दिनों तक रोजगार दिया जाता है और अब यह योजना महात्मा गांधी के नाम से जानी जाएगी। ममता बनर्जी ने भावुक अंदाज़ में कहा, मैं वास्तव में शर्मिंदा हूं। राष्ट्रपिता का नाम योजनाओं से हटाया जा रहा है। मैं किसी और को दोष नहीं देती, क्योंकि मैं इसी देश की नागरिक हूं। हम राष्ट्रपिता को भूलते जा रहे हैं, यह दुखद है। उन्होंने केंद्र सरकार पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि अगर केंद्र महात्मा गांधी को सम्मान नहीं देगा तो बंगाल देगा। ममता ने कहा, अगर आप महात्मा गांधी का सम्मान नहीं करेंगे, तो हम करेंगे। अपने भाषण में ममता बनर्जी ने महात्मा गांधी के साथ-साथ नेताजी सुभाष चंद्र बोस, गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर, डॉ. भीमराव आंबेडकर, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, सरदार पटेल और लाल-बाल-पाल का भी उल्लेख किया। उन्होंने बंगाल की समावेशी संस्कृति की बात करते हुए कहा कि राज्य हर समुदाय और हर विचारधारा का सम्मान करता है। देखा जाये तो यह बयान ऐसे समय आया है जब मनरेगा के नाम और पहचान को लेकर देशभर में राजनीतिक बहस चल रही है और तृणमूल कांग्रेस इसे केंद्र सरकार की इतिहास और प्रतीकों को बदलने की राजनीति बता रही है।

# कर्नाटक में सिद्धारमैया गुट के 30 विधायकों का रात्रिभोज... सीएम बदलाव की अटकलें फिर तेज

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद के लिए चल रही खींचतान और बदलाव की अटकलें फिर तेज हो गई हैं। बेलगावी में वरिष्ठ लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली द्वारा आयोजित एक रात्रिभोज में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का समर्थन करने वाले विधायक शामिल हुए। इस जमावड़े में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के पुत्र और विधान परिषद सदस्य यतींद्र सिद्धारमैया तथा विधायक के एन राजन्ना सहित तीस से अधिक विधायक शामिल हुए। हालांकि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया स्वास्थ्य कारणों से कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। जारकीहोली ने बैठक को राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान एक सामान्य सामाजिक मेलजोल बताया है लेकिन इसमें शामिल कई विधायकों ने संकेत दिया कि वहां राजनीतिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री के करीबी राजन्ना ने पुष्टि की कि पार्टी की रणनीति और नेतृत्व से जुड़े मामले बातचीत का हिस्सा थे। उन्होंने बताया कि इस तरह की बैठकें केवल सामाजिक मेलजोल के अलावा कई अन्य उद्देश्यों को भी पूरा करती हैं। यह रात्रिभोज उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के इसी तरह के एक कार्यक्रम की मेजबानी किए जाने के एक सप्ताह बाद हुआ है। इससे कर्नाटक कांग्रेस के भीतर स्पष्ट गुटबाजी और अलग अलग ध्रुवों का साफ पता लगाता है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के 20 नवंबर को अपना ढाई साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद नेतृत्व परिवर्तन की संभावनाओं ने जोर पकड़ लिया है। सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच साल 2023 के सत्ता साझाकरण समझौते की खबरें लगातार चर्चा में हैं हालांकि पार्टी आलाकमान के निर्देश पर दोनों नेताओं ने हाल ही में एक दूसरे के आवास पर मुलाकात की है। इससे फिलहाल श्री सिद्धारमैया के मुख्यमंत्री पद पर बने रहने और नेतृत्व की खींचतान में अस्थायी विराम का संकेत मिलता है।

वहीं विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के सीएम सिद्धारमैया को विदा होने वाला मुख्यमंत्री कहने पर यतींद्र ने कहा कि ऐसी आलोचनाएं लंबे समय से चल रही हैं और इनका कोई विशेष महत्व नहीं है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि सत्र के दौरान ऐसी बैठकें सामान्य होती हैं लेकिन ये पार्टी विधायकों के भीतर आंतरिक समीकरणों और निष्ठाओं को जरूर प्रदर्शित करती हैं।

## मनी लॉनड्रिंग केस में ईडी का शिकंजा : युवराज, सोनू सूद, उर्वशी की करोड़ों की संपत्ति अटैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑनलाइन सट्टेबाजी 1×बेट ऐप मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा समेत कई बॉलीवुड सेलिब्रिटिज की करोड़ों की संपत्ति जब्त कर ली है। 1×बेट मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने नए प्रोविजनल अटैचमेंट किए हैं, जिन लोगों की संपत्तियां अटैच की गई हैं, उनमें युवराज सिंह, रॉबिन उथप्पा, उर्वशी रौतेला, सोनू सूद, मिमी चक्रवर्ती, अंकुश हाजरा और नेहा शर्मा के नाम शामिल हैं। यह जांच कथित अवैध बेटिंग ऐप्स से जुड़ी है, जिन लोगों पर आरोप है कि उन्होंने लोगों और निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी की है या बड़े पैमाने पर टैक्स की चोरी की है। कंपनी का दावा है कि 1×बेट एक वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त बुकी है, जो पिछले 18 सालों से बेटिंग इंडस्ट्री में है।

# वायु प्रदूषण पर चर्चा से भागी सरकार... ये शीतकालीन नहीं, बल्कि प्रदूषण सत्र

**-कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का केंद्र पर आरोप**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस महासचिव और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने वायु प्रदूषण को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला कर आरोप लगाया कि हाल ही में समाप्त हुआ संसद का शीतकालीन सत्र सरकार की इस मुद्दे पर बहस करने की अनिच्छा के कारण प्रभावी रूप से प्रदूषण सत्र में बदल गया। प्रेसवार्ता को संबोधित कर कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि संसद में केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया से उन्हें गहरा सदमा लगा, जिसमें उन्होंने प्रदूषण और फेफड़ों से संबंधित बीमारियों के बीच किसी भी संबंध से इंकार किया।

कांग्रेस नेता ने कहा कि यह शीतकालीन सत्र नहीं, बल्कि प्रदूषण सत्र था। मैं तब स्तब्ध रह गया जब सरकार ने गुरुवार को संसद में यह जवाब दिया कि प्रदूषण और फेफड़ों की समस्याओं के बीच कोई संबंध नहीं है। रमेश ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश भर में, विशेष रूप से उत्तर भारत में, जहां प्रदूषण का स्तर हफ्तों से गंभीर बना हुआ है, बिगड़ती वायु गुणवत्ता पर विस्तृत चर्चा की बार-बार मांग की थी।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने वायु प्रदूषण पर चर्चा की मांग की थी। हम लोकसभा और राज्यसभा में वायु प्रदूषण पर बहस चाहते थे। कांग्रेस नेता ने केंद्र के उस दावे को खारिज किया कि विपक्ष द्वारा व्यवधान डालने से प्रदूषण पर बहस नहीं हो सकी। उन्होंने बताया कि विपक्ष की मांगों के बावजूद लोकसभा को इस मुद्दे पर चर्चा किए बिना अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया गया। दुर्भाग्य से, लोकसभा में ही सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा की गई।

केंद्र के आरोपों पर कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि चर्चा न होने की जिम्मेदारी सरकार की है। 'सरकार का यह बयान कि कांग्रेस के कारण प्रदूषण पर चर्चा नहीं हो सकी, गलत है। मैं इस बयान को पूरी तरह से खारिज करता हूं। रमेश की ये टिप्पणी संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा कांग्रेस पर संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान वायु प्रदूषण पर प्रस्तावित चर्चा को बाधित करने का आरोप लगाने के बाद आई है। रिजिजू ने दावा किया था कि सरकार पूरे दिन की बहस के लिए तैयार थी, लेकिन विपक्ष के व्यवधान के कारण ऐसा करने से रोक दिया गया।

# संसद में सवाल के बदले नकदी मामले में महुआ मोइत्रा को बड़ी राहत

**-हाईकोर्ट ने लोकपाल का आदेश किया रद्द**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** संसद में सवाल पूछने के बदले नकदी लेने के मामले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी कानूनी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने भारत के लोकपाल के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को महुआ मोइत्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करने की अनुमति दी गई थी। अदालत के इस फैसले को मोइत्रा के लिए बड़ी जीत माना जा रहा है।

दिल्ली हाईकोर्ट की खंडपीठ, जिसमें जस्टिस अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर शामिल थे, ने महुआ मोइत्रा की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। इससे पहले कोर्ट ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। महुआ मोइत्रा ने लोकपाल के 12 नवंबर के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें सीबीआई को उनके खिलाफ जांच और आगे की कार्रवाई की अनुमति दी गई थी।

सुनवाई के दौरान महुआ मोइत्रा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता निधेश गुप्ता ने दलील दी कि लोकपाल ने लोकपाल एवं लोकायुक्त अधिनियम, 2013 में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया। उनका कहना था कि अधिनियम की धारा 20(7) के तहत लोकपाल को किसी भी लोकसेवक के खिलाफ कार्रवाई से पहले उसका पक्ष जानना अनिवार्य है। हालांकि महुआ मोइत्रा से लिखित जवाब मांगा गया था, लेकिन उनके अनुसार लोकपाल ने उनके जवाबों पर समुचित विचार किए बिना ही सीबीआई को आरोपपत्र दाखिल करने की अनुमति दे दी।

मामले की पृष्ठभूमि में आरोप है कि महुआ मोइत्रा ने कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर संसद में सवाल पूछे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। दुबे का दावा था कि ये आरोप उन्हें वकील जयअनंत देहादराई से प्राप्त सबूतों के आधार पर लगे हैं। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि महुआ मोइत्रा ने दर्शन हीरानंदानी और उनकी कंपनियों के हित में संसद में सवाल उठाए।

भाजपा सांसद का यह भी दावा था कि महुआ मोइत्रा द्वारा पूछे गए 61 सवालों में से करीब 50 सवाल सीधे तौर पर हीरानंदानी समूह को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से थे। दूसरी ओर, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने लोकपाल के आदेश का बचाव करते हुए कहा था कि आरोपी को मौखिक सुनवाई का कोई अधिकार नहीं है और महुआ मोइत्रा को लिखित टिप्पणी देने का पूरा अवसर दिया गया था। हाईकोर्ट के ताजा फैसले से फिलहाल महुआ मोइत्रा के खिलाफ सीबीआई की कार्रवाई पर विराम लग गया है।

# दूसरे धर्म में लड़की ने की शादी पिता ने किया संपत्ति से बेदखल, कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने संपत्ति के अधिकार को लेकर एक अहम फैसला दिया है। उसने टेस्टेटर की इच्छा को सर्वोपरि मानते हुए एक पिता की वसीयत को वैध ठहराया है, जिसमें उन्होंने अपनी बेटी शैला जोसेफ को समुदाय से बाहर के लड़के से शादी करने के कारण संपत्ति से वंचित कर दिया था। यह मामला लैंगिक समानता के कई ऐतिहासिक फैसलों के बावजूद वसीयत की स्वतंत्रता को अहमियत देता है। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने केरल हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट के फैसलों को पलट दिया, जिन्होंने वसीयत को दरकिनार करते हुए एनएस श्रीधरन की संपत्ति को नौ बच्चों में बराबर बांटने का आदेश दिया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रीधरन के नौ बच्चे थे, लेकिन 1988 में बनाई गई उनकी रजिस्टर्ड वसीयत में शैला को छोड़कर बाकी आठ बच्चों को संपत्ति सौंप दी गई थी। वजह थी शैला का समुदाय से बाहर शादी करना। जजमेंट लिखते हुए जस्टिस चंद्रन ने कहा कि वसीयत स्पष्ट रूप से साबित हो चुकी है, इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट के फैसले रद्द किए जाते हैं। शैला जोसेफ का अपने पिता की संपत्ति पर कोई दावा नहीं है, क्योंकि वसीयत से यह संपत्ति अन्य भाई-बहनों को सौंप दी गई है।

कोर्ट में शैला की ओर से सीनियर एडवोकेट पीबी कृष्णन ने तर्क दिया कि उनकी क्लाइंट को कम से कम 1/9 हिस्सा मिलना चाहिए, जो संपत्ति का नगण्य हिस्सा है, लेकिन बेंच ने स्पष्ट किया कि संपत्ति के बंटवारे में व्यक्ति की इच्छा के मामले में समानता का सवाल उठता ही नहीं। हम इक्विटी पर नहीं हैं। टेस्टेटर की इच्छा सर्वोपरि है। उसकी अंतिम वसीयत से विचलन या उसे निरस्त नहीं किया जा सकता।

बेंच ने टिप्पणी की कि वंचित करने की वजह बताई गई है, लेकिन उसकी स्वीकार्यता हमारे लिए सावधानी का नियम नहीं तय करती। हम टेस्टेटर की जगह खुद को नहीं रख सकते। हम अपनी राय थोप नहीं सकते, उनकी इच्छा उनकी अपनी वजहों से प्रेरित है। फैसले में सिविल अपीलों को मंजूर करते हुए शैला की पार्टिशन सूट को खारिज कर दिया। मामला केरल का है, जहां श्रीधरन की मौत के बाद 1990 में भाई-बहनों ने इंजेक्शन सूट दाखिल किया था और वसीयत की कॉपी पेश की थी। शैला ने उसमें हिस्सा नहीं लिया, जिसे कोर्ट ने बाद में उनके खिलाफ माना

## बिल्डर और बैंक कर्मियों की मिलीभगत से 100 करोड़ की ठगी

कौमी पत्रिका

ग्रेटर नोएडा। एसटीएफ की नोएडा यूनिट ने बिल्डर प्रोजेक्ट में निवेश और फ्लैट खरीदने के नाम पर लोन कराकर 100 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का खुलासा किया है। टीम ने गिरोह के सरगना रामकुमार सहित आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें बैंक सेक्टर से जुड़े प्रशिक्षित पेशेवर, कंपनी सेक्रेटरी, एमबीए और विधि की पढ़ाई कर चुके सदस्य शामिल हैं। ये बिल्डर और बैंक कर्मियों से मिलीभगत करके वारदात को अंजाम देते थे। एसटीएफ नोएडा के अपर पुलिस अधीक्षक राजकुमार मिश्रा ने बताया कि एचडीएफसी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी ने फर्जी प्रोफाइल पर जारी लोन की शिकायत की थी। इसकी जांच एसटीएफ को सौंपी गई थी। बृहस्पतिवार दोपहर सूरजपुर थाना क्षेत्र से गिरोह के आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। जांच में पता चला कि ये कई राज्यों में फर्जी दस्तावेज तैयार कर लोगों की संपत्तियों पर करोड़ों रुपये का होम लोन करा चुके हैं। टीम ने इंदिरापुरम में रहने वाले गिरोह के सरगना रामकुमार समेत साहिबाबाद निवासी अनुज यादव, दिल्ली निवासी नितिन जैन व अशोक उर्फ दीपक, झारखंड निवासी मोहम्मद वसी, बिहार निवासी शमशाद आलम, गुरुग्राम के इंद्रकुमार कर्माकर, संभल निवासी ताहिर हुसैन को गिरफ्तार किया है। इनसे 126 बैंक चेकबुक-पासबुक, 170 डेबिट कार्ड, 45 आधार कार्ड, 27 पैन कार्ड, 5 वोटर आईडी, 26 मोबाइल, 3 लैपटॉप, 3 लग्जरी गाड़ियां और फर्जी रजिस्ट्री व एग्रीमेंट दस्तावेज बरामद किए हैं। टीम ने गिरोह से जुड़े 220 से अधिक बैंक खातों को भी फ्रीज कराया

है। आरोपी लोन लेने से पहले फर्जी बिल्डर, प्रोजेक्ट, निवेशक की प्रोफाइल बनाते थे फिर बैंक में जाकर निवेश या घर खरीदने के लिए लोन कराते थे। रकम खाते में आने के बाद गायब हो जाते थे। बिल्डरों से साठगांठ करके भी लोन कराते थे। आरोपी फर्जी नाम-पते से फ्लैट और मकानों का लोन प्रोसेसिंग कराते थे। कई बार लोन फर्जी फ्लैट या अस्तित्वहीन संपत्तियों के नाम पर भी पास करा लेते थे। गिरोह का नेटवर्क कई शहरों में फैला है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पहले लोगों की जानकारी जुटाते थे फिर फर्जी आधार और पैन कार्ड तैयार करके अलग-अलग बैंकों में दस्तावेज जमा कराते थे। अधिकतर मामलों में बिल्डरों की मिलीभगत से लोन अप्रूवल प्रक्रिया को आसान बनाते थे। लोन की रकम आने के बाद व्यक्ति या प्रोफाइल हमेशा के लिए गायब हो जाती थी। गिरोह का बदमाश अनिल शर्मा को मार्च में दिल्ली की ईओडब्ल्यू ने गिरफ्तार किया था। उसने एलआईसी हाउसिंग से 1.25 करोड़ रुपये का फर्जी होम लोन लेने के लिए नकली बैनामा कागज बनवाया था। यह मामला वर्तमान गैंग कनेक्शन से भी जुड़ा पाया गया है। एसटीएफ की जांच में सामने आया कि गिरोह की जड़ें नोएडा, लखनऊ, वाराणसी, हरिद्वार, चंडीगढ़, दिल्ली और गुरुग्राम तक फैली हैं। कई बिल्डरों से भी मिलीभगत के संकेत मिले हैं। गिरोह ने 20 से अधिक शेल कंपनियां फर्जी व्यक्तियों के नाम से खोल रखी थीं। इन कंपनियों का उपयोग धोखाधड़ी से प्राप्त धन को निकासी करने और आगे ट्रांसफर करने में किया जाता था। गिरोह ने दिल्ली स्थित रतनावासुदेवा नाम की महिला की जगह शाहिदा अहमद को खड़ा किया और उनकी संपत्ति को सना उल्लाह अंसारी के नाम करा दिया। रतनावासुदेवा की मौत हो चुकी है। इतना ही नहीं, जालसाजों ने इस संपत्ति पर 4.8 करोड़ रुपये का होम लोन भी पास करा लिया। रामकुमार एमबीए, मोहम्मद वसी कंपनी सेक्रेटरी (सीएस), एमबीए व एलएलबी पास है। वसी कई वर्षों से एक्सचेंजर कंपनी में लीगल एंड रिस्क मैनेजर के पद पर कार्य कर रहा है। अन्य आरोपी भी बैंकिंग और फाइनेंस प्रक्रियाओं में प्रशिक्षित हैं। सभी आरोपी अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर फर्जी प्रोफाइल के सहारे करोड़ों रुपये ठगते थे। सबके काम बंटे थे। कोई दस्तावेज तैयार करता था। कोई बैंकिंग प्रोसेस संभालता था तो कोई फर्जी खरीदार तैयार करने या बिल्डरों से संपर्क कराने का काम करता था।

### बिना आईएसआई मार्क के बिक रहे है खिलौने, बीआईएस की टीम ने किया जब्त

साहिबाबाद। जागरूकता अभियान के बावजूद बाजार में बिना आईएसआई मार्क के खिलौने बिक रहे हैं जो बच्चों के लिए घातक हैं। भारत मानक ब्यूरो गाजियाबाद की टीम को मेन रोड, राशिद मार्केट, पटपड़गंज रोड, दिल्ली में बिना आईएसआई मार्क के और फर्जी आईएसआई मार्क के खिलौने बिकते हुए पाए गए। बीआईएस की टीम ने गाजियाबाद व दिल्ली के कई बाजारों में तलाशी और जब्ती अभियान चलाया। बीआईएस अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के तहत प्रत्येक खिलौने में आईएसआई मार्क अवश्य होना चाहिए जो बीआईएस की ओर से जारी हुआ है। बीआईएस अधिनियम, 2016 के निषेधात्मक प्रावधानों के तहत, कोई भी व्यक्ति वैध लाइसेंस के अलावा, मानक चिह्न के बिना धारा 16 की उपधारा (1) के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल, वस्तु, प्रक्रिया, प्रणाली या सेवा का निर्माण, आयात, वितरण, बिक्री, किराये पर देना, पट्टे पर देना, भंडारण या बिक्री के लिए प्रदर्शन नहीं करेगा। बीआईएस की टीम ने बाजार में कई दुकानों पर बिक रहे खिलौने जब्त किए और दुकान संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आने वाले दिनों में अन्य बाजारों में भी सर्च अभियान चलाया जाएगा।

### निगम ने जारी किया आदेश, प्राइवेट कंपनी के लोग नहीं करेंगे संपत्तिकर की वसूली

गाजियाबाद। नगर निगम संपत्तिकर की वसूली के दौरान कर अधीक्षक के साथ चलने वाले प्राइवेट फर्म के कर्मचारियों पर नगर आयुक्त ने रोक लगा दी है। उन्होंने कहा है कि निगम के कर्मचारी के अलावा कोई भी प्राइवेट फर्म का कर्मचारी कर वसूली के लिए किसी के घर नहीं जाएगा। अगर कहीं से ऐसी शिकायत आती है, तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि संपत्तिकर की वसूली को लेकर लगातार शिकायतें आ रही थीं कि वसूली के लिए निगम के कर्मचारियों के साथ ही कुछ प्राइवेट फर्मों के लोग भी पहुंच रहे हैं। हालांकि ये प्राइवेट लोग नहीं थे बल्कि निगम के लिए काम कर रही अलग-अलग एजेंसियों से जुड़े कर्मचारी थे जिन्हें सर्वे और अन्य कार्यों के लिए लगाया गया था।

## नौकरी दिलाने के नाम पर एक हजार से अधिक युवाओं से ठगी

गाजियाबाद। मेट्रो, बैंक, अस्पताल, एयरपोर्ट समेत अन्य जगह नौकरी दिलवाने के नाम पर एक हजार से अधिक युवाओं से

धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इसको लेकर नेहरू नगर द्वितीय में राधिका कुंज स्थित आरएस हेल्थ केयर मैनेजमेंट मार्केटिंग कंपनी के कार्यालय में शुक्रवार को 50 से अधिक युवक-युवतियों ने हंगामा किया। इसके बाद सिहानी गेट पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर युवाओं के शैक्षिक प्रमाण पत्र बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, ठगी की रकम का आकलन किया जा रहा है। प्राथमिक जांच में 30 लाख रुपये से ज्यादा ठगी की बात सामने आई है। अभी पीड़ित सामने आ रहे हैं। यह रकम बढ़ भी सकती है।एसीपी नंदग्राम उपासना पांडेय ने बताया, बेरोजगार युवक-युवतियों का आरोप है कि नौकरी दिलाने का झांसा देकर कई शहरों के करीब एक हजार युवाओं से ठगी की गई है। आरोपी आउटसोर्सिंग कंपनी बनाकर इंटरनेट मीडिया, पोस्टर और फोन कॉल के जरिये बेरोजगारों को आकर्षित करते हैं। नौकरी के नाम पर रजिस्ट्रेशन, ट्रेनिंग, प्रोसेसिंग फीस, फाइल चार्ज और सिक्योरिटी डिपॉजिट जैसे विभिन्न मदों में दो हजार रुपये से लेकर 25 हजार रुपये तक वसूले गए हैं। मालीवाड़ा निवासी आशीष ठाकुर ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि ट्रेनिंग के बाद युवाओं को मेट्रो टिकट काउंटर, बैंकिंग असिस्टेंट, अस्पताल स्टाफ, एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ, सिक्योरिटी गार्ड, सुपरवाइजर समेत 80 तरह की नौकरियों का भरोसा दिलाया गया। कई पीड़ितों के अनुसार, नौकरी देने के बजाय एक महीने बाद उन्हें शैंपू-साबुन बेचने का टारगेट थमा दिया गया। इसके बाद युवाओं ने विरोध शुरू कर दिया। एसीपी ने बताया कि मामले में रितेश कुमार निवासी न्यू भूड़ कॉलोनी थाना पुरानी सब्जी मंडी फरीदाबाद हरियाणा और अमन निवासी भगवती गार्डन, जैन रोड द्वारका थाना उत्तमनगर नई दिल्ली को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही कुछ अन्य लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

### हैबीटेक पंचतत्व सोसाइटी में गैस लीकेज से लगी आग, दो महिलाएं झुलसीं

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर कोतवाली क्षेत्रांतर्गत टेकजोन-4 स्थित हैबीटेक पंचतत्व सोसाइटी में शनिवार सुबह एक फ्लैट में गैस लिकेज के कारण अचानक लगी आग से दो महिलाएं मामूली रूप से झुलस गई। आग लगने की सूचना फायर स्टेशन ईकोटेक-3 को मिलते ही तत्काल गौर सिटी फायर यूनिट को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि टावर नंबर ए-6 की 24वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में सुबह के समय आग गैस लीकेज के कारण लगी। आग लगते ही फ्लैट में मौजूद दो महिलाएं मामूली रूप से झुलस गईं। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से दोनों घायलों को तुरंत उपचार के लिए पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही सोसाइटी के फायर फाइटिंग सिस्टम को सक्रिय किया गया। स्थानीय निवासियों और फायर सर्विसकर्मियों द्वारा समय रहते पूरी तरह बुझा लिया गया। जिससे आग अन्य फ्लैटों तक फैलने से रोक ली गई। निवासियों का कहना है कि यदि समय पर आग पर काबू नहीं पाया जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। हालांकि, आग लगने के दौरान कुछ समय के लिए सोसाइटी में दहशत का माहौल बना रहा।

## बरेली में ताहिर अली ने बेटी के निकाह में हिंदू समाज को दी दावत

भोजीपुरा (बरेली)। बरेली के भोजीपुरा में बहावी मत को मानने वाले ताहिर अली की बेटी के निकाह में हिंदू समाज के लोगों को दावत दी गई। इससे सुन्नी जमात के लोग नाराज हो गए। आरोप है कि मौलानाओं ने व्हाट्सएप ग्रुप पर फतवा जारी कर सुन्नी जमात के लोगों दावत खाने से रोक दिया। जिसकी वजह से ताहिर अली को करीब छह लाख रुपये का नुकसान हुआ है। ताहिर अली भोजीपुरा थाना क्षेत्र के गांव मोहम्मदपुर जाटान के रहने वाले हैं। इनकी बेटी फिजा की शादी तीन दिसंबर को थी। ताहिर अली ने एक दिसंबर को हिंदू समाज के लोगों को दावत खिलाई थी। इसके बाद दो दिसंबर को मुस्लिम समाज के लिए दावत खिलाने लिए खाना बनवाया। इससे कुछ मौलाना नाराज हो गए। ताहिर का आरोप है कि इन मौलानाओं के साथ 50/60 कट्टरपंथी लोगों ने व्हाट्सएप पर ग्रुप बना रखा है। ताहिर अली का कहना है कि उक्त मौलानाओं व इनके कट्टरपंथी साथियों ने उनसे कहा कि वे लोग हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कराते हैं और इस्लाम धर्म का विस्तार करते हैं। तुम्हारे यहां दावत खिलाई जा रही है। ताहिर का आरोप है कि मौलानाओं ने कहा कि हिंदुओं के खाने में मांस मिलाकर धर्म परिवर्तन करवाओ। पीड़ित ने उनकी बात नहीं मानी तो मौलानाओं ने फतवा जारी कर मुस्लिम समाज के लोगों को दावत में आने से रोक दिया। जिसकी वजह से ताहिर अली के यहां दावत का खाना धरा रह गया। ताहिर के मुताबिक करीब छह लाख रुपये का नुकसान हुआ है। ताहिर अली ने एसएसपी अनुराग आर्य को शिकायती पत्र दिया। एसएसपी ने प्रभारी निरीक्षक भोजीपुरा को जांच के आदेश दिए हैं। प्रभारी निरीक्षक भोजीपुरा राजीव कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

### दाखिला नहीं ले सकी छात्राओं को स्पेशल में मिलेगा मौका

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2025-26 में स्नातक प्रोग्राम में दाखिले की रेस जारी है। जहां नियमित कॉलेजों में दाखिले के चांस सीमित हो गए हैं, वहीं अभी नॉन कॉलिजिऐट वीमेंस एजुकेशन बोर्ड (एनसीवेब) में छात्राओं के लिए दाखिले की संभावना बनी हुई है। शनिवार को एनसीवेब में दूसरी कट ऑफ के दाखिले फीस भुगतान करने के साथ समाप्त हो गए। अब सोमवार को तीसरी कट ऑफ जारी होगी। इसके बाद स्पेशल कट ऑफ निकाली जाएगी। इसमें उन्हीं छात्राओं को दाखिले का अवसर मिल सकेगा जिनको तीन कट ऑफ में दाखिला नहीं मिला है। एनसीवेब में दो स्नातक प्रोग्राम बीए व बीकॉम प्रोग्राम की कुल 15,200 सीटों में से दूसरी कट ऑफ तक आठ हजार से अधिक सीटें भर गई हैं। इस तरह से अब भी छात्राओं के दाखिले की संभावना बनी हुई है। अब एनसीवेब की तीसरी कट ऑफ 11 अगस्त को जारी होगी। पहली दो कट ऑफ में छात्राओं को दाखिले के लिए तीन दिन मिले थे। वहीं, तीसरी कट ऑफ में दो दिन (12 व 13 अगस्त) ही मिलेंगे। इस कट ऑफ के आधार पर छात्राएं 15 अगस्त शाम पांच बजे तक फीस का भुगतान कर सकेंगी। इस कट ऑफ के बाद एनसीवेब प्रशासन खाली सीटों की समीक्षा करेगा। तब 18 अगस्त को स्पेशल कट ऑफ जारी की जाएगी। जिसके आधार पर 23 अगस्त तक दाखिला लेकर फीस का भुगतान किया जा सकेगा। चौथी कट ऑफ भी जारी की जाएगी। इसके बाद सीट की उपलब्धता के आधार पांचवीं कट ऑफ एक सितंबर को जारी होगी। इसके बाद भी सीटें शेष रहने पर एनसीवेब पहली से पांचवीं कट ऑफ में दाखिला नहीं पाई छात्राओं के लिए एक स्पेशल ड्राइव आठ सितंबर को जारी करेगा।

### वाहन चालकों की मनमानी के साथ बढ़ी चालान की रफ्तार, गलत पार्किंग भी बड़ा उल्लंघन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अक्तूबर महीने के मुकाबले नवंबर में वाहनों की रफ्तार 15 प्रतिशत बढ़ी है। अक्तूबर महीने में कैमरों से कुल चालानों में 43 प्रतिशत तेज रफ्तार (ओवर स्पीड) में किए गए। नवंबर में ये प्रतिशत 57 हो गया। मौके पर चालानों को देखे तो दिल्ली में वाहन चालकों को वाहन को पार्क करने की सहूलियत नहीं है। आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि गलत पार्किंग सबसे बड़ा उल्लंघन रहा, जो कुल रोडसाइड उल्लंघनों का लगभग 43 प्रतिशत था। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के आंकड़ों के अनुसार सितंबर-अक्तूबर महीने में दिल्ली में कैमरों से कुल 3.8 लाख चालान हुए हैं। इनमें अधिक गति, हेलमेट न पहनना और गलत पार्किंग जैसी प्रमुख उल्लंघन हैं। आंकड़ों के मुताबिक सिर्फ ओवरस्पीडिंग ही कुल उल्लंघनों का लगभग 43 प्रतिशत रहा है। आंकड़ों के अनुसार सितंबर महीने में लाइट मोटर व्हीकल्स के 1,64,738 ओवरस्पीडिंग चालान हुए हैं, जो कुल सीसीटीवी नोटिस चालानों का 43 प्रतिशत है। इसके अलावा हेलमेट नहीं पहनने पर 70,827 चालान किए गए हैं, जोकि कुल चालानों का लगभग 19 प्रतिशत है। गलत पार्किंग के कुल 66,454 चालान हुए हैं, जोकि कुल चालानों को करीब 17 प्रतिशत है। रेड लाइट जंपिंग के कुल 21,116 चालान हुए हैं, जोकि कुल चालानों का 6 प्रतिशत है। गलत दिशा में वाहन चालाने के 14,272 चालान हुए हैं, जोकि कुल कैमरों से हुए चालानों का 4 प्रतिशत है। दो महीनों में ट्रैफिक पुलिस ने कुल 3,59,472 ऑन-ग्राउंड चालान जारी किए।

### एपीके फाइल से फोन रिमोट पर लेकर ठगी करने वाला देवघर से गिरफ्तार

नई दिल्ली। मध्य जिला साइबर सेल ने कस्टमर सपोर्ट एपीके फाइल डेवलपर को देवघर झारखंड से गिरफ्तार किया है। जालसाज की पहचान जामताड़ा झारखंड निवासी उमेश रजक के रूप में हुई है। जालसाज लोगों को एपीके फाइल भेजकर उनके फोन को रिमोट पर लेकर डिजिटल ट्रांजैक्शन कर लेता था। आरोपी ठगी करने वाले अन्य जालसाजों को भी ठगी के लिए एपीके फाइल बेचता भी था। जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वाल्सन ने बताया कि 29 जुलाई को साइबर सेल में ठगी की शिकायत मिली। मिंटो रोड निवासी शिकायतकर्ता ने बताया कि उनके पास अनजान व्यक्ति ने फोन किया और बताया कि उनका बिजली मीटर कटने वाला है। आरोपी ने उन्हें एक एपीके फाइल भेजकर उसे अपने मोबाइल फोन में इंस्टॉल करने के लिए कहा। इंस्टॉलेशन के बाद जालसाज ने उनके बैंक खाते से 1.20 लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए। शिकायत पर पुलिस ने धोखाधड़ी और ठगी का मामला दर्ज कर लिया। निरीक्षक संदीप पंवार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने एपीके फाइल की तकनीकी जानकारी हासिल की। तकनीकी सर्विलांस और आईपी लॉग्स, डिजिटल मनी ट्रेल्स के जरिए पता चला कि जालसाज जामताड़ा से ठगी को अंजाम दे रहा है। पहचान उमेश रजक के तौर पर हुई। पुलिस टीम ने झारखंड के देवघर में दबिश देकर उमेश को गिरफ्तार कर लिया।

### नगर निगम जोनल कार्यालय में ही भर रहा नाले का पानी, लोग परेशान

साहिबाबाद। नगर निगम जहां शहरभर में साफ-सफाई और जलभराव से निपटने के दावे करता है, वहीं उसका खुद का मोहन नगर जोनल कार्यालय लापरवाही का उदाहरण बनता दिखाई दे रहा है। कार्यालय परिसर में पिछले कई दिनों से नाले का पानी भरा हुआ है, जिससे कर्मचारियों और आसपास रहने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कार्यालय में कार्यरत लोगों का कहना है नाले की पानी बाहर नहीं निकल रहा है। इसलिए पानी ओवरफ्लो होकर सीधे निगम कार्यालय में ही जमा हो गया। इससे दफ्तर आने-जाने वाले लोग भी गंदगी और बदबू की समस्या झेलने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब निगम अपने ही परिसर को साफ नहीं रख पा रहा, तो शहर में स्वच्छता अभियान कैसे सफल होगा। दफ्तर परिसर में लगातार रुके पानी के कारण मच्छरों का तेजी से प्रकोप बढ़ रहा है। कर्मचारियों को डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों के फैलने का डर सता रहा है। कई लोगों ने बताया कि शाम होते ही मच्छरों की संख्या इतनी बढ़ जाती है कि दफ्तर में बैठना मुश्किल हो जाता है। इसके बावजूद अब तक जिम्मेदार अधिकारियों ने जलनिकासी की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। वहीं जोनल प्रभारी सुनील प्रताप सिंह ने बताया कि बाहर सड़क बनने की वजह से नाली बंद है और बाहर निकासी नहीं हो पा रही है। इसलिए समस्या बनी हुई है।

## 82 साल के बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट कर 1.16 करोड़ रुपये ठगने वाले तीन गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने 82 साल के बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट कर 1.16 करोड़ रुपये ठगने वाले तीन आरोपियों प्रभाकर कुमार (27), रूपेश कुमार सिंह (37) और देव राज (46) को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने बुजुर्ग को सुरक्षा एजेंसी का अफसर बनकर धमकाया और व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर नकली गिरफ्तारी आदेश दिखाए। डरकर पीड़ित ने आरोपियों को पैसे ट्रांसफर कर दिए थे। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने बताया कि ठगी गई राशि का एक बड़ा हिस्सा (1.10 करोड़) हिमाचल प्रदेश में स्थित एक एनजीओ के खाते में जमा हुआ था। खाता बिहार के पटना में बैठे ठग संचालित कर रहे थे। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर इस खाते के खिलाफ कुल 32 शिकायतें दर्ज हैं, जिनकी राशि लगभग 24 करोड़ रुपये है। इंस्पेक्टर सुभाष चंद की टीम ने हिमाचल प्रदेश और बिहार के इलाकों में कई छापे मारे, इसमें तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। नालंदा जिले, बिहार का निवासी प्रभाकर कुमार 12वीं पास है। इसने आरोपी देव राज के फोन पर एक मैलिशियस एपीके फाइल इंस्टॉल की, जिससे धोखाधड़ी वाले बैंक खातों से जुड़े सिम कार्ड सक्रिय हो गए। वह व्हाट्सएप वर्चुअल नंबरों के माध्यम से साइबर धोखेबाजों के साथ लगातार संपर्क में रहा। दूसरा वैशाली, बिहार निवासी रूपेश कुमार सिंह स्नातक है। तीसरा जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश का निवासी देव राज 12वीं पास है। इसी ने पिता वेद प्रकाश, जो अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता हैं, की मिलीभगत से एनजीओ के नाम पर एक चालू खाता खोला। आसान पैसे के लिए, उन्होंने बिहार में रूपेश कुमार को अकाउंट सौंप दिया। देवराज ने इंटरनेट बैंकिंग क्रेडेंशियल और किट शेयर करके धोखाधड़ी में मदद की, ट्रांजेक्शन करने के लिए पटना गया और एक बड़ा कमीशन लिया।

### ग्रेनो में कोहरे का कहर: दादरी क्षेत्र में दो जगहों पर सड़क हादसा

ग्रेटर नोएडा। घने कोहरे की वजह से शनिवार सुबह ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर दादरी थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर भीषण सड़क दुर्घटनाएं हो गईं। दृश्यता बेहद कम होने के कारण वाहन चालकों को आगे का रास्ता दिखाई नहीं दिया। जिससे कई वाहन आपस में टकरा गए। पुलिस के अनुसार पहली दुर्घटना चक्रसेनपुर फ्लाईओवर के पास हुई, जहां तीन वाहन एक-दूसरे से टकरा गए। वहीं दूसरी और अधिक गंभीर दुर्घटना समाधीपुर फ्लाईओवर के पास हुई। जहां लगभग एक दर्जन वाहन कोहरे के कारण आपस में भिड़ गए। हादसे के बाद एक्सप्रेस-वे पर अफरा-तफरी मच गई और वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे यातायात बाधित हो गया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही दादरी थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने टोल प्रबंधन टीम के साथ मिलकर क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर सुरक्षित स्थान पर खड़ा कराया है। पुलिसकर्मियों ने यातायात को नियंत्रित करते हुए जाम खुलवाने का प्रयास किया। कड़ी मशक्कत के बाद कुछ समय में यातायात को सामान्य रूप से बहाल कर दिया गया। पुलिस के अनुसार दोनों दुर्घटनाओं में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है। हालांकि चर्चा रही कि घटना में एक महिला घायल हुई है। पुलिस द्वारा घटना के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।


**NAME CHANGE**
I, SHAFIQ AHMED S/O SHABBAN KHAN R/O H NO-J-3/147, KRISHAN KUNJ EXTENSION, LAXMI NAGAR, EAST DELHI, DELHI-110092.have changed my name to SHAFIQ AHMAD for all future purposes.

**सार्वजनिक सूचना**
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री कपिल वर्मा पुत्र श्री टीकम सिंह, प्लॉट नंबर B-4, नया प्लॉट नंबर A-6, जिसका क्षेत्रफल 125 वर्ग गज, यानी 104.51 वर्ग मीटर है, जो खसरा नंबर 174 में स्थित है, ब्लॉक-B, राहुल विहार, गांव अकबरपुर बेहरामपुर, परगना लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में है, श्रीमती चमन कली पत्नी स्वर्गीय श्री मूल चंद वर्मा द्वारा 24.10.2016 को रजिस्टर्ड वसीयत के अनुसार, उक्त संपत्ति आनंद कुमार यादव को बेची जा रही है और इसका फाइनेंस SMFG इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति पर कोई चार्ज/हित/अधिकार है या किसी भी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।
**Rahul Raj, Advocate,**
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20, Koushambhi near HDFC Bank, U.P...
E-MAIL: sgassociatespl@gmail.com
Ph: 8130309204, 01204968888.

**NAME CHANGE**
I MOHAMMAD AMJAD S/O MOHAMMAD GAFFAR R/O H.NO- 153 VIGYANA MUZAFFARNAGAR UTTAR PRADESH - 251309, I have changed my name to MD AMJAD Permanently for all Future purpose

**NAME CHANGE**
I ABHISHEK KUMAR KASHYAP S/O BHARAT KISHOR R/O E2/64 , E2-BLOCK 5th PUSTA, SONIA VIHAR, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME TO ABHISHEK KASHYAP

**NAME CHANGE**
I BHARAT KUMAR KASHYAP S/O JAGDISH PRASAD R/O E2/64 , GALI NO-5, 5th PUSTA, SONIA VIHAR, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME TO BHARAT KISHOR

**NAME CHANGE**
I Sapana Devi D/o Manoj Kumar R/o Ghasipur, Bahrampur, Fatehpur, Uttar Pradesh - 212622, have changed my name to Lakshmi Devi

**NAME CHANGE**
I Suresh Kumar S/o Ram Lakhan R/o Pakhrauli, Fatehpur, Uttar Pradesh - 216221, have changed my name to Sarvesh Kumar

**NAME CHANGE**
It is for general information that I, Anoushka Nair D/o Bimal Balakrishnan Nair, R/o 1406,Tower 6, Lotus Panache,Sector 110, Gautam Buddha Nagar, Noida, UP201304 declare that name of my father has been wrongly written as Bimal Nair in my 10th and 12th Educational Documents. The actual name of my father is Bimal Balakrishnan Nair which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**
I, NEERAJ PANDEY S/O SHIV DUTT PANDEY R/O FLAT NO-405,TOWER-1, BESTECH PARK VIEW RESIDENCY, PALAM VIHAR, GURGAON, HARYANA-122017, HAVE CHANGED MY NAME TO NEERAJ DUTT PANDEY FOR ALL FUTURE PURPOSES

**NAME CHANGE**
I, SURENDER / SUNDER DAGAR S/O TEJ RAM R/O VILLAGE ALIPUR, POST GHAMROJ, TEHSIL SOHNA, ALIPUR, GURGAON,HARYANA-122102,HAVE CHANGED MY NAME TO SURENDER DAGAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

**NAME CHANGE**
I, PEDDA MALLAIAH Father of No-16117508X Rank-HAV Name-NAVEEN PUJARI Presently residing at 2-38, VILL-KATAPURAM, PO-KATAPURAM, TALUK-SAMMAKKA SARAKKA TADVAI, DIST-MULUGU, TELANGANA-506344, have changed my name from PEDDA MALLAIAH to PUJARI PEDDA MALLAIAH for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1951 instead of my correct date of birth as 01/01/1962 vide Affidavit dated 19/12/2025 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, PULLAMMA Mother of No-16117508X Rank-HAV Name-NAVEEN PUJARI Presently residing at 2-38, VILL-KATAPURAM, PO-KATAPURAM, TALUK-SAMMAKKA SARAKKA TADVAI, DIST-MULUGU, TELANGANA-506344, have changed my name from PULLAMMA to PUJARI PULLAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 19/12/2025 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, SURAJ BHAN S/o MUNNA LAL R/o Village-Garhi Chaukhandi, Noida, Gautam Budh Nager, UP-201301, have changed the name of my minor Daughter SHIVANI alias SHIVANI NIMESH aged 10 Years and she shall hereafter be known as SHIVANI NIMESH.

**NAME CHANGE**
I hitherto known as KHUSHNUMA BANO SAEED KHAN W/O SAEED KHAN R/O G-9/120-A, Sangam Vihar, Hamdard nagar, South Delhi, Delhi-110062 have changed my name and shall hereafter be known as KHUSHNUMA BANO.

**NAME CHANGE**
I, MD SALIM S/o MD Shafiq R/o Near Shiv Mandir 344, Bal mukund Khand, Giri Nagar,Kalka ji, Delhi-110019, have changed my name to MD SALIM ANSARI permanently.

**NAME CHANGE**
I, RAKESH KUMAR S/o Ram Narayan Narula R/o 5E-68, NH-5, NiT Faridabad, Faridabad, Haryana - 121001,have changed my name to RAKESH NARULA permanently

**NAME CHANGE**
I, MAMTA DEVI W/o Manish Kumar Shah R/o H.No.223A, Gali No.1, F-2 Block, nr.Fouzi Farm House, Jai Vihar, Phase-1, Baproula,Delhi-110043, have changed my name to MAMATA KUMARI permanently

**NAME CHANGE**
It is for general information that HUKAM CHAND S/O MADAN LAL residing at 1335, Bagichi Tan Sukh Rai, Chowk Shah Mubarak, Ajmeri Gate, Delhi 6, North Delhi, Delhi-110006 declare that name of my wife has been wrongly written as GEETA DEVI in my minor son namely MAYANK SINGH aged 17 years in his 10th Class Educational Documents. The actual name of my wife is GEETA, which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**
I Sapana Barwar W/O Nand Kishor R/O H2/111, 2nd floor sector -16, Rohini delhi 110085 changed my name to SAPANA VERMA

**NAME CHANGE**
I, MALLAPPA RADDERATTI Father of No. 15680257A Rank-HAV Name-ISHWAR RADDERATTI residing at VPO-KHANATTI, TEHSIL-MUDALAGI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591312, have changed my name from MALLAPPA RADDERATTI to MALLIKARJUN RADDERATTI for all future purposes vide affidavit dated 19/12/2025 before Notary Public Delhi.

**NAME CHANGE**
I, MEENA DEVI W/O VINOD GANDHARV R/O 6/135 NIRANKARI COLONY, NORTH WEST DELHI-110009. have changed my name to MEENA GANDHARV for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I, ANURADHA SHARMA wife of No. 9111253X, Rank-HAV, Name-SOHAN LAL residing at VPO-GHARATTAL, P.S-AKHNOOR, TEHSIL-MAIRA MANDRIAN, DISTT-JAMMU, JAMMU & KASHMIR-181201, have changed my name from ANURADHA SHARMA to ANU RADHA for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 27/04/1990 instead of my correct date of birth as 27/02/1991 Vide Affidavit dated 19/12/2025 before Notary Public Delhi.

**NAME CHANGE**
I, MADHUMITA KUMARI PANDEY D/O SACHIDANAND PANDEY R/O HOUSE NO-W-5/8, 2ND FLOOR, DLF PHASE-3, NATHUPUR (67), GURGAON, HARYANA-122002, HAVE CHANGED MY NAME TO MADHUMITA PANDEY FOR ALL FUTURE PURPOSES

**NAME CHANGE**
I, Brijesh Gupta s/o Ram Das Gupta R/o F-39/6, Street No-2, F-Block, Vinod Nagar, Delhi-110092 have changed my name to Brijesh Kumar Gupta for all future purposes

**NAME CHANGE**
I, Praveen Paul S/o Roshan Lal R/o G-10/3, Lower Ground Floor, Malviya Nagar, South Delhi-110017 have changed my name to Praveen kumar for all future purposes.

**PUBLIC NOTICE**
Information is given to general public at large that our client Mrs. Rihana Praveen is the absolute owner of Freehold Residential House area measuring 100 Sq. yards i.e, 83.61 Sq. meter, out of Kharsa no. 315, Situated in Budh Vihar Village Loni Chakbandi Shetra, Ghaziabad, U.P., by virtue of Gift Deed dated 30.10.2025 vide reg. in Doc. No. 21693, Book No.1, Vol No. 7744, Pg. No. 239-258, dated 01.12.2025, SRO-Loni Ghaziabad., in the chain document below mentioned document not available i.e. Original GPA, ATS & Will dated 15.10.2019 executed by Mrs. Rihana Parveen in favour of Mr. Noor Mohhamad as doc. no.9281, book no.4, vol. no. 348, Page no. 333 to 346, on 15.10.2019, SRO- Loni Ghaziabad., now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by Piramal Finance Ltd. Branch: Jhandewalan New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
**[NAVEEN KUMAR VERMA]**
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432



**कौमी पत्रिका**
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
**Corporate Office:**
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
**E - mail address :** qpatrika@gmail.com
**Website:** www.qaumipatrika.in
**R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472**
**Legal Advisors:**
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

## 30 हजार की फीस के साथ बूथों के लाइसेंस होंगे रिन्यू

एजेंसी

**चंडीगढ़।** नीलोखेड़ी (करनाल) से भाजपा विधायक भगवान सिंह कबीरपंथी ने प्रदेश की अनाज मंडियों में स्थित छोटे बूथों को मंडियों में पहले से मौजूद नियमित दुकानों की तर्ज पर नियमित करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि इसके लिए सरकार को नीति बनानी चाहिए। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि मंडियों में सभी छोटे बूथ पहले से ही सभी दुकानों की तरह नियमित हैं। उन्होंने कहा कि जिन बूथों के लाइसेंस 2012 से 2016 के बीच जारी किए गए थे, उन्हें अब मौजूदा नीति के तहत लाइसेंस रिन्यू करवाने होंगे। इसके लिए सरकार ने 30 हजार रुपये की फीस तय की हुई है। बूथों के लाइसेंस रिन्यू के लिए संबंधित कब्जाधारी 31 मार्च, 2026 तक आवेदन कर सकते हैं।

## हरियाणा में कुरैशी जाति को बीसी सूची में शामिल करने का प्रस्ताव विचाराधीनः मंत्री कृष्ण कुमार

**चंडीगढ़,।** हरियाणा सरकार ने ऐलान किया है कि मुस्लिम समुदाय के अंतर्गत आती कुरैशी जाति को पिछड़ा वर्ग में शामिल किया जाएगा। फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस विधायक मामन खान ने विधानसभा में यह सवाल उठाते हुए सरकार से पूछा कि क्या कुरैशी (कसाई) जाति (मुस्लिम अल्पसंख्यक) को पिछड़ा वर्ग बीसीए की सूची में शामिल करने का प्रस्ताव है। मामन खान के सवाल के जवाब पर हरियाणा के सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछड़े वर्ग कल्याण व अन्तयोदय मंत्री कृष्ण कुमार ने बताया कि कुरैशी जाति को हरियाणा पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल करने हेतु मामला हरियाणा पिछड़ा वर्ग आयोग के पास विचाराधीन है। इसे अभी लागू नहीं नहीं किया गया है। बहुत जल्द इस विषय पर निर्णय आने की संभावना है।

## हरियाणा विधानसभा में शीतकालीन सत्र के दौरान आठ विधेयक प्रस्तुत किए गए

**चंडीगढ़।** हरियाणा विधानसभा में शीतकालीन सत्र के दौरान आठ विधेयक प्रस्तुत किए गए। प्रस्तुत किए गए विधेयकों में हरियाणा श्री माता मनसा देवी पूजास्थल (संशोधन) विधेयक, 2025, हरियाणा श्री माता शीतला देवी पूजास्थल (संशोधन) विधेयक, 2025, हरियाणा श्री माता भीमेश्वरी देवी मंदिर (आश्रम), बेरी पूजास्थल (संशोधन) विधेयक, 2025, हरियाणा अन्तरराष्ट्रीय गीता जयंती मेला प्राधिकरण (संशोधन) विधेयक, 2025, हरियाणा श्री कपाल मोचन, श्री बद्री नारायण, श्री मन्तरा देवी तथा श्री केदार नाथ पूजास्थल (संशोधन) विधेयक, 2025, हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2025, हरियाणा पंचायती राज (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2025 तथा हरियाणा नगर निकाय विधेयक, 2025 शामिल हैं।

## हरियाणा विधानसभाःपहली बार नेता प्रतिपक्ष बनने पर स्वागत प्रस्ताव पारित

**चंडीगढ़।** भूपेंद्र सिंह हुड्डा को अधिकारिक रूप से विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष घोषित कर दिया गया है। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने सदन को सूचित किया कि नियमों के तहत पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मंजूरी दी गई है। कांग्रेस विधायक दल का फैसला होने में एक वर्ष से भी अधिक का समय लग गया। बजट सत्र से लेकर अगस्त में हुए मानसून सत्र तक भी कांग्रेस फैसला नहीं कर पाई थी। लगातार तीन बार नेता प्रतिपक्ष बनने का रिकार्ड भी हुड्डा के नाम है। हुड्डा की नियुक्ति का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हुड्डा चार बार सांसद, छह बार विधायक रह चुके हैं। सीएम ने कहा कि हुड्डा हरियाणा की लोकतांत्रिक यात्रा के साक्षी व सहभागी हैं, जो राजनीतिक अनुभव, गहन प्रशासनिक पकड़ रखते हैं और अनुशासित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हुड्डा साहब ने इस सदन में लम्बे समय तक सेवाएं दी हैं। उन्हों ने कहा उम्मीद करता हूं कि विपक्ष सकारात्मक, तथ्यात्मक और जनहित के मुद्दों को उठाएगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि सदन में यह नई प्रथा है, लेकिन अच्छी शुरूआत है। मैं इससे पहले भी दो बार नेता प्रतिपक्ष रहा हूं लेकिन कभी ऐसा प्रस्ताव नहीं आया। उन्होंने कहा कि प्रजातंत्र में लोग जहां भेजते हैं, वहां जिम्मेदारी निभानी चाहिए। मुझे लोगों ने यहां (विपक्ष) में भेजा है तो मैं यहां लोगों की आवाज बुलंद करूंगा। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में पद से बड़ी जिम्मेदारी होती है।

## चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले महाविद्यालय के 27 सेंटरों पर हुई परीक्षाएं

**जींद।** चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में परीक्षाओं का आयोजन किया गया। वीसी प्रो. राम पाल सैनी ने विश्वविद्यालय में संचालित परीक्षाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परीक्षा केंद्र का विस्तृत निरीक्षण किया। इस अवसर पर उप परीक्षा नियंत्रक डा. नीरज सिंह भी उनके साथ उपस्थित रहे और उन्होंने परीक्षा संचालन से संबंधित समस्त व्यवस्थाओं की जानकारी कुलगुरु को अवगत कराई। निरीक्षण के दौरान कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी एवं परीक्षा नियंत्रक डा. नीरज सिंह ने विभिन्न परीक्षा कक्षों में जाकर शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संचालित परीक्षाओं का अवलोकन किया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि परीक्षाएं पूरी पारदर्शिता, शुचिता एवं नियमानुसार संपन्न हो रही हैं तथा परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उप परीक्षा नियंत्रक डा. नीरज सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं तथा परीक्षा से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रदान किए गए हैं।

# हरियाणा विधानसभाः कैबिनेट मंत्री से भिड़े कांग्रेस विधायक, हुआ हंगामा

**● कांग्रेस का अविश्वास प्रस्ताव स्वीकार**

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा विधानसभा में शून्यकाल के दौरान कांग्रेस के विधायक और कैबिनेट मंत्री के बीच जोरदार बहस हो गई। हंगामा इतना बढ़ा कि नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र हुड्डा को हस्तक्षेप करना पड़ा। हंगामे के बाद विधायक और मंत्री दोनों ने अपने शब्दों में खेद व्यक्त किया।

सिरसा से कांग्रेस विधायक गोकुल सेतिया की ओर से पानी की दिक्कत को लेकर उठाए गए मुद्दे पर कैबिनेट मंत्री रणवीर गंगवा में जमकर बहस हो गई। कांग्रेस विधायक ने गंगवा को कहा कि आपकी जीरो परफार्मेंस हैं। आपसे अच्छे तो आपके विभाग के अधिकारी हैं। इस पर गंगवा ने विरोध जताया। डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिड्ढा ने कांग्रेस विधायक द्वारा बोले गए शब्दों पर आपत्ति प्रकट की। उन्होंने कहा कि आप ऐसा नहीं कह सकते। गंगवा ने

कहा कि आप झूठे आरोप लगा रहे हैं, मैं किसी भी अधिकारी को कोई शह देकर नहीं आया। विपक्ष की ओर से हंगामा शुरू कर दिया गया। हंगामे के बीच गोकुल सेतिया तथा मंत्री ने एक-दूसरे को अपशब्द बोल दिए। जिसे लेकर विवाद ओर बढ़ गया।

डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिड्ढा ने कांग्रेस विधायक की ओर से बोले गए शब्दों पर आपत्ति प्रकट की। उन्होंने कहा कि आप ऐसा नहीं कह सकते। गंगवा ने कहा कि आप झूठे आरोप लगा रहे हैं, मैं किसी भी अधिकारी को कोई शह देकर नहीं आया। विपक्ष ने हंगामा किया तो डिप्टी स्पीकर ने विपक्ष के विधायकों को समझाकर शांत किया। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के हस्तक्षेप करने पर कांग्रेस विधायक और मंत्री गंगवा ने एक दूसरे से खेद प्रकट किया। विधानसभा में लंच ब्रेक के बाद सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने कांग्रेस का अविश्वास प्रस्ताव चर्चा के लिए स्वीकार कर लिया। स्पीकर ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव मंजूर कर लिया गया है, जिस पर 19 दिसंबर को दूसरी सिटिंग में चर्चा की जाएगी।

## पुनःबहाल होगी नहरी आधारित पानी योजनाः योगेंद्र राणा

ज्योति दर्पण

**चंडीगढ़।** विधानसभा सत्र के दौरान असंध हल्का विधायक योगेंद्र राणा ने हल्के के गांव बालू, बंदराला, अरड़ाना, खांडा खेड़ी और फफड़ाना जिनमे पहले 1991-92 से 2001-02 तक नहरी आधारित पानी उपलब्ध कराया जाता था।बाद में नहरों में पानी की कमी के कारण इन गांवों में बोरवेल के द्वारा पानी उपलब्ध कराया जाने लगा, वर्तमान में इन गांवों में जल स्तर कम होने के कारण स्वच्छ पानी की कमी हो रही थी, इस समस्या पर विधायक योगेंद्र राणा ने गंभीरता दिखाते हुए इस विषय को विधानसभा में उठाने का कार्य किया, जिसपर मंत्री रणवीर गंगवा ने सदन में आश्वस्त किया की इन गांवों में फिर से नहरी आधारित योजना लागू की जाएगी। इसके साथ ही विधायक राणा ने हल्के के गाँव

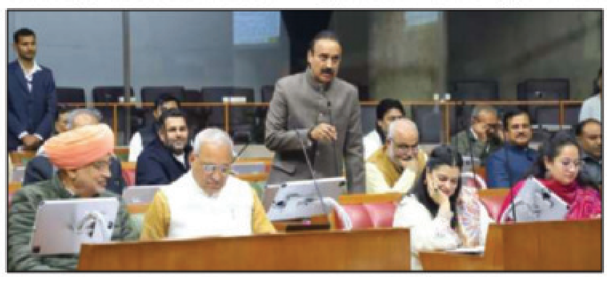

गंगाटेहड़ी, पोपड़ा, झिमरीखेड़ा और कौल खेड़ा जोकि इसी समस्या का सामना कर रहे है को भी इसी योजना में जोड़े जाने की मांग रखी जिस पर भी मंत्री ने विधायक को आश्वस्त करते हुए कहा की इस परियोजना पर सर्वे जारी है और बहुत जल्द ही इन गांवों में भी शीघ्र नहरी आधारित पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

## कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में नई ऊंचाईयों को छुएगी भाजपा :बड़ौली

एजेंसी

**सोनीपत।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली भाजपा के नवनियुक्त कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को बधाई देने पार्टी के केंद्रीय कार्यालय दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से आत्मीय भेंट की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को पुष्प गुच्छ और भगवान श्रीराम की प्रतिमा देते हुए नवदायित्व की बधाई व शुभकामनाएं दीं। प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन का एक साधारण कार्यकर्ता से शीर्ष संगठनात्मक भूमिका तक का सफर

भाजपा की कार्यकर्ता-प्रधान संस्कृति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा के समय से ही श्री नबीन संगठन को मजबूती के लिए काम करते रहें हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है। देश में भाजपा ही ऐसी पार्टी है जिसमें साधारण कार्यकर्ता देश के सर्वोच्च पद पर जा सकता है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर नितिन नबीन पार्टी को नई ऊंचाई पर ले जायेंगे।

## गोहाना को जिला बनाने पर गंभीरता से विचार करे सरकार : डॉ अरविंद शर्मा

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि गोहाना को जिला बनाने की मांग बहुत पुरानी है और इस पर सरकार गम्भीरता से विचार करे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गोहाना को जिला बनाने का वायदा भी किया हुआ है, मुझे पूरा विश्वास है कि वो इस मांग को पूरा भी करेंगे। चंडीगढ़ में हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का हांसी को जिला बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गोहाना को जिला बनाने की मांग हांसी की तरह बहुत पुरानी है, इसलिए सरकार इस पर गम्भीरता से विचार करे, ताकि क्षेत्र के लोगों को प्रशासनिक सुविधाएं और बेहतर सेवाएं मिल सकें। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय

सहकारिता वर्ष के मद्देनजर सहकारिता आंदोलन की भूमिका, उसकी पारदर्शिता और किसानों के हितों से जुड़े विषयों पर विस्तार से अपने विचार रखे। उन्होंने इस अवसर पर अपने पूरे विभाग की ओर से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का हार्दिक धन्यवाद एवं सम्मान प्रकट किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार ने समाज के हर कोने तक विकास तथा न्याय पहुंचाने का कार्य किया है।सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि सहकारिता को एक मजबूत स्तंभ मानते हुए माननीय मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच के कारण प्रदेश में सहकारी आंदोलन को नई दिशा मिली है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह सुनिश्चित किया है कि सहकारिता केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि गांव-गांव और कस्बे-कस्बे तक पहुंचे। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि छोटे किसानों और आम जनता तक सहकारी संस्थाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए इन्हें और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं सहयोगी बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में पैक्स के ऋण पर ब्याज माफ कर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का अत्यंत सराहनीय निर्णय है, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिली है।

## प्रदूषण नियंत्रण के लिए विशेष फोकसः प्रदीप दहिया

### निगमायुक्त प्रदीप दहिया की अध्यक्षता में वायु प्रदूषण नियंत्रण को लेकर हुई महत्वपूर्ण बैठक

एजेंसी

**गुरुग्राम। :** शहर में वायु गुणवत्ता सुधारने और प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। निगम कार्यालय में आयोजित इस बैठक में वायु प्रदूषण नियंत्रण को लेकर वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक कार्य योजना विस्तार से चर्चा हुई और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

यह योजना केंद्र सरकार, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार की गई है। योजना में परिवहन, निर्माण एवं विध्वंस गतिविधियां, सडक़ धूल नियंत्रण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, हरित आवरण बढ़ाने और जन-जागरुकता जैसे प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है। योजना के तहत शहर में सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने पर जोर दिया गया है। ई-बसों और सीएनजी बसों की संख्या बढ़ाने, नए ईवी चार्जिंग स्टेशन तथा बैटरी स्वैपिंग स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

इससे निजी वाहनों पर निर्भरता घटेगी और वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में कमी आएगी।

**सडक़ धूल नियंत्रण और सडक़ पुनर्विकास**

सडक़ धूल को वायु प्रदूषण का बड़ा कारण मानते हुए मैकेनाइ'ड रोड स्वीपिंग मशीनों, पानी के छिडक़ाव, एंटी-स्मॉग गन तथा सडक़ों के पुनर्विकास की विस्तृत योजना बनाई गई है। निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के लिए कड़े प्रावधान किए गए हैं। बसई स्थित सीएंडडी वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट के माध्यम से प्रतिदिन बड़ी मात्रा में मलबे के निपटान और पुनः उपयोग की व्यवस्था की गई है। नए प्रसंस्करण संयंत्रों की योजना भी प्रस्तावित है, जिससे अवैध डंपिंग पर रोक लगेगी।

**ठोस कचरा और डंप साइट प्रबंधन**

बंधवाड़ी डंप साइट पर पड़े लगभग 16 लाख मीट्रिक टन पुराने कचरे (लीगेसी वेस्ट) के निपटान के लिए चरणबद्ध योजना बनाई गई है। लक्ष्य है कि मार्च 2028 तक डंप साइट को पूरी तरह साफ किया जाए और आधुनिक कचरा प्रसंस्करण सुविधाएं विकसित की जाए।

## हरियाणा के 25 लाख किसानों पर 60 हजार करोड़ का कर्ज

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा में इस समय 25 लाख से अधिक किसान कर्जदार है। यह जानकारी हरियाणा विधानसभा सरकार द्वारा पेश की गई रिपोर्ट में दी गई है। इनेलो के रानिया से विधायक अर्जुन चौटाला ने विधानसभा में सरकार से कर्जदार किसानों के बारे में जानकारी मांगी। चौटाला ने सरकार की ओर से किसानों के संबंध में शुरू की गई बकाया माफी पर भी रिपोर्ट मांगी। इसके जवाब में मुख्यमंत्री नायब सैनी के हवाले से सदन में टेबल की गई रिपोर्ट में सरकार ने कहा कि 30 सितंबर तक हरियाणा में कुल 25 लाख 67 हजार 467 किसानों की तरफ 60 हजार 816 करोड़ रुपये कृषि ऋण के रूप में बकाया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार के नियमानुसार किसानों को कृषि ऋण पर ब्याज में छूट प्रदान की जाती है। वर्ष 2019 में एकमुश्त समाधान योजना के तहत 308302 किसानों को 1348.40 करोड़ तक का लाभ हुआ है। वर्ष 2022 में 17847 किसानों को 66.01 करोड़ की राशि का लाभ हुआ है। एकमुश्त समाधान योजना को अब तक 31 मार्च 2026 तक बढ़ा दिया गया है। हरियाणा सरकार की ओर से सदन में पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार हिसार जिले में दो लाख 71 हजार 317 किसानों की तरफ 5934 करोड़, करनाल जिले में दो लाख दो हजार 544 किसानों की तरफ 4673 करोड़, भिवानी जिले में एक लाख 72 हजार 860 किसानों की तरफ 3814 करोड़ रुपये बकाया है। मुख्यमंत्री ने सदन में सभी जिलों की रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि किसानों के हित में जरूरत पडने पर एकमुश्त निपटान योजना तथा अन्य ब्याज माफी योजनाओं को लागू करने तथा समयावधि बढ़ाने पर विचार किया जा सकता है।

## हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी पर गुरु की गोलक के दुरुपयोग का आरोप, प्रधान तुरंत दें इस्तीफा

**धर्म प्रचार, शिक्षा और गुरुद्वारा प्रबंधन में विफलता, शताब्दी और बाढ़ राहत फंड को लेकर गंभीर आरोप**

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एचएसजीएमसी) में कथित भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितताओं और प्रशासनिक विफलताओं को लेकर खुला टकराव सामने आ गया है। कमेटी के प्रधान जगदीश सिंह झींडा पर गुरु की गोलक के फंडों के दुरुपयोग, गुरुद्वारों के प्रबंध को चौपट करने और धर्म प्रचार व शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों को लेकर कमेटी के पदाधिकारियों और सदस्यों ने चंडीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधान झींडा से तुरंत इस्तीफे की मांग की। इस अवसर पर जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल (चेयरमैन, धर्म प्रचार समिति), गुरमीत सिंह रामसर (सीनियर वाइस प्रेसिडेंट), गुरबीर सिंह तलाकौर (जूनियर वाइस प्रेसिडेंट), जगतार सिंह मान (अन्तरिम सदस्य), तजिंदरपाल सिंह नारनौल (अन्तरिम सदस्य), सीनियर सदस्य दीदार सिंह नलवी, राजिंदर सिंह बराड़ा (सदस्य), गुरतेज सिंह अंबाला (सदस्य), मेयर भूपिंदर सिंह पानीपत (सदस्य), स्वर्ण सिंह बुंगा टिब्बी (सदस्य), सरपंच भूपिंदर सिंह लाडी सौंकड़ा (सदस्य प्रतिनिधि - बीबी कपूर कौर सौंकड़ा), भूपिंदर

सिंह सैनी (सदस्य प्रतिनिधि), कैप्टन दिलबाग सिंह सैनी तथा सुखविंदर सिंह मंडेबर (पूर्व जनरल सेक्रेटरी) उपस्थित थे।सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने कहा कि प्रधान बनते समय जगदीश सिंह झींडा द्वारा की गई कोई भी घोषणा पूरी नहीं हुई। यूनिवर्सिटी स्कूल खोलने, सिरोपा न देने, गुरुद्वारा गाड़ियों के निजी उपयोग, कर्मचारियों से दुर्व्यवहार और वीआईपी संस्कृति खत्म करने जैसे वादे खोखले साबित हुए। आरोप है कि आज स्थिति उलट है, पतित लोगों को केसरिया सिरोपा बांटा जा रहा है, कमेटी की गाड़ियां व कर्मचारी निजी इस्तेमाल में हैं, काला दिवस और बाढ़ राहत के नाम पर गोलक व फंडों का दुरुपयोग हुआ और 350 साला समारोह में भारी वित्तीय अनियमितताएं की गईं। पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि ईमानदारी से काम करने वाले, लेकिन पसंद न आने वाले कर्मचारियों को नौकरी से हटाया जा रहा है।

## हरियाणा में कांग्रेस विधायकों की मांग, पंजाब की तर्ज पर लागू हो जिसका खेत, उसकी रेत पॉलिसी

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा के कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा में पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार की ओर से लागू की गई जिसका खेत, उसकी रेत पॉलिसी की सराहना करते हुए हरियाणा में लागू करने की मांग की।

प्रश्नकाल के दौरान शाहबाद विधायक रामकरण काला ने यह मुद्दा उठाया था। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने पंजाब सरकार की तर्ज पर हरियाणा में नीति बनाने की मांग उठाई। सीधे सीएम नायब सिंह सैनी से ही सवाल करते हुए हुड्डा ने कहा कि मुख्यमंत्री जी हां या ना में जवाब दें। मुख्यमंत्री ने इसका कोई जवाब नहीं दिया। खनन एवं भूविज्ञान मंत्री कृष्ण लाल पंवार की गैर-मौजूदगी में उनकी ओर से जवाब देते हुए कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि गांव काकरा और मलिकपुर से दो किसानों से रेत उठाने के प्रस्ताव दिए थे। डीसी कुरुक्षेत्र की ओर से ये प्रस्ताव जिला खनन अधिकारी को भेजे गए। खनन अधिकारी ने इन प्रस्तावों को इसलिए रद्द कर दिया क्योंकि संबंधित भूमि नदी तल क्षेत्र में आती है और राज्य खनन नियम-2012 में इसके निपटान के लिए अनुमति नहीं दी जा सकती। पूर्व स्पीकर व थानेसर विधायक अशोक अरोड़ा ने भी यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार को नीति में बदलाव करके किसानों को राहत देनी चाहिए। बेदी ने कहा कि इसके लिए पैरा-मीटर तय किए गए हैं। बाढ़ के साथ आया रेता अगर खेत में 1 से 3 इंच तक इंच का होता है तो सरकार किसानों को आवेदन करने के बाद 7 दिन में मिट्टी उठाने की अनुमति देती है लेकिन इसके बाद मुआवजा नहीं दिया जाएगा। 3 इंच से 2 फुट तक रेता अगर खेत में जमा होता है तो उसे उठाने के लिए किसानों को पंद्रह दिन का समय दिया जाता है। इसमें शर्त यह है कि इससे होने वाली कमाई का 40 प्रतिशत हिस्सा ग्राम पंचायत को देना होगा।

## हरियाणा विधानसभा ने जताया प्रधानमंत्री का आभार

### विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित हुआ धन्यवाद प्रस्ताव

एजेंसी

**चंडीगढ़।** श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें बलिदान दिवस पर प्रदेशभर में कार्यक्रमों के सफल आयोजन का श्रेय मुख्यमंत्री नायब सैनी को देते हुए विधानसभा में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया। केसरिया पगड़ी बांधकर सदन में आए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आकर्षण का केंद्र बने रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आयोजित किए गए कार्यक्रमों की सिलसिलेवार जानकारी साझा करते हुए हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, श्री गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस आयोजन समिति, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवी संगठनों और नागरिक संस्थाओं का आभार जताया। सदन की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी आभार व्यक्त किया गया, जिन्होंने 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर में आयोजित विशाल समागम में गुरुजी को नमन किया और अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में भी शामिल हुए। पीएम को विधानसभा की ओर से धन्यवाद पत्र भेजा जाएगा।

संसदीय कार्य मंत्री महीपाल ढांडा द्वारा सरकारी प्रस्ताव प्रस्तुत करने के बाद चर्चा में पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में निर्णय लिया गया था कि जहां-जहां से यात्रा निकलेगी, वहां के जनप्रतिनिधियों को

आमंत्रित किया जाएगा, परंतु ऐसा नहीं हुआ। थोड़ी ही देर बाद करनाल के भाजपा विधायक जगमोहन आनंद की बारी आई तो उन्होंने हुड्डा का नाम लिए बगैर कहा कि धार्मिक कार्यों के लिए किसी को आमंत्रण की जरूरत नहीं होती, बल्कि यह तो आस्था की बात है। इस पर नाराज हुए हुड्डा ने कहा कि हो सकता है कि मुझसे बड़ा कोई धार्मिक व्यक्ति न हो। क्या आप मुझे धर्म सिखाओगे। बात बढ़ती देख विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने मोर्चा संभालते हुए कहा कि इस महान विषय पर चर्चा में आरोप-प्रत्यारोपों से बचना चाहिए।

कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री गीता भुक्कल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने सिर पर जो पगड़ी बांधी है, उसका हमेशा मान रखना चाहिए। इसी तरह कांग्रेस विधायक अशोक अरोड़ा ने सिख गुरुओं के बताए रास्ते पर चलने का आह्वान करते हुए धार्मिक कार्यक्रमों में सभी को साथ लेकर चलने का अनुरोध किया। विधानसभा उपाध्यक्ष डा. कृष्ण मिढ़ा ने छोटे साहिबजादों की शहादत का जिक्र करते हुए कहा कि कल्पना मात्र से रोंगटे खड़े हो जाते हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में स्कूलों में निबंध प्रतियोगिताएं आरंभ कर दी हैं। इससे साहिबजादों के जीवन से बच्चों को प्रेरणा मिलेगी।

## समाधान शिविर आमजन व अधिकारियों के बीच संवाद मजबूत माध्यमः डॉ किरण सिंह

एजेंसी

**पानीपत।** पानीपत जिला परिषद की सीईओ डॉ किरण सिंह ने जिला सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जिला स्तरीय समाधान शिविर में नागरिक विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं लेकर पहुंचे। जिला परिषद सीईओ डॉ किरण सिंह ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को तुरंत एक्शन लेते हुए त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान के लिए समाधान शिविर प्रदेश सरकार की अनुकरणीय पहल है। शिविर न केवल प्रशासनिक पारदर्शिता का प्रतीक हैं, बल्कि आमजन और अधिकारियों के बीच संवाद का एक मजबूत माध्यम बन गए हैं। उन्होंने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनता की शिकायतों प्राथमिकता से

सुनी जाएं और मौके पर ही समाधान प्रदान करते हुए नागरिकों को राहत दी जाए। समाधान शिविर के माध्यम से लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों से जुड़ी सेवाएं और जानकारी मिलती है। समाधान शिविर जनता की समस्याओं को हल करने के साथ-साथ सरकारी योजनाओं की पहुंच को और अधिक प्रभावी बनाता है। जिला सचिवालय सभागार में आयोजित किए गए जनता समाधान शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित 17 शिकायतें दर्ज की गईं। ज्यादातर शिकायतें फैमिली आईडी में इनकम ठीक करने, विधवा पेंशन व विदुर पेंशन बनवाने, राशन कार्ड चालू करवाने और पुलिस विभाग से संबंधित प्राप्त हुई। जिला परिषद सीईओ डॉ किरण और निगम संयुक्त आयुक्त मनी त्यागी और डीएसपी सतीश वत्स ने संबंधित विभागों को समाधान के निर्देश दिए।

# भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 8 प्रतिशत बढ़कर 17.04 लाख करोड़ हो गया

**नई दिल्ली।**

भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में अब तक (17 दिसंबर) 8 प्रतिशत बढ़कर 17.04 लाख करोड़ हो गया है। इसकी जानकारी केंद्र सरकार की ओर से शुक्रवार को दी गई। आयकर विभाग की ओर से बताया गया कि केंद्र सरकार का कुल सकल कर संग्रह इस साल एक अप्रैल से लेकर 17 दिसंबर तक 20.01 लाख करोड़ रुपए रहा है। इसमें सालाना आधार पर 4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। चालू वित्त वर्ष में अब तक 2.97 लाख करोड़ रुपए का रिफंड जारी किया गया है। इसमें सालाना आधार पर 13.52 प्रतिशत की गिरावट आई है।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर में कॉरपोरेट टैक्स की हिस्सेदारी 8.17 लाख करोड़ रुपए रही है, जो कि बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में 7.39 लाख करोड़ रुपए था। इसमें नॉन-कॉरपोरेट टैक्स की हिस्सेदारी 8.46 लाख करोड़ रुपए थी, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 7.96 लाख करोड़ रुपए थी। नॉन-कॉरपोरेट टैक्स में व्यक्तिगत कर और हिंदू अविभाजित परिवारों से वसूलने वाले कर को शामिल किया है। समीक्षा अवधि में सिक्योरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स (एसटीटी) संग्रह 40,194.77 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 40,114.02 करोड़ रुपए था। चालू वित्त वर्ष में सरकार ने 25.20 लाख करोड़ रुपए के प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य रखा है, जो कि सालाना आधार पर 12.7 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ वित्त वर्ष 26 में सरकार को 78,000 करोड़ रुपए का एसटीटी

संग्रह होने का अनुमान है। कर संग्रह में इसतरह का इजाफा देखने को मिला है, जब आम बजट 2025 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई कर प्रणाली के तहत कर छूट की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपए कर दिया था। इससे बड़ी संख्या आयकर दाताओं का राहत मिली है।

## बिजली मंत्रालय आयात होने वाले सामानों की सूची तैयार कर रहा..........लोकल उत्पादन पर जोर

**नई दिल्ली।**

बिजली मंत्रालय वर्तमान में आयात होने वाले बिजली क्षेत्र की महत्त्वपूर्ण वस्तुओं की सूची तैयार करने के लिए उद्योग के साथ काम में जुटा है। इसका मकसद इन वस्तुओं के लोकल उत्पादन के लिए मदद देना है। सूची में सब सी केबल्स, परमानेंट मैग्नेट्स और उच्च चालकता वाली तांबे की छड़ें शामिल हैं। बिजली मंत्रालय की शाखा केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने उद्योग निकाय इंडियन इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईईईएमए) को भेज पत्र में कहा, 'मौजूदा परिदृश्य में यह पहल जरूरी है, क्योंकि बिजली क्षेत्र उन्नत उपकरणों के आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। आयात पर निर्भरता के कारण इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संबंधी जोखिम जुड़े हैं और इनकी कीमतों के प्रति अत्यधिक संवेदनशीलता है।'

इन वस्तुओं के लोकल उत्पादन से केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को बल मिलेगा और इनके घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा, विदेशी मुद्रा की बचत होगी और ग्रिड का लचीलापन और ऊर्जा की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। सीईए ने कहा, मंत्रालय के लिए आर्थिक रूप से ठोस प्रस्ताव तैयार करने के लिए एक यथार्थवादी, उद्योग-समर्थित मूल्यांकन आवश्यक है। प्राधिकरण ने आईईईएमए और एबीबी, आदित्य बिड़ला, ह्योसंग, पॉलिकैब, डोंग-वू क्वांटम इंडिया, स्टरलाइट, श्नाइडर, तोशिबा, केईसी और जिंदल एल्युमीनियम सहित उद्योग जगत के प्रमुख हितधारकों के साथ हाल ही में परामर्श के माध्यम से 73 महत्त्वपूर्ण वस्तुओं की एक सूची बनाई है।

## चीनी उद्योग की चिंताओं को दूर करने अगले माह कुछ कदम उठाएगी केंद्र सरकार

### केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने दिया भरोसा

**नई दिल्ली।**

केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया कि केंद्र चीनी उद्योग की चिंताओं को दूर करने के लिए अगले माह कुछ फैसले करेगी। दरअसल, मांग से अधिक उत्पादन होने के कारण गन्ने का बकाया बढ़ने लगा है। यह फैसला चीनी का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने की लंबे समय से लंबित मांग से जुड़ा है। चीनी कारोबार चीनी का एमएसपी मौजूदा 22 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़ाकर करीब 41 रुपये प्रति किलोग्राम करने की मांग कर रहा है। इस क्रम में उद्योग गन्ने से एथनॉल बनाने के मौजूदा 28 प्रतिशत को बढ़ाकर आदर्श रूप से 50 प्रतिशत करने और चीनी का निर्यात मौजूदा 15 लाख टन से बढ़ाने की मांग भी कर रहा है। चीनी सत्र अक्टूबर से सितंबर तक होता है।

केंद्रीय खाद्य सचिव चोपड़ा ने इंडियन शुगर एंड बॉयो-एनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (इस्मा) की वार्षिक बैठक में कहा, 'देखिए, वर्तमान में गन्ना बकाया ज्यादा बड़ा नहीं है।

हमें बताया गया है कि अगले महीने तक बकाया बढ़ना शुरू होगा। फिर खपत से अधिक चीनी का उत्पादन (2025-26 सत्र में) किसानों को नुकसान पहुंचाना शुरू कर देगा। यह हम नहीं चाहते

हैं। इसलिए अधिशेष को कम करने के लिए हम जो कुछ औश्र कर सकते हैं, और यकीनन करने वाले है। चोपड़ा ने कहा कि वर्तमान में उठाए कदमों के साथ इस्मा ने अनुमान लगाया है कि 2025-26 सत्र के अंत तक चीनी का समापन स्टॉक करीब 60 लाख टन होगा और सरकार इस कम करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी ताकि किसानों को बढ़ते बकाया के कारण नुकसान न हो।

उधर इस्मा के निवर्तमान अध्यक्ष गौतम गोयल ने कहा कि उनके प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार 30 नवंबर तक महाराष्ट्र में गन्ना बकाया पहले ही करीब 2,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है जबकि उत्तर प्रदेश के आंकड़े अभी भी प्रतीक्षित हैं। दरअसल, मॉनसून की अवधि बढ़ने के कारण उत्तर प्रदेश में पेराई देर से शुरू हुई।

देश के कुल चीनी उत्पादन में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है।

## एनसीएलटी के 50 और अपीली न्यायाधिकरण के 2 नए न्यायालय खोलने का रास्ता साफ

**-केंद्रीय कैबिनेट ने मंजूरी दी**

**नई दिल्ली।** कंपनी मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के 50 और अपीली न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के 2 नए न्यायालय खोलने का प्रस्ताव कैबिनेट के पास मंजूरी के लिए भेजा गया है। कंपनी मामलों के मंत्रालय ने बताया कि दिवाला और ऋण शोधन अक्षमता संहिता संशोधन विधेयक 2025 पर प्रवर समिति के साथ साझा की है। कंपनी मामलों के मंत्रालय ने समिति को बताया है कि वह 'आईबीसी प्रक्रिया के लिए न्यायनिर्णायक प्राधिकरण नियम' के तहत नियम बनाएगा, ताकि समयसीमा का पालन होना सुनिश्चित हो सके। मंत्रालय ने समिति को बताया कि 'यह फैसला करने वाले प्राधिकरणों की इंफ्रा, कार्यात्मक और प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यानपूर्वक करने के लिए किया जाएगा।

प्रवर समिति ने कहा, न्यायनिर्णायक प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित समय सीमा का पालन करने के लिए संबंधित प्रावधानों को सहायक कानूनों के साथ मजबूत करने की जरुरत हैं। विभिन्न हितधारकों ने समिति को बताया कि न्यायिक क्षमता का विस्तार करने या पीठों की संख्या बढ़ाने और इंफ्रा के सुधार के लिए वित्तीय आवंटन बढ़ाकर न्यायनिर्णय प्रक्रिया के पुनर्गठन की जरूरत है। एनसीएलटी में अध्यक्ष सहित सदस्यों की कुल स्वीकृत संख्या 63 है। एनसीएलटी के पीठों में 31 मार्च, 2025 तक केवल 3 पद रिक्त थे। मौजूदा आईबीसी ढांचे के तहत कॉर्पोरेट दिवाला समाधान शुरू करने वाले आवेदन को 14 दिनों के भीतर स्वीकार होना चाहिए, जबकि हकीकत में दिवाला आवेदन स्वीकार करने में न्यायनिर्णायक प्राधिकरणों को औसतन एक साल से अधिक लग जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि सदस्यों की कमी और अपेक्षित संख्या न होने के कारण न्यायाधिकरण सप्ताह में केवल कुछ दिन या दिन में कुछ घंटे ही बैठते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि यहां तक कि उन न्यायाधिकरणों में, जहां कोई रिक्ति नहीं है, अपेक्षित इन्फ्रा के अभाव के कारण पीठों को रोटेशन के आधार पर कोर्टरूम या हॉल साझा करने के लिए मजबूर होने पड़ता है।

# एयरटेल ने किया शीर्ष पदों पर बदलाव का ऐलान

***गोपाल विट्ठल बने एक्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन; जनवरी 2026 से शाश्वत शर्मा संभालेंगे एमडी और सीईओ की कमान***

**नई दिल्ली।**

भारतीय दूरसंचार क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारती एयरटेल ने एक ऐतिहासिक उत्तराधिकार योजना के तहत अपने शीर्ष नेतृत्व में बड़े फेरबदल की घोषणा की है। पिछले तेरह वर्षों से कंपनी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ गोपाल विट्ठल अब 1 जनवरी 2026 से एक्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन की नई रणनीतिक भूमिका में नज़र आएंगे। उनके स्थान पर वर्तमान सीईओ डेजग्निेट शाश्वत शर्मा को कंपनी के नए मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह बदलाव एयरटेल की उस दूरदर्शी सोच का हिस्सा है, जिसके तहत नेतृत्व का हस्तांतरण बेहद सुव्यवस्थित तरीके से सुनिश्चित किया गया है।

गोपाल विट्ठल अपनी नई और व्यापक जिम्मेदारी में भारती एयरटेल सहित उसकी सभी सहायक कंपनियों की कमान संभालेंगे। उन पर समूह स्तर पर डिजिटल रूपांतरण, टेक्नोलॉजी, नेटवर्क रणनीति और टैलेंट मैनेजमेंट जैसे भविष्योन्मुखी क्षेत्रों को नई दिशा देने का अहम भार होगा। वहीं, शाश्वत शर्मा जो पिछले एक वर्ष से विट्ठल के साथ मिलकर व्यवसाय के हर पहलू पर काम कर रहे थे, अब भारतीय परिचालन का नेतृत्व करेंगे और सीधे विट्ठल को रिपोर्ट करेंगे। इस नेतृत्व परिवर्तन के साथ ही कंपनी ने अपने वित्तीय प्रबंधन को भी नई मजबूती दी है। वर्तमान सीएफओ सौमेन रे को अब ग्रुप चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर के उच्च पद पर नियुक्त किया गया है, जबकि एयरटेल के साथ 12 वर्षों का लंबा अनुभव रखने वाले अखिल गर्ग अब भारती एयरटेल इंडिया के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर का दायित्व संभालेंगे। प्रशासनिक स्तर पर रोहित पुरी को कंपनी सेक्रेटरी और कंप्लायंस ऑफिसर नियुक्त किया गया है, जबकि पंकज तिवारी ग्रुप कंपनी सेक्रेटरी के रूप में समूह स्तर पर अपनी सेवाएं जारी रखेंगे।

चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने नेतृत्व के इस हस्तांतरण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे निरंतरता और नई ऊर्जा का अनूठा संगम बताया है। उन्होंने कहा कि गोपाल विट्ठल के अनुभव और शाश्वत शर्मा की सक्रियता की यह जुगलबंदी एयरटेल को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टेलीकॉम कंपनी बनाने के संकल्प को और अधिक सशक्त करेगी।

## रुपया तेजी के साथ बंद

**मुंबई।** अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 62 पैसे की तेजी के साथ ही 89.65 पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस रुपया 10 पैसे की तेजी के साथ ही 90.27 पर बंद हुआ था। वहीं अंतरबैंक विदेशी

मुद्रा विनिमय बाजार में गत दिवस रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.35 पर खुला। कारोबार के दौरान इसमें हल्की मजबूती देखी गई और यह 90.32 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। हालांकि शुरुआती सत्र में रुपये में कमजोरी भी दर्ज की गई और यह 90.38 के स्तर तक फिसल गया। बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की बढ़त के साथ 98.41 पर रहा, जिससे उभरती मुद्राओं पर दबाव बना रहा।

## श्रीराम फाइनेंस में 4 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करेगा जापान का एमयूएफजी समूह

**नई दिल्ली।** जापान की मित्सुबिशी यूएफजे वित्तीय समूह (एमयूएफजी) के श्रीराम फाइनेंस में चार अरब डॉलर से अधिक के निवेश की उम्मीद है। श्रीराम फाइनेंस भारत के निजी क्षेत्र की दूसरी सबसे बड़ी गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है। सूत्रों ने बताया कि एमयूएफजी श्रीराम फाइनेंस में 20 प्रतिशत का हिस्सेदारी खरीदेगा और यहां भारतीय वित्तीय सेवा क्षेत्र के सबसे बड़े निवेशों में से एक हो सकता है। इस लेन देन के होने के बाद भी श्रीराम समूह एनबीएफसी का सबसे बड़ा शेयरधारक व प्रवर्तक रहेगा। सूत्रों के मुताबिक श्रीराम फाइनेंस की कॉरपोरेट पहचान बनी रहेगी। श्रीराम समूह की श्रीराम फाइनेंस में 24.98 प्रतिशत हिस्सेदारी है। श्रीराम समूह ने श्रीराम कैपिटल और श्रीराम वैल्यू सर्विसेज के जरिए श्रीराम फाइनेंस में निवेश किया है। इसमें दक्षिण अफ्रीका की सैनलाम लाइफ इंश्योरेंस की हिस्सेदारी 0.41 प्रतिशत है। इससे प्रवर्तक की कुल हिस्सेदारी 25.39 प्रतिशत हुई है। श्रीराम फाइनैंस को इस लेन देन के लिए ओपन ऑफर की आवश्यकता नहीं होगी। इसका कारण यह है कि हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरी तरह से शेयरों के प्राथमिक निर्गमन के माध्यम से किया जाएगा। श्रीराम फाइनैंस ने इस सप्ताह की शुरुआत में स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किया कि उसका बोर्ड बैठक करेगा। इसमें राइट्स इश्यू, तरजीही आवंटन, योग्य संस्थानों के प्लेसमेंट या किसी अन्य तरीके से धन जुटाने के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा।

## प्लेटिनम 18 साल के रिकॉर्ड स्तर पर

**मुंबई।** सोने-चांदी के दाम रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के साथ प्लेटिनम भी निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दे रहा है। ग्लोबल मार्केट में प्लेटिनम के दाम 18 साल के ऊंचे स्तर 1,975 डॉलर प्रति औंस (1,78,227 रुपए प्रति 28.35 ग्राम) पर पहुंच गए। निवेशक कमजोर होती करेंसी से संभावित नुकसान से बचाव (हेजिंग) के लिए प्लेटिनम में निवेश कर रहे हैं। सोना-चांदी जरूरत से ज्यादा महंगे होने से ये थोड़े सस्ते विकल्प नजर आ रहे हैं। 2025 में अब तक इसकी कीमत 121 प्रतिशत बढ़ चुकी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक भारत में प्लेटिनम की औसत कीमत 61,513 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। 2024 के आखिर में यह 27,560 रुपए और 2020 के आखिर में 24,910 रुपए थी।

## इस महीने में 211 लाख टन कच्चे तेल का आयात, बिल यथावत रहा

**-2026 में भी कच्चे तेल की कीमतों में नरमी रहने की संभावना**

**नई दिल्ली।** नवंबर महीने में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में कच्चे तेल आयात की मात्रा में 11 फीसदी बढ़ोतरी हुई, जबकि आयात बिल यथावत रहा। पेट्रोलियम प्लानिंग ऐंड एनालिसिस सेल (पीपीएसी) के आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर में देश का तेल आयात बिल 9.9 अरब डॉलर रहा, जो एक साल पहले की तुलना में अपरिवर्तित है। भारत ने इस महीने के दौरान 211 लाख टन कच्चे तेल का आयात किया, जो पिछले साल की समान अवधि में आयात किए गए 189 लाख टन की तुलना में काफी ज्यादा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ज्यादा आपूर्ति के डर के कारण 2025 में कच्चे तेल की कीमत कम रही है। इसकी वजह से ज्यादा तेल खरीद के बावजूद भारत का आयात बिल कम रहा। भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की कीमत नवंबर 2025 में औसतन 64.31 डॉलर प्रति बैरल रही, जबकि पिछले साल यह 73.02 डॉलर प्रति बैरल थी। अप्रैल से नवंबर की अवधि में देश के कच्चे तेल का आयात बिल करीब 12 फीसदी घटकर 80.9 अरब डॉलर रह गया। आपूर्ति की अधिकता के डर और यूक्रेन व रूस के बीच शांति समझौते की उम्मीदों के बीच बेंचमार्क ब्रेंट इस सप्ताह की शुरुआत में गिरकर 60 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया, जो पिछले 5 सालों में सबसे कम है।

## बिजली मंत्रालय आयात होने वाले सामानों की सूची तैयार कर रहा..........लोकल उत्पादन पर जोर

**नई दिल्ली।**

बिजली मंत्रालय वर्तमान में आयात होने वाले बिजली क्षेत्र की महत्त्वपूर्ण वस्तुओं की सूची तैयार करने के लिए उद्योग के साथ काम में जुटा है। इसका मकसद इन वस्तुओं के लोकल उत्पादन के लिए मदद देना है। सूची में सब सी केबल्स, परमानेंट मैग्नेट्स और उच्च चालकता वाली तांबे की छड़ें शामिल हैं। बिजली मंत्रालय की शाखा केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने उद्योग निकाय इंडियन इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईईईएमए) को भेज पत्र में कहा, 'मौजूदा परिदृश्य में यह पहल जरूरी है, क्योंकि बिजली क्षेत्र उन्नत उपकरणों के आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। आयात पर निर्भरता के कारण इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संबंधी जोखिम जुड़े हैं और इनकी कीमतों के प्रति अत्यधिक संवेदनशीलता है।' इन वस्तुओं के लोकल उत्पादन से केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को बल मिलेगा और इनके घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा, विदेशी मुद्रा की बचत होगी और ग्रिड का लचीलापन और ऊर्जा की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। सीईए ने कहा, मंत्रालय के लिए आर्थिक रूप से ठोस प्रस्ताव तैयार करने के लिए एक यथार्थवादी, उद्योग-समर्थित मूल्यांकन आवश्यक है। प्राधिकरण ने आईईईएमए और एबीबी, आदित्य बिड़ला, ह्योसंग, पॉलिकैब, डोंग-वू क्वांटम इंडिया, स्टरलाइट, श्नाइडर, तोशिबा, केईसी और जिंदल एल्युमीनियम सहित उद्योग जगत के प्रमुख हितधारकों के साथ हाल ही में परामर्श के माध्यम से 73 महत्त्वपूर्ण वस्तुओं की एक सूची बनाई है।

# शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

### सेंसेक्स 447, निफ्टी 150 अंक ऊपर आया

**मुंबई।**

शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही ऑटो और रियल्टी शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के बारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 447.55 अंक बढ़कर 84,929.36 और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 150.85 अंक उछलकर 25,966.40 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 1.67 फीसदी और निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.23 फीसदी ऊपर आया। इसके अलावा, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी, मीडिया, एनर्जी, प्राइवेट बैंक, इन्फ्रा और कमोडिटीज के शेयर लाभ में रहे। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, ट्रेंट, एचयूएल, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों को नुकसान हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी हावी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 718 अंक बढ़कर 60,310.15 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 230.15 अंक उछलकर 17,390.35 पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स बाजार खुलने के बाद 337.06 अंक तेजी के साथ 84,818.87 अंक पर कारोबार

करता दिखा। वहीं निफ्टी भी 95.45 अंक की बढ़त के साथ ही 25,911.00 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। आज एशिया-पैसिफिक बाजारों में खरीदारी देखने को मिली। निवेशक जापान के केंद्रीय बैंक के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। अनुमान है कि बैंक ऑफ जापान ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है और दरें 0.75 फीसदी तक पहुंच सकती हैं। इस बीच जापान का निक्केई, ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 और दक्षिण कोरिया के कोस्पी में बढ़त रही। वहीं अमेरिकी बातार वॉल स्ट्रीट में बढ़त रही। एसएंडपी 500 ने चार कारोबारी सत्रों की गिरावट के बाद बढ़त दर्ज की। महंगाई के अनुमान से कम रहने वाले आंकड़ों से 2026 में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ी है।

# 2030 तक 50 लाख भारतीय छात्रों और युवाओं को एआई से प्रशिक्षित करेगी आईबीएम

**मुंबई।**

आईबीएम ने भारत में कौशल विकास के लिए एक बड़े अभियान का ऐलान किया है। इसमें कहा गया है कि कंपनी 2030 तक 50 लाख भारतीय छात्रों और युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर सुरक्षा और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उन्नत तकनीकों में प्रशिक्षित करेगा। यह पहल आईबीएम स्किल्सबिल्ड के माध्यम से होगी, जिसका उद्देश्य देश में भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण करना है और छात्रों और वयस्कों को डिजिटल और नौकरी केंद्रित कौशल तक आसान पहुंच देना है। आईबीएम ने कहा कि कार्यक्रम के जरिए उन्नत तकनीक की शिक्षा को अधिक समावेशी और सुलभ बनाया जाएगा, इसके तहत स्कूल, विश्वविद्यालय और कारोबारी प्रशिक्षण संस्थानों में एआई और उभरती तकनीकी शिक्षा का विस्तार होगा।

आईबीएम, ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) जैसी संस्थाओं के साथ मिलकर एआई-केंद्रित पाठ्यक्रम, शिक्षक प्रशिक्षण, हैकथॉन और इंटर्नशिप जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देगा, जिसका मकसद छात्रों और शिक्षकों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। आईबीएम के चेयरमैन और सीईओ अरविंद कृष्णा ने कहा कि भारत में एआई और क्वांटम तकनीक में वैश्विक नेतृत्व करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि योजना से युवाओं को नई चीजें सीखने, नवाचार और देश के विकास में मदद करने का मौका मिलेगा।

आईबीएम स्कूलों में एआई शिक्षा को मजबूत कर रहा है। वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों के लिए

एआई पाठ्यक्रम विकसित किया जा रहा है और शिक्षकों को एआई प्रोजेक्ट कुकबुक, शिक्षक मार्गदर्शिका और समझाने वाले मॉड्यूल जैसी सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इसका उद्देश्य छात्रों को कंप्यूटेशनल सोच और जिम्मेदार एआई की समझ देना है।

## सेबी ने जीरो-कूपन बॉन्ड को 10,000 से कम डिनॉमिनेशन में जारी करने की दी अनुमति

**नई दिल्ली।**

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शर्तों में बदलाव करके जीरो-कूपन बॉन्ड को 10,000 रुपए के कम डिनॉमिनेशन में जारी करने की अनुमति दी है। इसके तहत जारीकर्ता निजी नियोजन के जरिये जारी अपरिवर्तनीय ऋण प्रतिभूतियों और अपरिवर्तनीय तरजीही शेयरों की फेस वैल्यू कम कर सकते हैं। पहले के एक सर्कुलर में सेबी ने जारी करने वालों को ऐसी प्रतिभूतियों की फेस वैल्यू घटाकर 10,000 रुपए करने की इजाजत दी थी, बशर्ते वे फिक्स्ड मैच्योरिटी वाले ब्याज या लाभांश देने वाले साधन हों और उन पर कोई स्ट्रक्चर्ड ऑब्लिगेशन न हो। हालांकि, इस शर्त ने जीरो-कूपन बॉन्ड को बाहर कर दिया, जो समय-समय पर ब्याज नहीं देते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बाजार कारोबारियों की प्रतिक्रिया पर जवाब देते हुए सेबी ने माना कि जीरो-कूपन बॉन्ड समय-समय पर मिलने वाले कूपन के बजाय कीमत में बढ़ोतरी पर रिटर्न देते हैं। नियामक ने कहा कि ये बॉन्ड समय के साथ चक्रवृद्धि रिटर्न देते हैं और पोर्टफोलियो में विविधता लाने वाले निवेशक इनका ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं।

# भारत-अमेरिका संबंधों के नए स्वर, शांति, स्थिरता और रणनीतिक संतुलन की ओर

कांतिलाल मांडोत

**मोदी-ट्रंप वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत-अमेरिका संबंध आज केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं। वे एक गहन, बहुआयामी और गतिशील साझेदारी के द्वार पर खड़े हैं। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों के समाधान से लेकर व्यापार, रक्षा, तकनीक और ऊर्जा के क्षेत्रों में नवीन सहयोग हर स्तर पर यह रिश्ता नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ रहा है। इसका अर्थ यह भी है कि आने वाले वर्षों में दोनों देश एक-दूसरे के लिए अपरिहार्य रणनीतिक सहयोगी बनेंगे।**

भारत और अमेरिका के बीच हाल के दिनों में हुई उच्च स्तरीय वार्ता ने वैश्विक राजनीति में एक नया संदेश दिया है।संवाद ही वह सेतु है जो किसी भी जटिल द्विपक्षीय रिश्ते को संतुलन और स्थिरता की ओर ले जाता है। बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य, वैश्विक अर्थव्यवस्था के उतार-चढ़ाव और सामरिक चुनौतियों के बीच दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व की बातचीत न केवल समयोचित थी बल्कि भविष्य की साझेदारी के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण भी प्रकट करती है। लंबे समय से चले आ रहे विवाद, खासकर व्यापार और टैरिफ से जुड़े मुद्दे, धीरे-धीरे नरम पड़ते दिखाई दे रहे हैं। भारत के लिए यह बातचीत एक भरोसेमंद संकेत है कि विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में से दो देश फिर से सामरिक और आर्थिक तालमेल की ओर लौट रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर बताया कि यह वार्ता महत्वपूर्ण और सौहार्दपूर्णर ही। इस कथन से यह स्पष्ट होता है कि दोनों पक्षों ने विवादित मुद्दों से आगे बढ़कर उन क्षेत्रों पर अधिक जोर दिया जिनमें सहयोग की अपार संभावनाएँ मौजूद हैं।जैसे रक्षा, ऊर्जा, सैन्य नवाचार, प्रौद्योगिकी, वाणिज्य और सुरक्षा। बीते कुछ वर्षों में व्यापारिक टकराव, विशेषकर टैरिफ की नीति, भारत-अमेरिका संबंधों में एक बड़ी बाधा थी। अमेरिका द्वारा लगाए गए अतिरिक्त शुल्कों को लेकर कई बार तनाव की स्थिति बनी। किंतु वास्तविकता यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था इतनी विविध, लचीली और मजबूत हो चुकी है कि इन टैरिफ का प्रभाव सीमित रहा। दूसरी ओर, अमेरिका को यह समझ आ गया कि कठोर व्यापारिक नियमों से वह भारत जैसे तेजी से उभरते साझेदार को केवल असहज कर रहा है, लाभ नहीं। इसलिए, जैसे-जैसे वार्ता आगे बढ़ी, टैरिफ का भूत धीरे-धीरे समाप्त होता दिखा।

इस संवाद का सबसे बड़ा संदेश यह है कि वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए भारत और अमेरिका केवल सहयोग करने की इच्छा नहीं बल्कि व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता रखते हैं। दोनों देशों ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में उभर रही साझा चुनौतियाँ,चाहे वह इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा हो, उभरती तकनीकों का भविष्य हो, या ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु संबंधी मुद्दे।इन सब पर संयुक्त प्रयास आवश्यक हैं। यह समझ इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक विमर्श को आकार देने वाला निर्णायक खिलाड़ी है।

वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह था कि दोनों देशों ने अपने रणनीतिक हितों के प्रति स्पष्टता बरतते हुए व्यापारिक रिश्तों को नई ऊर्जा देने की आवश्यकता को स्वीकार किया। भारत में मौजूद अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि पहले ही अंतिम प्रस्ताव वॉशिंगटन भेज चुके हैं और अब समझौते का निर्णय राजनीतिक स्तर पर लिया जाना है। यह संकेत देता है कि आने वाले महीनों में दोनों देश एक बड़े व्यापारिक समझौते के करीब पहुँच सकते हैं। मुद्दों को टालने या कठोर रुख अपनाने की बजाय संवाद द्वारा रास्ता खोजने का यह सकारात्मक संकेत वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी आश्वस्तकारी है।

अमेरिका द्वारा लॉन्च किया गया 9 करोड़ का गोल्ड कार्ड भी दोनों देशों के रिश्तों में एक नया आयाम जोड़ता है। यह स्थायी निवास और निवेश के अवसरों को जोड़ने का प्रयास है, लेकिन इसकी अत्यधिक लागत इसे आम लोगों के लिए कठिन बनाती है। इसके अलावा, यह भी तथ्य है कि अमेरिका कभी भी किसी कार्डधारक का स्टेटस बदल सकता है, जिससे यह नीति अस्थिरता का संकेत भी देती है। भारत के लिए चुनौती यह है कि हजारों एच-1बी वीजा आवेदकों के इंटरव्यू अचानक महीनों के लिए टाल दिए गए हैं। इससे अमेरिकी नीतियों की अनिश्चितता उजागर होती है। अमेरिका के भीतर भी इस गोल्ड कार्ड योजना का विरोध जारी है, क्योंकि इसे अमेरिका के हितों के विरुद्ध और कुछ देशों को अनावश्यक रूप से अलग-थलग करने वाला कदम माना जा रहा है।

यह भी तथ्य है कि कई विश्लेषकों के अनुसार अमेरिका अपने कठोर और बदलते नियमों के माध्यम से भारत की तेजी से बढ़ती आर्थिक तरक्की पर किसी न किसी रूप में अंकुश लगाने की कोशिश करता है। लेकिन यह आकलन भी उतना ही सही है कि भारत अब ऐसी नीतियों के दबाव में नहीं आने वाला। भारत की वैश्विक स्थिति जितनी मजबूत हुई है, उतनी ही उसकी क्षमता बढ़ी है कि वह समानता और सम्मान के आधार पर साझेदारी को आगे बढ़ाए। यही कारण है कि इस बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने टैरिफ का मुद्दा उठाने की आवश्यकता तक महसूस नहीं की।क्योंकि भारत का आत्मविश्वास अब किसी रक्षात्मक मुद्रा का मोहताज नहीं रहा।

इस पूरे संवाद का व्यापक संदर्भ यह है कि दुनिया अनेक मोर्चों पर तनाव की स्थिति से गुजर रही है।यूरोप और मध्यपूर्व में संघर्ष, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन, और आर्थिक अनिश्चितताएँ। ऐसी परिस्थितियों में भारत-अमेरिका संबंधों की स्थिरता न केवल दोनों देशों बल्कि पूरे विश्व के लिए आवश्यक है। एक तरफ अमेरिका अपनी वैश्विक भूमिका को पुनर्संतुलित करने की कोशिश कर रहा है, तो दूसरी ओर भारत एक उभरती शक्ति के रूप में वैश्विक नेतृत्व में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका स्थापित कर चुका है। इस संतुलन की दिशा में आगे बढ़ने के लिए संवाद और सहयोग ही सबसे प्रभावी साधन हैं।

इस बातचीत से यह भी प्रतीत होता है कि दोनों देश भविष्य में सैन्य और सुरक्षा साझेदारी को और सुदृढ़ करेंगे। 21वीं सदी की रक्षा तकनीक चाहे वह साइबर सुरक्षा हो, स्पेस सिक्योरिटी, एआई आधारित सैन्य प्रणालियाँ, या समुद्री सुरक्षा,इन सभी क्षेत्रों में भारत और अमेरिका मिलकर वैश्विक मानक तय करने में सक्षम हैं। यह सहयोग न केवल एक-दूसरे के हितों की रक्षा करेगा बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक शांति में भी योगदान देगा।

अमेरिका द्वारा भारत को दबाने की कोशिश का दौर अब बीतता दिख रहा है। दुनिया जानती है कि भारत किसी भी बाहरी दबाव के आगे झुकने वाला देश नहीं है। यही कारण है कि इस वार्ता के परिणाम में अमेरिका खुद एक अधिक सम्मानजनक, विनम्र और वास्तविक साझेदार के रूप में सामने आया। भारत के साथ संबंधों को गहराने की अमेरिका की इच्छा केवल रणनीतिक आवश्यकता नहीं बल्कि व्यावहारिक अनिवार्यता बन चुकी है।

इन सबके बीच यह भी ध्यान देने योग्य है कि वैश्विक स्तर पर अन्य देश जैसे मैक्सिको भी नई परिस्थितियों में अपने आर्थिक हितों के लिए कठोर टैरिफ नीतियाँ अपनाने की बात कर रहे हैं। यह विश्व अर्थव्यवस्था में उभरती नई प्रतिस्पर्धा को दशार्ता है। ऐसे समय में भारत को न केवल अमेरिका बल्कि अन्य साझेदारों के साथ भी अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सजग रहना होगा। आने वाले समय में बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में भारत की भूमिका निर्णायक होगी।

अंततः मोदी-ट्रंप वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत-अमेरिका संबंध आज केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं। वे एक गहन, बहुआयामी और गतिशील साझेदारी के द्वार पर खड़े हैं। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों के समाधान से लेकर व्यापार, रक्षा, तकनीक और ऊर्जा के क्षेत्रों में नवीन सहयोग हर स्तर पर यह रिश्ता नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ रहा है। इसका अर्थ यह भी है कि आने वाले वर्षों में दोनों देश एक-दूसरे के लिए अपरिहार्य रणनीतिक सहयोगी बनेंगे। भारत की बढ़ती शक्ति, आत्मविश्वास और वैश्विक नेतृत्व क्षमता ने उसे वह स्थान दिलाया है जहाँ कोई भी राष्ट्र उसे दबा नहीं सकता।संवाद ही एकमात्र रास्ता है। यही इस वार्ता का सार है और यही भविष्य के भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा तय करेगा।

## संपादकीय

### मनरेगा अब 'जी राम जी'

शुक्रवार, 19 दिसंबर, संसद के शीतकालीन सत्र का अंतिम दिन है। सरकार का प्रयास रहेगा कि मनरेगा का वैकल्पिक बिल ह्यविकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)ह्न दोनों सदनों में पारित हो जाए, ताकि राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद इसे कानून के तौर पर अधिसूचित किया जा सके। नए बिल को संक्षेप में ह्यजी-राम-जीह्न कहा जा रहा है। शायद इसीलिए हिंदी और अंग्रेजी के शब्दों की खिचड़ी बनाई गई है। इसे भाजपा की ह्यरामवादी राजनीतिह्न से जोड़ कर भी देखा जा रहा है। यह मानसिकता का संकरापन है। बुनियादी चिंता और सरोकार यह होना चाहिए कि जिस भारतीय को काम का संवैधानिक अधिकार हासिल है, क्या उसे 100 अथवा 125 दिन का रोजगार मुहैया कराया जा रहा है अथवा नहीं? जब 2005 में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान ह्यराष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी बिलह्न तैयार किया गया था, तब भाजपा के वरिष्ठ सांसद कल्याण सिंह की अध्यक्षता वाली संसदीय समिति में बिल पर व्यापक विमर्श किया गया था। संसदीय समिति ने तत्कालीन मनमोहन सरकार को कई सुझाव भी दिए थे। हमारी सूचना है कि अधिकांश सुझाव मान लिए गए थे। यकीनन वह एक ऐतिहासिक प्रयोग था कि देश में गरीब और बेरोजगार अथवा जिसे काम चाहिए, उस व्यक्ति को साल में कमोबेश 100 दिन का रोजगार, केंद्र सरकार के जरिए, उपलब्ध कराया जाएगा। वह संकल्प और कानूनी प्रावधान अधूरे ही रहे, क्योंकि 2006-07 से लेकर 2024-25 तक औसतन 50.24 दिन का रोजगार ही मुहैया कराया जा सका है। वाकई यह सरकार की नाकामियों का स्मारक भी है, लेकिन इसमें कांग्रेस और भाजपा दोनों की ही सरकारें शामिल रही हैं। साल 2008 में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रपट सामने आई, तो बदइंतजामी और गहरे भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए। करीब 70 फीसदी ब्लॉक में मनरेगा अफसर ही तैनात नहीं थे।

करीब 52 फीसदी पंचायतों में मनरेगा सहायक ही नहीं थे। बंगाल के 19 जिलों में बिना काम ही भुगतान किए गए और फंड के गलत इस्तेमाल किए गए। देश के 19 राज्यों में सर्वे कराए गए, तो अधिकारी और ठेकेदार के मिलीभगत भ्रष्टाचारों का खुलासा हुआ। 2024-25 में, मोदी सरकार के दौरान, 193 करोड़ रुपए का गबन और घोटाला पाया गया। 2025-26 में 23 राज्यों में मनरेगा के तहत या तो काम ही नहीं कराया गया अथवा बजटीय खर्च कम किया गया। बीती 5 दिसंबर को ही राज्यसभा में सरकार ने जानकारी दी थी कि मनरेगा की मद के 9746 करोड़ रुपए बकाया हैं। बजट में मनरेगा के लिए 80,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे। चूंकि रकम खर्च नहीं की गई, लिहाजा साफ है कि मजदूरी बांटी नहीं गई, क्योंकि काम उपलब्ध ही नहीं कराया गया। यूपीए सरकार के दौरान ही केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने कुछ पेशेवरों, पत्रकार आदि, को प्रतिनिधि बना कर बुंदेलखंड जैसे पिछड़े इलाकों में भेजा था, ताकि मनरेगा का यथार्थ सामने आ सके।

#### चिंतन-मनन

### ईमानदारी सर्वोत्तम

एक राजा ने अपने उत्तराधिकारी के चुनाव के लिए राज्य के सभी नौजवानों को एक-एक बीज दिया और कहा, इसे गमले में लगाकर सींचना और एक वर्ष के पश्चात मेरे पास लेकर आना। जिसका पौधा सबसे अच्छा होगा, उसे राजा घोषित किया जाएगा। सब बीज लेकर खुशी-खुशी लौटे। पांच-छह दिन गुजर जाने पर भी जब बीज अंकुरित नहीं हुआ, तो सबने उसी प्रकार का बीज नर्सरी से खरीदकर अपने-अपने गमले में लगा दिया और सींचने लगे। इन सबमें केवल भोलू नाम का नौजवान ही ?सा था, जिसने दूसरा बीज खरीदने का दुस्साहस नहीं किया। कुछ दिनों के पश्चात सभी युवा अपने-अपने हरे-भरे गमले के साथ राजा के सम्मुख पेश हुए, केवल भोलू ही खाली गमले के साथ कोने में नजरें चुराए खड़ा था। राजा ने उसे पास बुलाया और घोषणा कर दी कि भोलू ही मेरा उत्तराधिकारी है। जब जनता ने उसके खाली गमले को प्रश्नवाचक नजरों से देखा, तो राजा ने सभी के समक्ष यह भेद खोला कि मैंने उबले हुए बीज सभी को दिए थे। भोलू ने उसी उबले बीज को सींचा, जबकि शेष सभी ने राजा बनने के लिए बीज बदल लिए। ये बड़े-बड़े पौधे बेईमानी की कहानी कह रहे हैं। सत्य तो यही है कि बीज तो अंकुरित होना ही नहीं था, बावजूद इसके भोलू हिम्मत व ईमानदारी से अपना खाली गमला ही मेरे पास लेकर आया। इसलिए अगला राजा भोलू ही होगा। यदि हम बुद्धि रूपी जमीन पर ईमानदारी का बीजारोपण कर उसे सींचेंगे, तो निसंदेह उस पर विश्वास रूपी मीठे फल निकलेंगे।

# पाकिस्तान की राह पर बांग्लादेश और भारत के लिए बढ़ती सुरक्षा चुनौती

सौरभ जैन अंकित

बांग्लादेश एक बार फिर गंभीर राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है। भारत विरोधी बयानबाजी के लिए चर्चा में रहे शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद ढाका समेत कई शहरों में भड़की हिंसा ने नई चिंताएं खड़ी कर दी हैं। अखबारों के दफ्तर जलाए गए, अवामी लीग के कार्यालय पर हमले हुए और भारतीय उच्चायोग को घेरने की घटनाएं सामने आईं। बिगड़ते हालात के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है, क्या बांग्लादेश भी धीरे-धीरे पाकिस्तान की तरह कट्टरपंथी संगठनों के हाथ का खिलौना बनने जा रहा है?

भारत की सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि बांग्लादेश में सक्रिय कुछ कट्टरपंथी इस्लामी संगठन दोबारा सिर उठा रहे हैं। जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश, अंसारुल्लाह बांग्ला टीम और हिज्ब-उत-तहरीर जैसे संगठनों का अतीत हिंसा, बम धमाकों और टारगेट किलिंग से जुड़ा रहा है। शेख हसीना सरकार के समय इन पर सख्त कार्रवाई हुई थी, जिससे इनका नेटवर्क कमजोर पड़ा। लेकिन मौजूदा राजनीतिक अस्थिरता और प्रशासनिक ढील के माहौल में इनके फिर से सक्रिय होने की आशंका बढ़ गई है।

भारत के लिए चिंता की एक बड़ी वजह यह भी है कि पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद का संपर्क बांग्लादेशी कट्टरपंथी गुटों से रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये संगठन भारत के पूर्वी हिस्से में अस्थिरता फैलाने के इरादे से बांग्लादेश को एक नए आधार के रूप में इस्तेमाल करना चाहते हैं। कुछ आकलनों में यह भी सामने आया है कि विश्वविद्यालयों और युवाओं को कट्टरपंथी बनाने में बांग्लादेशी गुट इन आतंकी संगठनों की मदद कर रहे हैं।

भारत-बांग्लादेश के बीच लंबी और संवेदनशील सीमा भी इस खतरे को बढ़ाती है। पश्चिम बंगाल, असम, त्रिपुरा और मेघालय से लगी सीमा पहले से ही अवैध घुसपैठ, तस्करी और नकली नोटों की समस्या से जूझ रही है। यदि कट्टरपंथी संगठनों को यहां पनपने का मौका मिला, तो यह सीमा आतंकियों के लिए आरामगाह के साथ ही एक देश से दूसरे देश तक आवाजाही, स्लीपर सेल और हथियारों की तस्करी का रास्ता बन सकती है, जैसा पाकिस्तान के साथ लगी सीमा पर देखा गया है।

हालिया हिंसा में भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जाना भी चिंता का संकेत है। चटगांव में भारतीय उच्चायोग पर पत्थरबाजी और भारत विरोधी नारों से यह साफ होता है कि कट्टरपंथी तत्व माहौल को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति और सामाजिक दिशा का सीधा असर भारत की सुरक्षा पर पड़ता है।

भारत और बांग्लादेश के रिश्ते ऐतिहासिक रूप से

मजबूत रहे हैं। ऐसे में कट्टरपंथ के खिलाफ सख्त नीति, मजबूत और स्थिर सरकार तथा दोनों देशों के बीच खुफिया और सुरक्षा सहयोग बेहद जरूरी है। यदि समय रहते हालात पर काबू नहीं पाया गया, तो आशंका है कि बांग्लादेश भी पाकिस्तान की तरह आतंकी नेटवर्क के लिए उपजाऊ जमीन बन सकता है, जो भारत के लिए दीर्घकालिक और गंभीर चुनौती साबित होगा।

# मानव एकजुटता से ही बचेगा मानव-सभ्यता का अस्तित्व

ललित गर्ग

अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस हर साल 20 दिसंबर को मनाया जाता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2005 में घोषित किया था और इसका मुख्य उद्देश्य गरीबी उन्मूलन, सतत विकास और विविधता में एकता को बढ़ावा देने के लिए लोगों को एकजुटता के महत्व के बारे में जागरूक करना है, ताकि वैश्विक चुनौतियों से मिलकर निपटा जा सके। इस दिवस को मनाते हुए मुख्य विचार है कि ह्यएकजुटता में नवाचार और प्रौद्योगिकीह्न, ह्ययुवा-नेतृत्व वाली एकजुटताह्न और ह्यसतत विकास लक्ष्यों के लिए एकजुटताह्न जैसे विषयों पर केंद्रित है। आज की दुनिया एक विचित्र और विरोधाभासी दौर से गुजर रही है। एक ओर विज्ञान, तकनीक और संचार ने पूरी पृथ्वी को एक छोटे से गाँव में बदल दिया है, तो दूसरी ओर मनुष्यों के बीच की दूरी, गरीबी, अशिक्षा, अविश्वास और वैमनस्य लगातार बढ़ता जा रहा है। युद्ध, आतंक, हिंसा, नस्लवाद, धार्मिक कट्टरता और आर्थिक असमानता ने मानव सभ्यता के मूल उद्देश्य पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया है। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता एवं एकजुटता दिवस न केवल नये मानवीय मूल्यों से प्रेरित समतामूलक समाज-संरचना की प्रेरणा है, बल्कि मानव जाति के लिए आत्ममंथन और आत्मसुधार का अवसर है। इस दिवस की मूल भावना यही है कि गरीबी का उन्मूलन हो, विकास अंतिम आदमी तक पहुंचे, मनुष्य पहले मनुष्य बने, उसके बाद उसकी पहचान राष्ट्र, धर्म, भाषा, रंग या विचारधारा से हो। आज जब दुनिया अनेक खेमों में बँटती जा रही है, तब ह्लसभी मानव पहले मानवह्व की चेतना को पुनः जाग्रत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है।

भारतीय चिंतन ने सदियों पहले ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व का जो सूत्र दिया था, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है, बल्कि पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पूरी पृथ्वी एक परिवार है, बल्कि यह भी है कि परिवार के हर सदस्य का सुख-दुःख, सम्मान और अस्तित्व समान रूप से महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्यवश आधुनिक विश्व ने इस सूत्र को एक सुंदर नारे तक सीमित कर दिया है। व्यवहार में हम राष्ट्रहित, संप्रदायहित और व्यक्तिगत स्वार्थ को मानवहित से ऊपर रख देते हैं। परिणामस्वरूप युद्ध की आग में निर्दोष बच्चे झुलसते हैं, आतंक की छाया में सामान्य नागरिक भय के साथ जीने को मजबूर होते हैं और आर्थिक शोषण के कारण करोड़ों लोग अभाव और भूख की रेखा के नीचे जीवन बिताते हैं। मानव एकता का दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि जब तक मनुष्य की दृष्टि संकीर्ण रहेगी, तब तक शांति केवल एक सपना बनी रहेगी।

आज के युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे विचारों, सूचनाओं और मानसिकताओं में भी लड़े जा रहे हैं। कहीं नस्ल के नाम पर घृणा फैलाई जा रही है, कहीं धर्म के नाम पर हिंसा को सही ठहराया जा रहा है, तो कहीं राष्ट्रवाद के उग्र स्वर मानवता की कोमल आवाज को दबा रहे हैं। आतंकवाद इसी विकृत मानसिकता का सबसे घातक रूप है, जो न धर्म को मानता है, न मानव मूल्यों को। ऐसे में शांति की बातें करना कई लोगों को आदर्शवादी या अव्यावहारिक लग सकता है, किंतु इतिहास साक्षी है कि हिंसा ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। अस्तित्व की रक्षा केवल शांति, संवाद और सह-अस्तित्व से ही संभव है। मानव एकता दिवस इसी सत्य को वैश्विक चेतना में पुनः स्थापित करने का प्रयास है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के सहस्राब्दी घोषणापत्र में एकजुटता को इक्कीसवीं सदी के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के मूलभूत मूल्यों में से एक बताया गया है, जिसके अनुसार सबसे कम पीड़ित या सबसे कम लाभान्वित लोगों को सबसे अधिक लाभान्वित लोगों से सहायता मिलनी चाहिए। इसलिए, वैश्वीकरण और बढ़ती असमानता की चुनौती के संदर्भ में, अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को मजबूत करना अपरिहार्य है। इसलिए, संयुक्त राष्ट्र महासभा इस बात से आश्वस्त है कि गरीबी से लड़ने के लिए एकजुटता की संस्कृति और साझा करने की भावना को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। गरीबी उन्मूलन के लिए विश्व एकजुटता कोष की स्थापना और अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस की घोषणा जैसी पहलों के माध्यम से, एकजुटता की अवधारणा को गरीबी के खिलाफ लड़ाई में और सभी संबंधित हितधारकों की भागीदारी में महत्वपूर्ण के रूप में बढ़ावा दिया गया।

मानव एकजुटता का अर्थ केवल संकट के समय सहायता करना नहीं है, बल्कि दैनिक जीवन में संवेदनशीलता, करुणा, समानता और सहानुभूति को अपनाना है। जब हम किसी दूसरे देश के युद्ध पीड़ितों को केवल समाचार की सुर्खी मानकर आगे बढ़ जाते हैं, तब हमारी मानवता कहीं न कहीं मर जाती है। जब शरणार्थियों को बोझ समझा जाता है और गरीब देशों की पीड़ा को अनदेखा किया जाता है, तब वैश्विक एकता का विचार खोखला प्रतीत होता है। मानव एकता का संदेश यह है कि किसी भी कोने में बहाया गया रक्त, पूरी मानवता को आहत करता है और कहीं भी बहाया गया आँसू, हमारी सामूहिक असफलता का प्रतीक है। यह दिवस हमें सिखाता है कि विविधता हमारी कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी ताकत है। भाषाएँ अलग हों, पूजा-पद्धतियाँ अलग हों, पर मनुष्य की पीड़ा, उसकी आशा और उसका सपना हर जगह एक जैसा होता है।

हिंसा और युद्ध के इस दौर में शांति की भाषा बोलना साहस का कार्य है। शांति केवल हथियारों के मौन का नाम नहीं, बल्कि न्याय, समानता और सम्मान से उपजा हुआ विश्वास है। जब तक दुनिया में गहरी आर्थिक असमानता रहेगी, जब तक कुछ देशों का विकास दूसरों के शोषण पर आधारित रहेगा, तब तक वास्तविक मानव एकता संभव नहीं है। इसलिए मानव एकजुटता दिवस सामाजिक और आर्थिक न्याय की भी माँग करता है। यह याद दिलाता है कि संपन्नता का उद्देश्य केवल उपभोग नहीं, बल्कि साझेदारी है और शक्ति का उद्देश्य केवल प्रभुत्व नहीं, बल्कि संरक्षण है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा, मीडिया और राजनीति मानव एकता के मूल्यों को बढ़ावा दें। बच्चों को प्रारंभ से ही यह सिखाया जाए कि दूसरे का दर्द समझना कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी शक्ति है। युवाओं में वैश्विक नागरिकता की भावना विकसित हो, जिसमें वे स्वयं को केवल किसी एक राष्ट्र का नहीं, बल्कि पूरी मानवता का उत्तरदायी सदस्य मानें। तकनीक का उपयोग नफरत फैलाने के लिए नहीं, बल्कि संवाद और समझ बढ़ाने के लिए हो। तभी यह दिवस केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं रहेगा, बल्कि जीवन की एक जीवंत प्रेरणा बन सकेगा।

एकजुटता का अर्थ केवल सरकारी संबंध ही नहीं, बल्कि समस्त जन कल्याण भी है। संयुक्त राष्ट्र

मानवाधिकार और सामाजिक विकास संबंधी पहलों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है, जिसका उद्देश्य एक ऐसी समतापूर्ण दुनिया का निर्माण करना है जहाँ सभी को विकास के अवसर प्राप्त हों। यह प्रतिबद्धता एकजुटता के आधारशिला के रूप में सार्वभौमिक प्रगति में गहरी आस्था को दशार्ती है। संयुक्त राष्ट्र की एकजुटता की अवधारणा ही उसके मिशन का आधार है। सामूहिक सुरक्षा एक ऐसा सिद्धांत है जो राष्ट्रों के बीच आपसी सहयोग को प्रोत्साहित करता है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर इस बात पर जोर देता है कि सदस्य देशों को सहयोग के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। इससे राष्ट्र सशस्त्र संघर्ष या आतंकवाद जैसे किसी भी खतरे के खिलाफ एकजुट हो सकते हैं। वैश्विक चुनौतियों के परस्पर संबंध को पहचानते हुए, संयुक्त राष्ट्र गरीबी, भूख और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की वकालत करता है। एकजुटता साझेदारी के माध्यम से प्रकट होती है जो संसाधनों के बंटवारे को बढ़ावा देती है और प्रत्येक राष्ट्र के प्रयासों को मजबूत करती है।

अंततः मानव एकता एवं एकजुटता दिवस हमें एक सरल लेकिन गहन सत्य की ओर लौटने का आह्वान करता है कि मनुष्य की सबसे बड़ी पहचान उसका मनुष्य होना है। यदि हम इस पहचान को बचा पाए, तो युद्ध, आतंक और हिंसा की अंधेरी रात अपने आप छँटने लगेगी। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को व्यवहार में उतारकर ही हम एक ऐसी दुनिया का निर्माण कर सकते हैं जहाँ अस्तित्व भय से नहीं, विश्वास से संचालित हो; जहाँ शक्ति हथियारों में नहीं, करुणा में निहित हो; और जहाँ भविष्य की पीढ़ियाँ हमें एक ऐसी मानवता के रूप में याद करें, जिसने विभाजन नहीं, बल्कि एकता को चुना।

## संक्षिप्त समाचार

### 'रूस अगले साल भी युद्ध जारी रखने की तैयारी कर रहा', यूक्रेनी राष्ट्रपति ने पश्चिमी देशों से लगाई मदद

**कीव, एजेंसी।** यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दावा किया है कि रूस अगले साल भी युद्ध जारी रखने की तैयारी कर रहे हैं। जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों और खासकर अमेरिका से मदद देने की अपील की। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में जेलेंस्की ने लिखा, 'आज हमें फिर से ऐसे संकेत मिले हैं कि मॉस्को अगले साल भी लड़ाई जारी रखने की तैयारी कर रहा है। ये संकेत सिर्फ हमारे लिए नहीं हैं बल्कि ये हमारे सहयोगी देशों के लिए भी संकेत हैं कि वे भी इसे देखें और न सिर्फ देखें बल्कि इस पर प्रतिक्रिया भी दें। खासकर अमेरिका, जो अक्सर कहता है कि रूस इस युद्ध को खत्म करना चाहता है।' जेलेंस्की ने आगे लिखा, 'अमेरिका दावा करता है कि रूस, युद्ध रोकना चाहता है, लेकिन जो संकेत मिल रहे हैं, वे बिल्कुल उलट हैं। रूस की मानसिकता को समझकर उसके हिसाब से कार्रवाई की जानी चाहिए। रूस कूटनीति को अहमियत नहीं देता और वह बस यूक्रेन और यूक्रेन के लोगों को तबाह करना चाहता है। वह यूक्रेन की जमीन को चुराकर उसे कानूनी वैधता देना चाहता है। यूक्रेन के बाद रूस यूरोप का रुख करेगा, जहां वह यूरोप की जमीन को भी ऐतिहासिक रूप से रूस की जमीन बताएगा।' जेलेंस्की ने इसके बाद लिखा कि यूक्रेन अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा। यूक्रेन को आर्थिक और सैन्य मदद की जरूरत है। साथ ही रूस की संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई और राजनीतिक इच्छाशक्ति की भी जरूरत है।

### इस्राइल ने गाजा के रिहायशी इलाके में दागे मोर्टार, 10 लोग घायल

**येरूशलम, एजेंसी।** इस्राइल की सेना ने बुधवार को गाजा पट्टी के एक फलस्तीनी रिहायशी इलाके में मोर्टार गोला दागा। इस घटना में कम से कम 10 लोगों के घायल होने की पुष्टि स्वास्थ्य अधिकारियों ने की है। इस्राइली सेना ने कहा कि यह फायरिंग संघर्षविराम समझौते में तय की गई तथाकथित 'येलो लाइन' के पास एक सैन्य अभियान के दौरान हुई। सेना के मुताबिक मोर्टार अपने तय लक्ष्य से भटक गया, हालांकि यह नहीं बताया गया कि लक्ष्य क्या था। सेना ने घटना की जांच शुरू कर दी है। गाजा सिटी के अल-अहली अस्पताल के निदेशक फादेल नईम ने बताया कि घायल सभी लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गौरतलब है कि 10 अक्टूबर से लागू संघर्षविराम के बाद यह पहली घटना नहीं है, जब येलो लाइन के बाहर इस्राइली फायरिंग से नागरिक हताहत हुए हों। फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार संघर्षविराम के बाद अब तक इस्राइली कार्रवाई में 370 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इस्राइल का कहना है कि उसने हमास की उल्लंघनों के जवाब में कार्रवाई की है, जबकि फलस्तीनी पक्ष का आरोप है कि लाइन के स्पष्ट रूप से चिन्हित न होने के कारण आम नागरिक निशाना बन रहे हैं।

### रैपर के फ्लॉक को गोलीबारी मामलों में 30 साल की सजा

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी रैपर के फ्लॉक (केविन पेरेज) को ब्रॉन्क्स में 2020-21 के बीच हुई कई गोलीबारी घटनाओं में दोषी पाए जाने पर 30 साल की सजा सुनाई गई है। 22 वर्षीय रैपर पर चार अलग-अलग घटनाओं में कई लोगों को घायल करने और एक गैंग का मुखिया बनने का आरोप था। जज लुइस लिमन ने कहा कि पेरेज ने सोशल मीडिया पर हिंसा को बढ़ावा दिया और युवा प्रशंसकों को गलत संदेश दिया। मार्च में उन्हें रैकेटियरिंग साजिश और हत्या के प्रयास सहित कई आरोपों में दोषी ठहराया गया था।

### कोलंबिया में विद्रोहियों के हमले में दो पुलिस अफसरों की मौत

**बोगोटा , एजेंसी।** कोलंबिया के काली में नेशनल लिबरेशन आर्मी (ईएलएन) विद्रोहियों के हमले में दो पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई। दोनों अधिकारी बाइक पर गश्त कर रहे थे, तभी सड़क किनारे लगाए बम से निशाना बनाया गया। घटना से पहले ईएलएन ने कैरेबियन में अमेरिकी सैन्य तैनाती के विरोध में 72 घंटे का आर्म्ड स्ट्राइक शुरू किया। अधिकारियों के मुताबिक, सप्ताहांत में पुलिस स्टेशन व सैन्य ठिकानों पर भी हमले हुए, जिनमें एक एंबुलेंस चालक की मौत हुई।

### बक रॉजर्स स्टार गिल जेरार्ड का 82 साल की उम्र में कैंसर से निधन

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी अभिनेता गिल जेरार्ड का 82 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने 1979 की साइ-फाई सीरीज बक रॉजर्स इन 25 सेंचुरी में मुख्य भूमिका निभाई थी। जेरार्ड की पत्नी जेनेट ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि जेरार्ड को कैंसर था। पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ने लगी थी। उनके साथ बिताया गया समय मेरे लिए कभी पर्याप्त नहीं हो सकता।

# भारत-अमेरिका के व्यापार संबंधों के लिए 2026 की पहली तिमाही होगी काफी अहम: रिचर्ड रोसो

**वाशिंगटन , एजेंसी।** भारत और अमेरिका के रिश्तों ने साल 2025 में कई उतार-चढ़ाव देखे। साल की शुरुआत में जहां दोनों देशों के बीच कूटनीतिक स्तर पर अच्छी तेजी दिखी, वहीं आगे चलकर व्यापार से जुड़े मतभेद और कुछ भू-राजनीतिक मुद्दों पर असहमति भी सामने आई। हालांकि अब हालात धीरे-धीरे स्थिर हो रहे हैं और दोनों देश 2026 को ज्यादा सकारात्मक और उत्पादक बनाने की दिशा में आगे बढ़ते नजर आ रहे हैं। यह बात अमेरिका में भारत मामलों के वरिष्ठ विशेषज्ञ रिचर्ड रोसो ने एक साक्षात्कार में कही है। वाशिंगटन स्थित सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) में भारत और उभरती एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर काम कर रहे रिचर्ड रोसो ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'यह रिश्ता साफ तौर पर उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत उन देशों में शामिल था, जिन्होंने अमेरिका के साथ शुरुआत में ही बेहतर तरीके से संपर्क बनाया। इसमें राष्ट्राध्यक्ष स्तर की मुलाकात और क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक जैसे अहम कदम शामिल थे। हालांकि, कुछ समय बाद मतभेद सामने आने लगे।

रोसो ने बताया कि भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर अलग-अलग नजरिया है और भारत द्वारा रूस से तेल की खरीद जारी रखने पर वॉशिंगटन में चिंता बढ़ी। इसके बावजूद रोसो का मानना है कि मौजूदा दौर पहले की तुलना में कहीं ज्यादा शांत है। उन्होंने कहा, 'अब तक व्यापार समझौता पूरा नहीं हुआ है। रोज-रोज की तीखी बयानबाजी भी नहीं दिखती। यह माहौल 2026 में रिश्तों को ज्यादा मजबूत बनाने की नींव रख सकता है। व्यापार के मुद्दे पर रोसो ने माना कि भारत अमेरिकी कंपनियों के लिए एक चुनौतीपूर्ण बाजार रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद कुछ ऐसे कदम उठाए गए जिनसे अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत में निर्यात करना मुश्किल हुआ। ये नीतियां आज भी अमेरिका की सोच को प्रभावित करती हैं, खासकर राष्ट्रपति ट्रंप के नजरिए से।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत की व्यापार नीति में समय के साथ बदलाव आया है। आयात शुल्क में कटौती, स्थानीय निर्माण की अनिवार्यता में कमी और ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात के साथ बड़े व्यापार समझौते इसके उदाहरण हैं। राजनीतिक स्तर पर आई डगमगाहट के बावजूद, व्यापारिक आंकड़े मजबूत बने हुए हैं। रोसो ने कहा कि आयात और निर्यात दोनों में साल-दर-साल बढ़ोतरी दिख रही है। 2025 के व्यापार आंकड़ों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर उच्च सिंगल-डिजिट ग्रोथ देखने को मिल सकती है। हालांकि, उन्होंने हाल के महीनों में भारतीय निर्यात में आई गिरावट की ओर भी इशारा किया। रोसो ने कृषि क्षेत्र को व्यापार समझौते में सबसे बड़ी अड़चन बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति भारत के बुनियादी कृषि उत्पादों तक पहुंच की मांग कर रहे हैं। यह भारत के लिए संवेदनशील मुद्दा है, क्योंकि देश में बड़ी संख्या में किसान हैं, जिनके पास वैकल्पिक रोजगार के सीमित अवसर हैं। ऐसे में बड़े स्तर पर उदारीकरण सामाजिक और राजनीतिक रूप से जोखिम भरा हो सकता है। भारत के पक्ष का समर्थन करते हुए रोसो ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था असमान है। जहां एक ओर सेवा क्षेत्र काफी उत्पादक है, वहीं कृषि क्षेत्र की उत्पादकता कम है। उन्होंने कहा कि सुधार धीरे-धीरे और संतुलित तरीके से होने चाहिए ताकि लोगों की जिंदगी पर अचानक नकारात्मक असर न पड़े। निवेश के मोर्चे पर रोसो ने भारत के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेक्टर में अमेरिका की अरबों डॉलर की प्रतिबद्धताओं को दीर्घकालिक सोच का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि भविष्य में दुनिया की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं होंगी और भारत उनमें से एक होगा। उनके अनुमान के मुताबिक, भारत मध्य सदी तक 20 से 25 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है और अमेरिका व चीन को सीधी चुनौती देगा।

सुधारों की बात करें तो रोसो ने कहा कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की शुरुआत धीमी रही, लेकिन हाल के महीनों में रफ्तार बढ़ी है। उन्होंने जीएसटी में बदलाव और बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति जैसे कदमों का जिक्र किया।

2026 की शुरुआत को लेकर रोसो ने कहा कि साल की पहली तिमाही बेहद अहम होगी। संभावित व्यापार समझौता, अमेरिकी राष्ट्रपति की भारत यात्रा, क्वाड नेताओं की बैठक और फरवरी में होने वाला एआई इम्पैक्ट समिट इस दिशा में निर्णायक साबित हो सकते हैं। साथ ही, भारत में होने वाले राज्य चुनाव भी सुधारों की गति को प्रभावित करेंगे। रोसो ने कहा कि पिछले 11 से 12 वर्षों में भारत ने सुरक्षा के मोर्चे पर खुद को काफी मजबूत किया है और अमेरिका के साथ सुरक्षा सहयोग भी गहरा हुआ है।

## इमरान खान की बहनों और समर्थकों को प्रदर्शन करना पड़ा भारी, आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत मामला दर्ज

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान पुलिस ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहनों और उनके दर्जनों समर्थकों के खिलाफ अडियाला जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन करने के लिए आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। इमरान खान की बहनों और उनके पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था। दरअसल, अधिकारियों ने जेल में बंद नेता के रिश्तेदारों और वकीलों को उनसे मिलने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। पुलिस के अनुसार, खान की दो बहनों अलीमा खान और नोरीन नियाजी के साथ-साथ सलमान अकरम राजा, नईम पंजोथा, कासिम खान, आलिया हमजा, राजा नासिर अब्बास नाम के पार्टी के नेताओं और समर्थकों के खिलाफ रावलपिंडी के सदर बेरोनी पुलिस स्टेशन में आतंकवाद विरोधी अधिनियम के प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने कथित तौर पर राज्य के खिलाफ आपराधिक साजिश रचने, पुलिसकर्मियों पर हमला करने और धारा 144 का उल्लंघन करने के आरोप में पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 120 भी लगाई। पुलिस के मुताबिक कल रात मौके पर ही कम से कम 14 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया था। एफआईआर में उल्लिखित अपराधों में शामिल अन्य लोगों को गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। अगस्त 2023 से जेल में बंद इमरान खान के खिलाफ अप्रैल 2022 में सत्ता से बेदखल होने के बाद से कई मामले दर्ज किए गए हैं। अधिकारियों ने खान से मुलाकातों पर बिना पूर्व सूचना के प्रतिबंध लगा दिए हैं। पुलिस का कहना है कि इस बहाने से कि आगंतुक ऐसी मुलाकातों का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए करते हैं। खान से आखिरी मुलाकात 2 दिसंबर को हुई थी, हाल ही में संयुक्त राष्ट्र का यातना मामलों की विशेषज्ञ ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में स्थिति पर चिंता जताई और पाकिस्तान सरकार से कहा कि वह तत्काल और प्रभावी कदम उठाए।

## चीन के सपने को अमेरिका का झटका, ताइवान को 10 अरब डॉलर के हथियार देने को मंजूरी

**बीजिंग, एजेंसी।** डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने चीन को करारा झटका दिया है। सालों से दोनों देशों के बीच ट्रेड वॉर की स्थिति है और अब रणनीतिक मोर्चे पर अमेरिका ने ऐसा कदम उठाया है कि चीन को मिर्ची लग सकती है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने उस ताइवान को 10 अरब डॉलर के हथियार बेचने को मंजूरी दी है, जिससे चीन का तनाव बना रहता है। चीन का ताइवान पर दावा रहा है, जबकि ताइवानी नेतृत्व का जोर स्वतंत्र देश पर है। ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन अकसर आमने-सामने आते रहे हैं। यही नहीं 2022 में अमेरिकी नेता नैन्सी पेलोसी भी ताइवान गई थीं और उस दौरान चीनी फाइटर जेट्स ने उनके विमानों का पीछा करने की कोशिश की थी। इससे काफी तनाव पैदा हो गया था। अमेरिका की ओर से मंजूरी किए गए पैकेज के तहत ताइवान को मध्यम दूरी की मिसाइलें दी जाएंगी। इसके अलावा होवित्जर तोपों और ड्रोन्स की भी बिक्री शामिल है। अमेरिकी विदेश विभाग ने बुधवार देर रात इन हथियार सौदों की घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित संबोधन के दौरान की। अपने भाषण में ट्रंप ने विदेश नीति के मुद्दों का बहुत कम उल्लेख किया और चीन के साथ व्यापार या अन्य मसलों पर कोई बात नहीं की। इन आठ हथियार बिक्री समझौतों में 82 उच्च गतिशीलता वाली तोपखाना रॉकेट प्रणाली (हिमार्स) और 420 सैन्य सामरिक मिसाइल प्रणाली शामिल हैं। ये वही प्रणालियां हैं जैसी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन के दौरान अमेरिका ने रूस के खिलाफ आत्मरक्षा के लिए यूक्रेन को प्रदान की थीं। इनकी कुल कीमत चार अरब डॉलर से अधिक बताई गई है। इसके अलावा इस पैकेज में 60 स्वचालित होवित्जर प्रणालियां और उनसे जुड़े उपकरण भी शामिल हैं, जिनकी कीमत भी चार अरब डॉलर से अधिक है। साथ ही ड्रोन की बिक्री लगभग एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य की बताई गई है। वहीं अन्य सौदों में एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य का सैन्य सॉफ्टवेयर, 70 करोड़ डॉलर से अधिक के जैवेलिन और टीओडब्ल्यू मिसाइल, 9.6 करोड़ डॉलर के हेलीकॉप्टर के पुर्जे और हार्पून मिसाइलों के लिए 9.1 करोड़ डॉलर की नवीनीकरण किट शामिल हैं।

## सुरक्षा उपायों के साथ चिकित्सीय आत्महत्या को मंजूरी, गवर्नर बोलीं- कुछ नियमों के साथ वैध बनाएंगे

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** अमेरिकी राज्य न्यूयॉर्क में सुरक्षा उपायों के साथ चिकित्सीय आत्महत्या को मंजूरी मिलने जा रही है। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होसुल ने बताया कि डॉक्टरों की देखरेख में गंभीर रूप से बीमार मरीजों को चिकित्सीय आत्महत्या करने को कानूनी वैधता देने पर सहमत बन गई है। अगले साल इस कानून पर हस्ताक्षर हो जाएंगे।

**अगले साल हस्ताक्षर के साथ बन जाएगा कानून :** गवर्नर ने कहा, न्यूयॉर्क 'सुरक्षा उपायों' के साथ मेडिकल सहायता से आत्महत्या को कानूनी बनाने जा रहा है। बुधवार को गवर्नर और राज्य के कानूनी जानकारों के बीच हुए एक समझौते के तहत, न्यूयॉर्क गंभीर रूप से बीमार लोगों के लिए मेडिकल सहायता से आत्महत्या को कानूनी बनाने वाला राज्य बनने जा रहा है। डेमोक्रेटिक गवर्नर कैथी होसुल ने बताया कि वह बिल में कई सुरक्षा उपायों को जोड़ने पर जोर देने के बाद अगले साल इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने की योजना बना रही हैं। अमेरिका में करीब एक दर्जन राज्यों में मेडिकल सहायता से आत्महत्या की अनुमति देने वाले कानून हैं। हाल ही में इलिनोइस राज्य में भी हाल ही में ऐसा कानून बना है, जिस पर अगले साल हस्ताक्षर होंगे। न्यूयॉर्क के मेडिकल एड इन डाइंग एक्ट के लिए यह जरूरी है कि एक गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति, जिसके छह महीने के भीतर मरने की उम्मीद है, वह जीवन समाप्त करने वाली दवाओं के लिए लिखित अनुरोध करे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि रोगी पर कोई दबाव नहीं डाला जा रहा है, दो गवाहों को अनुरोध पर हस्ताक्षर करने होंगे। इसके बाद अनुरोध को व्यक्ति के इलाज करने वाले डॉक्टर के साथ-साथ एक सलाहकार डॉक्टर द्वारा भी अनुमोदित किया जाना होगा।

**कुछ प्रावधानों को जोड़ने पर बनी सहमति :** गवर्नर ने कहा कि बिल के प्रायोजकों और कानूनी जानकारों ने ऐसे प्रावधान जोड़ने पर सहमति व्यक्त की है जिसमें एक मेडिकल डॉक्टर से पुष्टि की जरूरत होगी कि व्यक्ति के पास वास्तव में जीने के लिए छह महीने से कम समय बचा है, साथ ही एक मनोवैज्ञानिक या मनोचिकित्सक से पुष्टि की जाएगी कि रोगी निर्णय लेने में सक्षम है और उस पर कोई दबाव नहीं है। बुधवार को होसुल ने कहा कि इस बिल को सपोर्ट करना गवर्नर के तौर पर उनके सबसे मुश्किल फैसलों में से एक था। उन्होंने कहा, 'मैं कौन होती हूं जो आपको या आपके किसी अपने को, जो ज़िंदगी के आखिरी समय में जिस चीज की मांग रहे हैं, उसे देने से मना करूं? मैं अब ऐसा और नहीं कर सकती थी।' यह कानून पहली बार साल 2016 में पेश किया गया था।

## पुलित्जर विजेता पत्रकार पीटर अर्नेट का निधन, गोलियों और बमों के बीच दशकों तक की रिपोर्टिंग

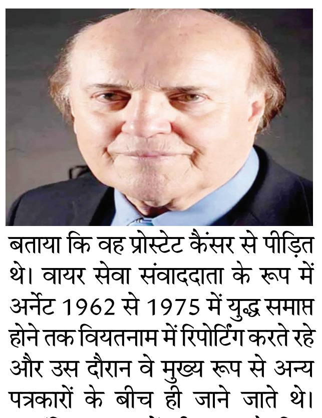

**लॉस एंजिलिस, एजेंसी।** वियतनाम के धान के खेतों से लेकर इराक के रेगिस्तानों तक युद्धों की प्रत्यक्ष रिपोर्टिंग दुनिया तक पहुंचाने वाले, गोलियों और बमों से बचते हुए दशकों तक काम करने वाले पुलित्जर पुरस्कार विजेता पत्रकार पीटर अर्नेट का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। एसोसिएटेड प्रेस के लिए वियतनाम युद्ध की रिपोर्टिंग पर 1966 में अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग का पुलित्जर पुरस्कार जीतने वाले अर्नेट का बुधवार को न्यूपोर्ट बीच में निधन हुआ। उनके बेटे एंड्रयू अर्नेट ने बताया कि उस समय वे दोस्तों और परिवार से घिरे हुए थे। उन्होंने अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके बेटे एंड्रयू अर्नेट ने बताया कि वह प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित थे। वायर सेवा संवाददाता के रूप में अर्नेट 1962 से 1975 में युद्ध समाप्त होने तक वियतनाम में रिपोर्टिंग करते रहे और उस दौरान वे मुख्य रूप से अन्य पत्रकारों के बीच ही जाने जाते थे। हालांकि 1991 में सीएनएन के लिए पहले खाड़ी युद्ध की लाइव रिपोर्टिंग करने के बाद वे आम लोगों के बीच भी एक जाना-पहचाना नाम बन गए। एडिथ लेडरर 1972-73 में वियतनाम युद्ध के दौरान उनकी साथी व एसोसिएटेड प्रेस की संवाददाता थीं। उन्होंने कहा, पीटर अर्नेट अपने समय के युद्ध कवर करने वाले महान संवाददाताओं में से एक थे। वह निडर, साहसी और बेहतरीन लेखक थे। उनकी रिपोर्टिंग आने वाली पीढ़ियों के पत्रकारों और इतिहासकारों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी। 1962 से 1975 तक अर्नेट वियतनाम में रिपोर्टिंग करते रहे। उन्होंने 1991 में पहले खाड़ी युद्ध के दौरान इराक से लाइव अपडेट देकर दुनियाभर में प्रसिद्धि हासिल की। अमेरिकी नेतृत्व वाले हमले से पहले अधिकांश पश्चिमी पत्रकार बगदाद छोड़ चुके थे, लेकिन अर्नेट वहीं रहे। मिसाइल हमलों के बीच उन्होंने अपने होटल से फोन से लाइव रिपोर्टिंग की। उन्होंने 1966 में अमेरिकी सैनिकों की बटालियन के साथ नॉर्थ वियतनामी स्नाइपरों के खिलाफ ऑपरेशन में भाग लिया। उन्होंने याद किया कि एक गोली बटालियन कमांडर को लगी, जो उनके सामने गिर गए। अर्नेट ने वियतनाम में काम करने से एक साल पहले एसोसिएटेड प्रेस में इंडोनेशिया के संवाददाता के रूप में अपनी नौकरी शुरू की थी। इंडोनेशिया की अर्थव्यवस्था पर रिपोर्ट करने के बाद उन्हें देश से निकाल दिया गया।

## वेनेजुएला के खिलाफ युद्ध पर अड़े ट्रंप, सैन्य कार्रवाई रोकने की अमेरिकी संसद की कोशिश भी बेकार

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। अमेरिका ने वेनेजुएला की घेराबंदी बढ़ा दी है, जिसके बाद वेनेजुएला ने अमेरिका पर युद्ध थोपने का आरोप लगाया। बुधवार को कुछ डेमोक्रट सांसदों ने अमेरिकी कांग्रेस में एक प्रस्ताव पेश किया गया, जिसमें वेनेजुएला के खिलाफ ट्रंप की सैन्य कार्रवाई को रोकने की मांग की गई थी, लेकिन सदन के रिपब्लिकन सांसदों ने इस प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया, जिसके बाद यह खारिज हो गया। डेमोक्रेट्स के समर्थन वाला प्रस्ताव खारिज ट्रंप ने दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला के खिलाफ कार्रवाई बढ़ा दी हैं। जिस पर कांग्रेस ने भी सवाल उठाया। अमेरिकी सेना कैसे एक अभियान चला रही है, जिसके तहत कैरेबियाई क्षेत्र में कथित तौर पर ड्रग्स ले जा रहे 26 जहाजों को निशाना बनाया गया है और बुधवार को हुए एक हमले सहित इन हमलों में कम से कम 99 लोगों की मौत हुई है। अमेरिका ने वेनेजुएला की घेराबंदी कर दी है और अपने युद्धपोतों को तैनात कर दिया है। डेमोक्रेट्स ने युद्ध शक्तियों के प्रस्तावों का इस्तेमाल करके वोटिंग करवाई। इस प्रस्ताव के तहत ट्रंप प्रशासन को वेनेजुएला के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने के लिए कांग्रेस की अनुमति लेना जरूरी हो जाता। रिपब्लिकन सांसदों ने ट्रंप के अभियान का समर्थन किया हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के शीर्ष डेमोक्रेट सांसद, ग्रेगरी मीक्स ने तर्क दिया कि वेनेजुएला के खिलाफ ट्रंप की आक्रामकता असल में इसलिए है क्योंकि राष्ट्रपति वेनेजुएला के तेल पर नजर गड़ाए हुए हैं। हालांकि रिपब्लिकन नेताओं ने ट्रंप के अभियान का लगातार समर्थन किया है। सीनेट के बहुमत दल के नेता जॉन थून ने बुधवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वे वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन चाहते हैं, और अगर ऐसा है तो मुझे निश्चित रूप से कोई समस्या नहीं है। मादुरो ने आरोप लगाया, 'अमेरिका, वेनेजुएला में लक्ष्य सत्ता परिवर्तन करके एक कठपुतली सरकार थोपना चाहता है जो 47 घंटे भी नहीं टिकेगी, जो संविधान, संप्रभुता और सारी संपत्ति सौंप देगी। इससे वेनेजुएला एक उपनिवेश बन जाएगा, लेकिन ऐसा कभी नहीं होगा।' वहीं मंगलवार को ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'वेनेजुएला के आसपास सैन्य तैनाती तब तक बढ़ेगी जब तक वेनेजुएला अमेरिका को तेल, ज़मीन और अन्य संपत्ति जो उन्होंने पहले हमसे चुराई थी, वापस नहीं कर देता।

## अमेरिकी सीनेटर ने भारत-चीन से आने वाली जेनेरिक दवाओं पर बढ़ती निर्भरता पर जताई चिंता

**वाशिंगटन , एजेंसी।** अमेरिका के एक सीनेटर ने भारत और चीन समेत दूसरे देशों में बनी जेनेरिक दवाओं पर बढ़ती निर्भरता को लेकर गंभीर चिंता जताई है। सीनेटर रिक स्कॉट का कहना है कि भारत और चीन से आने वाली जेनेरिक दवाएं पर बढ़ती निर्भरता अमेरिकी परिवारों के लिए खतरा बन सकती है। सीनेट की स्पेशल कमेटी ऑन एजिंग के अध्यक्ष सीनेटर रिक स्कॉट ने बुधवार (स्थानीय समय) को कहा कि अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली जेनेरिक दवाओं और उनके कच्चे रसायनों का बड़ा हिस्सा विदेशों में बनता है। यह स्थिति न सिर्फ सार्वजनिक स्वास्थ्य बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। रिक स्कॉट ने कहा, 'जो भी अमेरिकी दूसरे देशों में बनी जेनेरिक दवाओं पर निर्भर है, उसे अपनी दवाओं में छिपे इंग्रीडिएंट्स के बारे में जानने का हक है।' उनकी समिति अमेरिका की दवा आपूर्ति शृंखला में मौजूद कमजोरियों को उजागर करने के लिए एक बार फिर सक्रिय हुई है। सीनेटर स्कॉट इस मुद्दे पर समिति की वरिष्ठ सदस्य सीनेटर किर्स्टन गिलिब्रैंड के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इसके तहत कई जांच, सुनवाई और सरकारी एजेंसियों और उद्योग जगत के साथ संवाद किए गए हैं। सीनेटर स्कॉट के अनुसार, अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली जेनेरिक दवाओं में लगभग 80 प्रतिशत एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स (एपीआई) विदेशों से आते हैं। इनमें से कई दवाएं असुरक्षित और गंदी फैक्ट्रियों में तैयार की जाती हैं, जहां निरीक्षण बहुत कम होता है। कुछ मामलों में इन दवाओं से गंभीर स्वास्थ्य नुकसान होता है। उन्होंने कहा, 'ये दवाएं लोगों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकती हैं। इसके अलावा, विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता एक रणनीतिक कमजोरी भी है। 'स्कॉट ने चेतावनी दी कि चीन किसी भी समय दवाओं की आपूर्ति रोक सकता है, जिससे बुजुर्गों, सेना के जवानों और आम अमेरिकियों को जरूरी दवाएं नहीं मिल पाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही विदेशी फैक्ट्रियों में कुछ अचानक निरीक्षण किए जा रहे हों, लेकिन अमेरिकी एफडीए अमेरिका के बाहर स्थित दवा इकाइयों की तुलना में देश के भीतर कहीं ज्यादा निरीक्षण करता है। कई बार विदेशी कंपनियों को नियमों के उल्लंघन पर भी छूट दे दी जाती है ताकि सप्लाई चेन बाधित न हो। समिति की एक जांच रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिका में दवाओं का घरेलू उत्पादन तेजी से घटा है। वर्ष 2024 में अमेरिका ने अपनी जरूरत की सिर्फ 37 प्रतिशत दवाएं खुद बनाईं, जबकि 2002 में यह आंकड़ा 83 प्रतिशत था। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में इस्तेमाल होने वाले 95 प्रतिशत आइबुप्रोफेन, 70 प्रतिशत पैरासिटामोल और 45 प्रतिशत से अधिक पेनिसिलिन चीन से आते हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि दुनियाभर में एंटीबायोटिक दवाओं में इस्तेमाल होने वाले लगभग 90 प्रतिशत एपीआई चीन में बनते हैं। वहीं, अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली शीर्ष 100 जेनेरिक दवाओं में से 83 प्रतिशत के एपीआई का कोई भी स्रोत अमेरिका में नहीं है। भारत की भूमिका भी इस आपूर्ति शृंखला में अहम है। अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली लगभग 50 प्रतिशत जेनेरिक दवाएं भारत से आती हैं, लेकिन भारतीय कंपनियां भी अपने लगभग 80 प्रतिशत एपीआई के लिए चीन पर निर्भर हैं। समिति ने 2025 के एक अध्ययन का हवाला दिया, जिसमें कहा गया कि भारत में बनी जेनेरिक दवाओं से जुड़े गंभीर दुष्प्रभाव अमेरिका में बनी समान दवाओं की तुलना में 54 प्रतिशत अधिक पाए गए। इन दुष्प्रभावों में स्थायी विकलांगता या मौत जैसे जोखिम शामिल हैं। सीनेटर स्कॉट ने कहा कि अमेरिकियों को अपनी दवाओं की सुरक्षा और उपलब्धता को लेकर 'जुआ खेलने' के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने दवा प्रणाली में भरोसा बहाल करने के लिए तत्काल सुधारों की मांग की। समिति की रिपोर्ट में कई सुझाव दिए गए हैं, जिनमें जरूरी दवाओं के लिए अमेरिकी निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देने वाला फेडरल बायर मार्केट बनाना, दवा आपूर्ति शृंखला की मैपिंग, दवाओं के मूल देश की जानकारी अनिवार्य करना, व्यापारिक जांच जैसे सेक्शन 232 का इस्तेमाल, 'मेड इन अमेरिका' लेबल के दुरुपयोग को रोकना और अमेरिकी बायोटेक्नोलॉजी को बढ़ावा देना शामिल है।

# एक्सिस म्युचुअल फंड ने 'एक्सिस रिटायरमेंट सेविंग्स फंड' लॉन्च किया

भारत की अग्रणी परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों में से एक, एक्सिस म्युचुअल फंड ने अपना नया फंड-'एक्सिस रिटायरमेंट सेविंग्स फंड' लॉन्च किया। यह फंड ओपन-एंडेड रिटायरमेंट समाधान-आधारित स्कीम है, जिसकी लॉक-इन अवधि 5 वर्ष या रिटायरमेंट की उम्र (जो भी पहले हो) तक है। इस नए फंड ऑफर (एनएफओ) को 29 नवंबर, 2019 से 13 दिसंबर, 2019 तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा। रिटायरमेंट की प्लानिंग देश के कामकाजी आयुवर्ग वालों के लिए धीरे-धीरे एक प्रमुख समस्या बनती जा रही है, चूंकि उनके पास रिटायरमेंट के बाद लंबी जिंदगी जीने की चुनौती होती है। औपचारिक सामाजिक सुरक्षा और बदलती परंपरागत सहायक पारिवारिक संरचनाओं के मद्देनजर, यह चुनौती गंभीर बन जाती है। एक्सिस एएमसी द्वारा बाजार पर कराये गए एक अध्ययन के निष्कर्षों से इस स्थिति की पुष्टि हुई है। इस अध्ययन के दौरान विभिन्न पृष्ठभूमियों और अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों से संपर्क किया गया, जिनमें से सभी ने रिटायरमेंट को लेकर अपनी तैयारी से जुड़ी चिंताएं जाहिर की। लोग चाहते हैं कि रिटायरमेंट के बाद भी वो आत्मनिर्भर बने रहें और साथ ही, वो नहीं चाहते कि रिटायरमेंट के चलते उनकी जीवनशैली में कोई बदलाव आए। इन चुनौतियों को लेकर बढ़ती जागरूकता के साथ, लोगों को उनकी सहायता हेतु सही वित्तीय समाधान की जरूरत अधिकाधिक महसूस हो रही है। एक्सिस रिटायरमेंट सेविंग्स फंड को निवेशकों को उक्त सहायता हेतु विशिष्ट तरीके से डिजाइन किया गया है। इस फंड की कई विशेषताएं हैं, जैसे-लचीले जोखिम प्रोफाइल्स वाले अलग-अलग निवेश प्लान्स, विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में मजबूत फंड प्रबंधन क्षमताएं, कर पर छूट, रिटायरमेंट के बाद की आय के लिए फंड के उपयोग की छूट और साथ ही, निवेशकों के लिए जीवन सुरक्षा उपलब्ध है, ताकि उन्हें अनुशासित बने रहने हेतु प्रोत्साहित किया जा सके। एक्सिस रिटायरमेंट से विंग्सप्लान की लॉक-इन अवधि पांच साल या रिटायरमेंट की उम्र (जो भी पहले हो) तक है। निवेशकों की विभिन्न जोखिम प्रोफाइल्स को ध्यान में रखते हुए, इस फंड में तीन निवेश विकल्प हैं- एग्रेसिव प्लान जिसमें 65-80 प्रतिशत निधि इक्विटी में निवेश की जाएगी, डाइनैमिक प्लान जिसमें 65-100 प्रतिशत निधि को परिवर्तनात्मक तरीके से इक्विटी में निवेश किया जाएगा और कंजर्वेटिव प्लान 40-80 प्रतिशत डेब्ट में निवेश किया जाएगा। रिटायरमेंट फंड जैसे दीर्घकालिक समाधान उपलब्ध कराते समय, विभिन्न जोखिम प्रोफाइल्स के लिए अलग विकल्प होना आवश्यक है। इसका कारण यह है कि जोखिम प्रोफाइल उनकी उम्र और परिस्थिति के आधार पर बदलती रहती है।

### मुख्य बातें

- कामकाजी आयुवर्ग-जो रिटायरमेंट के बाद आत्मनिर्भर बने रहना चाहता है- के लिए रिटायरमेंट की प्लानिंग चुनौती बनती जा रही है।
- एक्सिस रिटायरमेंट सेविंग्स फंड को इस प्रकार से डिजाइन किया गया है, ताकि निवेशक दीर्घकालिक रिटायरमेंट प्लानिंग कर सकें।
- इस ओपन एंडेड फंड में निवेशकों की आयु व बदलती परिस्थितियों के आधार पर बदलती जोखिम प्रोफाइल्स के अनुरूप तीन अलग-अलग प्लांस हैं।
- आई-प्लससिप इंश्योरेंस दीर्घकालिकसिप निवेशकों की लंबितसिप प्रतिबद्धताओं के अनुरूप अनूठा नि:शुल्क जीवन सुरक्षा प्रदान करता है।
- एनएफओ की तिथि: 29 नवंबर से 13 दिसंबर, 2019 तक।

### आई- प्लससिप इंश्योरेंस

इस फंड की अनूठी एवं नई विशेषता यह है कि इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निवेशक का दीर्घ कालिक योजनाबद्ध निवेश अज्ञात जोखिम के शिकार न हों। आई-प्लससिप इंश्योरेंस निवेशकों को नि:शुल्क जीवन सुरक्षा प्रदानकरता है, जोकि उनके दीर्घकालिकसिप की शेष वचनबद्धता के बराबर है। इसकी इस खूबी के चलते, निवेशकों के मन को सुकून मिलेगा, क्योंकि वो अपने परिवार एवं आश्रितों को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक निवेश प्लान्स बनाते हैं। एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा यह इंश्योरेंस प्रदान किया जाएगा।

# 35 के बाद मां बनने पर शिशु को हो सकता है इस बड़ी बीमारी का खतरा

ज्यादा उम्र की महिलाओं से जन्मे लड़कों में दिल संबंधी बीमारियों का खतरा ज्यादा होता है। एक हालिया शोध में यह दावा किया गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज द्वारा किए गए शोध में पाया गया कि उम्रदराज माताओं के गर्भनाल में होने वाले बदलाव के कारण उनसे जन्मे लड़कों के स्वास्थ्य को आगे चलकर नुकसान पहुंच सकता है।

### बेटा होगा तो बढ़ेंगी मुश्किलें

**35 के बाद मां बनने से मुश्किल:** यह शोध चूहों पर किया गया और पाया गया कि 35 की उम्र के ऊपर मां बनने वाली महिलाओं के बेटों के साथ ऐसी समस्या हो सकती है। हालांकि, शोध में पाया गया कि देर से मां बनने वाली महिलाओं के बेटों को तो इसके नकारात्मक परिणाम भुगतने पें लेकिन बेटियों में ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला, बल्कि उनमें कुछ फायदा ही देखा गया। शोधकर्ताओं ने कहा कि माताओं की उम्र ज्यादा होने से गर्भनाल द्वारा बच्चे तक पोषण और ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता कम हो जाती है। पहली गर्भावस्था की उम्र बती जा रही है- शोधकर्ता डॉक्टर अमांडा पेरी ने कहा, महिलाओं में पहली गर्भावस्था की औसत आयु दिनों-दिन बती जा रही है, इसलिए यह समझना जरूरी है कि ज्यादा उम्र में मां बनने वाली महिलाओं के बच्चों में वयस्क होने पर किस तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

शोधकर्ताओं ने कहा कि मां को गर्भ में पल रहे बच्चे से जोने वाली गर्भनाल बेहद गतिशील होती है। महिलाओं की उम्र बने से होने वाले जेनेटिक बदलावों के कारण गर्भनाल के कार्य करने की क्षमता भी प्रभावित होती है। बढ़ती उम्र में पोषण का बंटवारा करना मुश्किल होता है।

शोधकर्ता डॉक्टर टीना नापसो ने कहा कि, ज्यादा उम्र में गर्भधारण करना मां के लिए काफी महंगा साबित होता है क्योंकि उसके शरीर के लिए बच्चों के साथ पोषण का बंटवारा करना थोा मुश्किल हो जाता है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि शोध के दौरान देखा गया कि उम्रदराज मां और मादा भ्रूण के मामले में गर्भनाल फायदे देता हुए पाया गया। इस दौरान गर्भनाल में सकारात्मक बदलाव देखे गए जो भ्रूण के विकास को ज्यादा फायदा पहुंचाते हैं।

वहीं शोध में पता चला कि नर भ्रूण के मामले में उम्रदराज माताओं का गर्भनाल कमजोर हो जाता है और ठीक से अपना काम नहीं कर पाता।

## मसाला दलिया

### सामग्री

- 1 कप भुना हुआ दलिया
- 1 हरी मिर्च
- 1 प्याज
- 1 कप लौकी
- 1 चम्मच सरसों के बीज
- हल्दी पाउडर
- 1 बड़ा चम्मच घी
- 1 कप कटी हुई गाजर
- 1/2 कप शिमला मिर्च
- 1 छोटा चम्मच हल्दी
- 1/2 कप कटे हुए टमाटर
- ½ कप हरी मटर
- ½ कप स्वीट कॉर्न
- ½ टीस्पून काली मिर्च पाउडर
- 1 नींबू का रस
- नमक स्वाद अनुसार
- अनार के बीज और धनिया पत्ती गार्निशिंग के लिए

### विधि

सबसे पहले एक पैन में घी गर्म करें। अब इसमें राई और प्याज डाल दें। प्याज को गोल्डन ब्राउन होने के बाद भूने। इसके बाद इसमें हरी मिर्च, लौकी, कॉर्न्स, गाजर, शिमला मिर्च और मटर डालकर भूनें। अब पैन में टमाटर डालें। इसके बाद पैन में नमक, काली मिर्च और हल्दी पाउडर डालकर पैन को 3-4 मिनट के लिए ढक दें। थोड़ी देर बाद सब्जियों को अच्छी तरह से मिला लें। अब पैन में डालिया और पानी डालकर पैन को दोबारा ढक दें। दलिया को समय-समय पर चेक करते रहे। एक बार दलिया पकने के बाद गैस को बंद करके दलिया में नींबू का रस मिलाकर उसे गर्मा-गर्म प्लेट में अनार के दानों और धनिया पत्ती से गार्निश करके सर्व करें।

## मसाला बनाना करी

### सामग्री

- 2 कच्चे केले
- नमक
- 1/4 टीस्पून हल्दी
- 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर
- 1 टेबलस्पून अदरक का पेस्ट, तेल
- बारीक कटा प्याज और टमाटर
- चुटकी भर मेथी दाना और सौंफ
- करी पत्ते
- 2 टेबलस्पून लहसून का पेस्ट
- 2 टेबलस्पून धनिया व जीरा पाउडर
- 2 टेबलस्पून इमली का पल्प

### विधि

छिले हुए केलों को मोटे और गोल टुकड़ों में काट लें। उन पर नमक, हल्दी पाउडर, 1/2 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर और आधा अदरक का पेस्ट अच्छी तरह मिला लें। एख नॉनस्टिक पैन में तेल गर्म कर केले के स्लाइसेज भूनें। एक कड़ाही में मेथी दाना, सौंफ, करी पत्ते और प्याज भूनें। बचा हुआ अदरक का पेस्ट, लहुसन का पेस्ट और टमाटर उसमें मिला लें। केलों पर थोड़ा पानी छिड़कें और ढककर पकने दें। अब हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर और लाल मिर्च पाउडर मिलाएं। उसमें आधा कप पानी और नमक मिलाने के बाद केले के टुकड़े और इमली का पल्प मिलाएं। आंच धीमी कर थोड़ा और पानी डालकर कड़ाही ढक दें। 1-2 मिनट तक पकाने के बाद गरमागरम सर्व करें।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

**मिथुन** (का की कू घ ड छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

## काकुरो पहेली - 2682

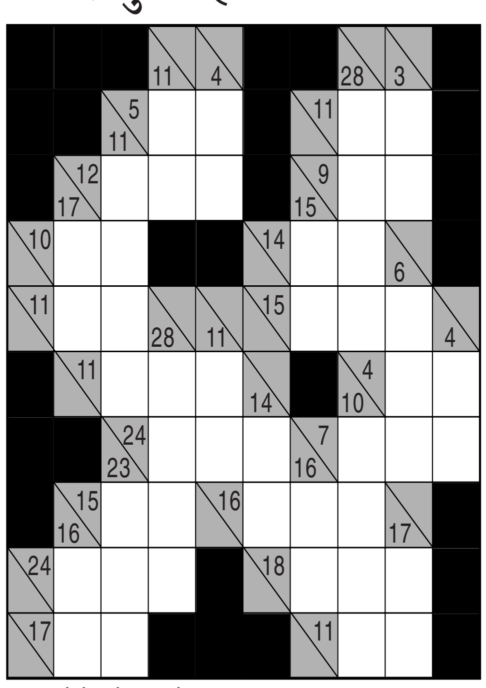

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

**उदाहरणत:**

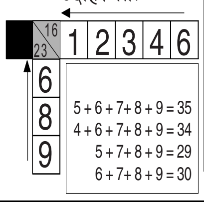


### काकुरो - 2681 का हल

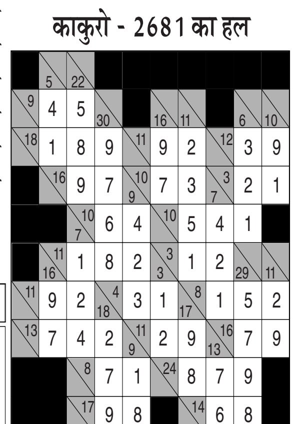

## हंसी के फूव्वारें

एक हीरो का जब बुरा समय आया तो एक होटल में बैरागिरी करने लगा. एक दिन उसका दोस्त उस होटल में खाना खाने पहुंचा. जब उसने हीरो को वहां वेटर के रूप में देखा तो उसने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा-'अरे! तुम ऐसे मामूली होटल में बैरागिरी कर रहे हो ?'

'हां !' हीरो शान्त स्वर में बोला-'सब समय की बात है. फिर भी अभी ऐसी हालत नहीं हुई कि इस होटल में खाना खाना पड़े.'

□ □ □

एक अधिकारी ने कागजी कार्यवाही के दौरान अपने पास बैठे एक आदमी से पूछा-'आपकी राष्ट्रीयता तो भारतीय है ना!'

'जी नहीं !'

'फिर ?'

'मेरे मां और बाप दोनों अंग्रेज थे, इसलिए मेरी राष्ट्रीयता अंग्रेजी है.'

'मगर आप पैदा तो भारत में हुए थे.'

'तो क्या हुआ!' वह आदमी कड़क आवाज में बोला-'आपकी कुतिया यदि घुड़साल में जाकर पिल्ला दे तो क्या आप उसे घोड़ा मान लेंगे ?'

□ □ □

बेटा-'पापा मुझे तीन विषयों में एक समान अंक मिले हैं.'

पिता-कितने अंक मिले हैं.

बेटा-'शून्य,शून्य,शून्य !'

□ □ □

## फिल्म वर्ग पहेली-2682

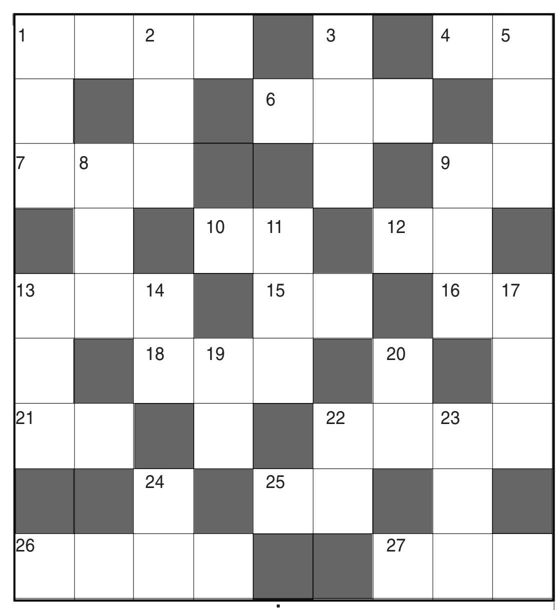

**बायें से दायें:-**

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की 'होरी खेले' गीत वाली फिल्म-४
४. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली अमिताभ, जैकी श्रॉफ, मधु सप्रे, कैटरीना कैफ, जीनत, सीमा की फिल्म-२
६. सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे की 'तुम से मिलने को' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चढ़ गया ऊपर रे' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
९. अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१२. बलराज साहनी, नूतन की 'तु प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मेरी पैंट भी सैक्सी' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, पुजा, सोनाली की 'तुम आये तो' गीत वालीफिल्म-२
१६. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
१८. अजय, अभिषेक, बिपाशा की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
२१. अमिताभ वाली फिल्म 'याराना' की नायिका कौन थी-२
२२. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी की फिल्म-४
२५. धर्मेन्द्र, हेमा की 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'अल्हड़ मस्त जवानी' गीत वाली अजय देवगन, ग्रेसी सिंह की फिल्म-४
२७. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'जब दिल चुराये' गीत वाली फिल्म-२

**ऊपर से नीचे:-**

१. अक्षय, रवीना की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
२. 'ऑखों के रस्ते' गीत वाली बॉबी देओल रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. गोविंदा, करिश्मा की 'तुमसा कोई प्यारा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'चुपके से दिल' गीत वाली राजकुमार, राजेश खन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
८. अनिल कपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'लड़की है क्या' गीत वाली फिल्म-३
९. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-३
११. संजय, सलमान, माधुरी की 'जियें तो जियें' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'बन्नो तेरी आँखियाँ' गीत वाली सनी, जैकी, मनीषा की फिल्म-३
१४. डिनो, बिपाशा की 'कितना प्यारा है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'रहें ना रहें हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-३
१९. 'मैं चुप रहूँगी' में सुनीलदत्त के साथ नायिका कौन थी ?-२
२०. फिल्म 'करीब' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी ?-२
२२. आफताब, उर्मिला की 'सुना था देखा ना था' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
२४. जाकिर, शबाना, अरूणा की 'बादल चाँदी बरसाये' गीत वाली फिल्म-२

### फिल्म वर्ग पहेली- 2681

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ऐ | त | बा | र | | जु | र्म | | जी | |
| त | | द | | क | र्मा | | घा | त | क |
| रा | हु | ल | | री | ना | रा | य | | र्म |
| ज | | | हि | ना | | जा | ल | | यो |
| | फ | की | रा | | शी | बा | | बा | गी |
| क | र्ज | | स | नी | | बू | म | | |
| र | | शी | त | ल | | | हा | सि | ल |
| म | हा | न | | क | न्या | दा | न | | व |
| | द | | ना | म | | दा | ता | | स्टो |
| सं | सा | र | | ल | की | | | नू | री |

## सूडोकु -2682

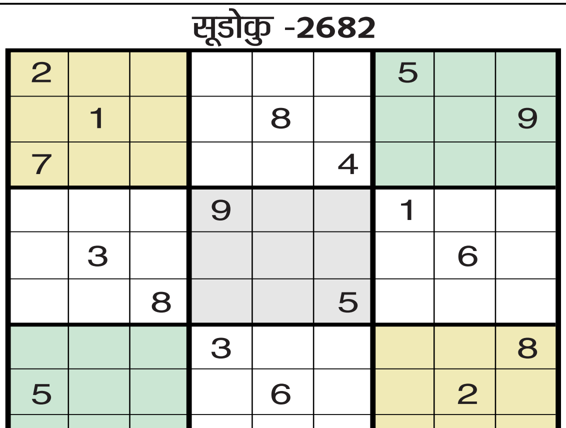

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु -2681 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 3 | 6 | 8 | 5 | 1 | 4 | 9 | 7 |
| 9 | 4 | 5 | 7 | 6 | 3 | 8 | 2 | 1 |
| 1 | 7 | 8 | 2 | 9 | 4 | 6 | 5 | 3 |
| 3 | 1 | 9 | 6 | 7 | 2 | 5 | 4 | 8 |
| 5 | 6 | 2 | 1 | 4 | 8 | 3 | 7 | 9 |
| 7 | 8 | 4 | 5 | 3 | 9 | 1 | 6 | 2 |
| 4 | 9 | 1 | 3 | 2 | 5 | 7 | 8 | 6 |
| 8 | 2 | 7 | 4 | 1 | 6 | 9 | 3 | 5 |
| 6 | 5 | 3 | 9 | 8 | 7 | 2 | 1 | 4 |

## शब्द पहेली - 2682

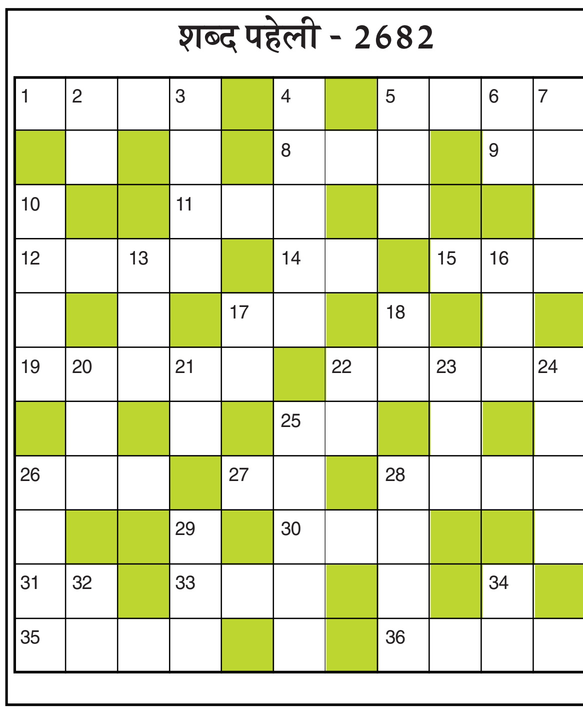

**बाएँ से दाएँ**

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

**ऊपर से नीचे**

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

### शब्द पहेली -2681 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | सो | नि | या | गां | धी | | म | हा | न | ता |
| खा | ना | | प | | र | क्ष | क | | म | ल |
| ना | | म | न | सि | ज | | र | ग | | मे |
| ब | ला | त | | | वा | दा | | म | ह | ल |
| दो | | दा | | क | ला | | आ | | व | |
| श | य | न | क | क्ष | | दि | शा | ही | न | ता |
| | म | | प | | ह | ल | | न | | क |
| का | ज | ल | | शा | म | | | त | ह | त |
| म | | त | य | | व | फा | दा | र | | व |
| चो | र | | की | म | त | | म | | का | र |
| र | म | जा | न | | न | य | न | ज | ल | |

## कैरेबियाई देश त्रिनिदाद और टोबैगो में बनेगा रामलला का भव्य मंदिर

**एजेंसी**
**अयोध्या।** अयोध्या के बाद कैरेबियन के दक्षिणी द्वीपीय देश त्रिनिदाद और टोबैगो में अब मिनी अयोध्या के रूप में बसा कर भव्य राम मंदिर का निर्माण किया जाएगा। यह जानकारी जयपुर फुट यूएसए के चेयरमैन और एनआरआई प्रेम भंडारी ने यहां मीडिया को दी। एनआरआई प्रेम भंडारी रामलला के दर्शन-पूजन के लिए अयोध्या पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि त्रिनिदाद में बनने वाले राम मंदिर के लिए अयोध्या में विराजमान रामलला की प्रतिमा से मिलती-जुलती होगी प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसके लिए प्रभु श्रीराम की प्रतिमा पहले ही वहां पहुंच चुकी है। उन्होंने बताया कि मंदिर उत्तरी अमेरिका और कैरेबियाई देशों में रहने वाले राम भक्तों के लिए आध्यात्मिक केंद्र बनेगा। निर्माण परियोजना स्थानीय सरकार के सहयोग से संचालित होगी, जिसमें लगभग 40 हिंदू संगठन सहभागी हैं। मंदिर परिसर को 'मिनी अयोध्या' के रूप में विकसित कर भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा को वैश्विक पहचान दी जाएगी।

## छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में बीएसएफ ने जवान की आत्महत्या

**नारायणपुर/रायपुर।** छत्तीसगढ़ के माओवादी हिंसा प्रभावित नारायणपुर जिले में नक्सल मोर्चे पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान ने आज गोली मारकर आत्महत्या कर ली। जवान सोनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत होरादी स्थित बीएसएफकैंप में पदस्थ था। नारायणपुर एसपी रॉबिंसन गुड़िया ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है, इस मामले में जांच की जा रही है। मृतक जवान का नाम सचिन कुमार है। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश का निवासी था। नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक रॉबिंसन ने बताया कि आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है और पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर किसी साजिश या बाहरी कारण की पुष्टि नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

## एआई से होगी मैथन और पंचेत डैम की सुरक्षा, जर्मनी और कनाडा की टीम ने किया सर्वे

**आसनसोल।** पश्चिम बंगाल और झारखंड की सीमा पर दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी) का मैथन डैम पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र है। यहां सालभर पर्यटकों का आना-जाना लगा रहता है। खासकर दिसंबर और जनवरी में पिकनिक सीजन के दौरान पर्यटकों की संख्या काफी बढ़ जाती है। ऐसे में मैथन डैम की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बन जाती है। मैथन डैम की सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के पास है। अब आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के माध्यम से डैम की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। डीवीसी के चेयरमैन एस. सुरेश कुमार के निर्देश पर कनाडा और जर्मनी की छह सदस्यीय टीम बुधवार को मैथन पहुंची है और आधुनिक एआई तकनीक से डैम की संरचनात्मक सुरक्षा का ड्रोन के जरिए सर्वे शुरू किया। जर्मनी की एरियल इंटेलिजेंस कंपनी और कनाडा की निरीक्षण सॉफ्टवेयर कंपनी की टीम ने एआई तकनीक से लैस आधा दर्जन से अधिक ड्रोन कैमरों की मदद से मैथन डैम के चारों ओर जाकर सुरक्षा जांच शुरू की। इस दौरान यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि डैम की संरचना में कहीं कोई दरार या कमजोरी तो नहीं है। साथ ही भविष्य में डैम को बेहतर स्थिति में बनाए रखने और किन-किन स्थानों पर सुधार की आवश्यकता है, इसका भी आंकलन किया जा रहा है। इस टीम में भारत के एआई विशेषज्ञ भी शामिल हैं। मौके पर मौजूद कनाडा से आए सर्वेयर टर्नर गुलिकसन ने बताया कि डीवीसी ने उन्हें मैथन डैम के साथ-साथ पंचेत और कोनार डैम की सुरक्षा जांच का कार्य सौंपा है। पहले दिन मैथन डैम से सर्वे का कार्य शुरू किया गया है। इसके बाद पंचेत और कोनार डैम का भी सर्वे किया जाएगा।

## कलकत्ता हाई कोर्ट ने खारिज की बाबरी मस्जिद निर्माण को चुनौती देने वाली जनहित याचिका

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा बाबरी मस्जिद बनाने के फैसले को चुनौती देते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय में दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया गया है। उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पाल और न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन की खंडपीठ ने यह मामला खारिज कर दिया। दोनों न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि इस मामले की कोई स्वीकार्यता नहीं है। तृणमूल कांग्रेस से निलंबित और भरतपुर के विधायक हुमायूं कबीर ने जिला प्रशासन की अनुमति के बिना बेलडांगा में बाबरी मस्जिद का काम शुरू कर दिया था। इसी आरोप के साथ हाल ही में उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई थी। उच्च न्यायालय ने उस मामले को खारिज कर दिया। दोनों न्यायाधीशों की पीठ का तर्क था कि किसी व्यक्ति द्वारा दायर इस तरह के मामले की स्वीकार्यता नहीं है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी थी कि जहां मस्जिद निर्माण की बात कही गई है, वह कोई सरकारी जमीन नहीं है। यह एक ट्रस्ट की जमीन है। इसलिए वहां निर्माण कार्य पर आपत्ति निराधार है। इसके अलावा, अदालत के अनुसार, मामला त्रुटिपूर्ण है। इसलिए इस संबंध में कोई भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

# पहले मजदूरों का पैसा लूटा जाता था, आज सीधे अकाउंट में आती है रकमः गिरिराज सिंह

**एजेंसी**
**पटना।** केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि केंद्र सरकार की तरफ से 'मनरेगा' योजना का नाम बदलने को लेकर विपक्ष की तरफ से उठाए जा रहे सवालों का जवाब दिया। उन्होंने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा कि जो लोग मनरेगा योजना का नाम बदलने पर सवाल उठा रहे हैं, ऐसे लोगों को यह समझना चाहिए कि पहले इसका बजट सिर्फ 33 हजार करोड़ रुपए था, इसकी वजह से कुछ चुनिंदा लोगों को ही इसका फायदा मिल पाता था, लेकिन आज हमारी सरकार ने इसके बजट को बढ़ाया है। इस वजह से बड़ी संख्या में श्रमिकों को फायदा मिल रहा है। हमारी सरकार समाज में अंतिम पंक्ति तक बैठे व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए काम करती है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि पहले मजदूरों को मिलने वाला पैसा बीच में खा लिया

जाता था, लेकिन आज की तारीख में हमारी सरकार में सबसे पहले यह सुनिश्चित किया जाता है कि हर हाल में मजदूरों को उनका पैसा मिले। उनके हितों पर हमारी सरकार किसी भी प्रकार का कुठाराघात नहीं कर रही है। हमारी सरकार ने हमेशा से ही मजदूरों के कल्याण को प्राथमिकता दी है। अब योजना का नाम जी राम जी हो रहेगा। इसमें किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया जाएगा। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मिली धमकी पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश ने कोई गलत काम नहीं किया है। उन्होंने एक कार्यक्रम में नियुक्ति पत्र देने से पहले सिर्फ यही सुनिश्चित करना का प्रयास किया कि नियुक्ति पत्र सही व्यक्ति को मिल रहा है कि नहीं। अब यह कोई इस्लामिक देश है क्या? किसी भी व्यक्ति का कोई दस्तावेज या कोई प्रमाण पत्र देने से पहले ये तो जरूर सुनिश्चित करेंगे कि वो सही व्यक्ति को मिले। यही काम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया। ऐसे में उन पर किसी भी प्रकार का सवाल उठाने की कोई स्थिति पैदा ही नहीं होती। समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय ने जी राम जी योजना पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले दो तरह के समूह हमारे देश में थे। एक वो जो आजादी का विरोध कर रहे थे और दूसरे वो जो आजादी का समर्थन कर रहे थे, लेकिन स्थिति कुछ इस तरह की पैदा हो गई कि आजादी का विरोध करने वाले लोग सत्ता में आ पहुंचे। खैर, आज की तारीख में इन लोगों ने यह उजागर कर दिया कि इन्हें महात्मा गांधी से कितनी नफरत है। ऐसे लोगों को जरा यह बात समझ लेनी चाहिए कि ये लोग अपनी तरफ से जितनी मर्जी चाहे, उतनी नफरत गांधीजी से कर लें।

## महाराष्ट्र आवास घोटाला मामले में दोषी मंत्री माणिक राव कोकाटे का इस्तीफा मंजूर

**एजेंसी**
**मुंबई।** महाराष्ट्र में आवास घोटाला मामले में दोषी पाए गए मंत्री माणिक राव कोकाटे का इस्तीफा उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने मंजूर कर लिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पास इसे आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया है। अब इस मामले में कोकाटे की गिरफ्तारी का रास्ता साफ हो गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री रावसाहब दानवे ने कहा कि अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद माणिकराव ने आज सुबह ही अपना इस्तीफा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा एपी) गुट के अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार को सौंप दिया था। अजीत पवार ने आज शाम को माणिकराव का इस्तीफा मंजूर किया और आगे की कार्रवाई के लिए इस्तीफे को मुख्यमंत्री फडणवीस के पास भेज दिया है। इस पर आगे की प्रक्रिया जारी है। रावसाहब दानवे ने कहा कि हमारी पार्टी नियमों के तहत काम करती है। इससे पहले नवाब मलिक और अरविंद केजरीवाल ने अपने पद का इस्तीफा जेल में जाने के बाद भी नहीं दिया था। उल्लेखनीय है कि माणिक राव कोकाटे को नासिक जिला सत्र न्यायालय ने सरकारी आवास घोटाला मामले में दोषी ठहराते हुए दो साल की सजा और दस हजार रुपये का जुर्माना देने का आदेश दिया था। कोकाटे को गिरफ्तार करने के लिए जिला न्यायालय ने गैर जमानती वारंट भी जारी किया था। इसे देखते हुए बुधवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कोकाटे के पास से खेल विभाग वापस लेकर उसे उपमुख्यमंत्री अजीत पवार को सौंप दिया था। इसी बीच कोकाटे के वकील ने बुंबई उच्च न्यायालय में भी याचिका दाखिल की, जिसमें निचली अदालत के फैसले पर रोक लगाने की और अग्रिम जमानत की मांग की गई थी।

## शांति विधेयक देश में शांति नहीं, परमाणु खतरा बढ़ाएगाः पी. विल्सन

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** राज्य सभा में सस्टेनेबल हार्नेसिंग ऑफ एटोमिक एनर्जी फॉर ट्रांसफॉरमेशन (शांति) विधेयक पर चर्चा के दौरान डीएमके के सांसद पी विल्सन ने कहा कि नाम भले ही इस विधेयक का शांति हो, लेकिन यह बिल देश में शांति नहीं लाएगा, बल्कि परमाणु खतरा बढ़ाएगा।

सांसद ने आरोप लगाया कि यह बिल परमाणु ऊर्जा जैसे बेहद संवेदनशील क्षेत्र को निजी कंपनियों के हाथों में सौंपने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी संप्रभु जिम्मेदारी से पीछे हट रही है और निजी कंपनियों को परमाणु खनन, रिएक्टर संचालन और रेडियोधर्मी कचरे तक का अधिकार देने जा रही है। उन्होंने बताया कि बिल में ऐसा प्रावधान है जिससे एक ही कंपनी को पूरे परमाणु ईंधन चक्र का लाइसेंस मिल सकता है। इससे शक्ति का खतरनाक केंद्रीकरण होगा और अगर एक भी चूक हुई तो देश को भारी नुकसान हो सकता है। सांसद ने चेतावनी दी कि परमाणु ऊर्जा हवाई अड्डे या बंदरगाह जैसी सामान्य परियोजना नहीं है। इसमें यूरेनियम, प्लूटोनियम और रेडियोधर्मी कचरा शामिल होता है, जो पीढ़ियों तक

नुकसान पहुंचा सकता है। चेरनोबिल और फुकुशिमा जैसी घटनाओं का उदाहरण देते हुए पी. विल्सन ने कहा कि एक छोटी गलती भी बड़ी तबाही बन सकती है।

उन्होंने यह भी कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़, चक्रवात और गर्मी बढ़ रही है, जिससे परमाणु संयंत्र और ज्यादा असुरक्षित हो गए हैं। इसके बावजूद सरकार बिना ठोस सुरक्षा व्यवस्था के विस्तार करना चाहती है। सबसे गंभीर आरोप यह लगाया गया कि इस बिल में निजी कंपनियों की जिम्मेदारी बहुत कम रखी गई है। बड़े परमाणु हादसे की स्थिति में कंपनियों पर सिर्फ 3,000 करोड़ रुपये तक की जिम्मेदारी होगी, जबकि बाकी नुकसान सरकार और टैक्स देने वाले लोगों को उठाना पड़ेगा। उन्होंने मांग की कि शांति बिल 2025 को मौजूदा रूप में खारिज किया जाए या इसे सेलेक्ट कमेटी या संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी ) को भेजा जाए, ताकि इस पर दोबारा गंभीर विचार हो सके।

## टेक्नोलॉजी और मार्केट की बारीकियां सीखकर बिजनेस वूमन बनेंगी ग्रामीण महिलाएं

**एजेंसी**
**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य से आजीविका-केंद्रित तकनीकों पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सरकारी मिशन, तकनीक विकसित करने वाली संस्थाओं, महिला उद्यमियों और विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य यह समझना था कि किस प्रकार व्यवहारिक और नवाचारी तकनीकी समाधान उत्तर प्रदेश में महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों को मजबूत बना सकते हैं। यह कार्यक्रम उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत साइंस फॉर इक्विटी, एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट डिवीजन, डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स और विज्ञान आश्रम के सहयोग से आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य से आजीविका-केंद्रित तकनीकों पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सरकारी मिशन, तकनीक विकसित करने वाली संस्थाओं, महिला उद्यमियों

और विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य यह समझना था कि किस प्रकार व्यवहारिक और नवाचारी तकनीकी समाधान उत्तर प्रदेश में महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों को मजबूत बना सकते हैं। यह कार्यक्रम उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत साइंस फॉर इक्विटी, एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट डिवीजन, डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स और विज्ञान आश्रम के सहयोग से आयोजित किया गया। प्रदर्शनी में सरदार पटेल नवीकरणीय ऊर्जा अनुसंधान संस्थान ने बायोमास कुकस्टोव और सोलर फ्रिज, आईआईटी बॉम्बे- RuTAG ने सोलर हाइड्रो डिस्टिलर, RuKart ने सब्जी कूलर, किसान धरमबीर ने मल्टी-पर्पज फूड प्रोसेसर तकनीक का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मिशन निदेशक दीपा रंजन ने महिला उद्यमियों से बातचीत की।

# यूपी के युवाओं को नए साल की सौगात, 1.50 लाख सरकारी नौकरी का रास्ता साफ

**एजेंसरी**
**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सरकार राज्य के युवाओं को अगले साल बड़ा तोहफा देने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों से विभागवार सरकारी नौकरी के खाली पदों की डिटेल मांगी थी, ताकि खाली पदों पर नियुक्ति की जा सके। सीएम योगी ने समीक्षा के बाद वर्ष 2026 में प्रदेश के युवाओं को डेढ़ लाख सरकारी नौकरी देने की अनुमति दे दी है। ये नौकरियां पुलिस, शिक्षा, राजस्व, आवास विकास समेत प्रदेश के विभिन्न विभागों में दी जाएंगी। इसमें सबसे अधिक पुलिस और शिक्षा विभाग में भर्तियां होंगी। इसी के साथ 2026 में योगी सरकार के नाम सबसे अधिक सरकारी नौकरी देने का रिकॉर्ड भी दर्ज हो जाएगा। योगी सरकार प्रदेश में पहली सरकार होगी, जिसने दस वर्षों में दस लाख सरकारी नौकरी देने की

सौगात दी। यूपी सरकार ने पिछले साढ़े आठ वर्षों में प्रदेश के युवाओं को विभिन्न विभागों में साढ़े आठ लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी हैं। ये सभी भर्तियां पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से हुईं। इससे प्रदेश के युवाओं का योगी सरकार पर भरोसा मजबूत हुआ है। पहले की सरकारों में उत्तर प्रदेश में सरकारी भर्तियों में पारदर्शी माहौल नहीं था। सीएम योगी ने हाल ही में उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सीएम योगी ने प्रदेश के विभिन्न विभागों के खाली पदों की जानकारी मांगी। सूत्रों की मानें तो योगी सरकार वर्ष 2026 में पुलिस और शिक्षा विभाग में करीब 50-50 हजार पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी करेगी। इसके साथ ही राजस्व में 20 हजार पदों पर भर्ती करेगी, जबकि कारागार, आवास विकास, बाल विकास पुष्टाहार और स्वास्थ्य विभाग में खाली पदों पर भी भर्ती करेगी। अलग-अलग विभागों में भर्ती प्रक्रिया के विज्ञापन जारी करने का काम अंतिम चरण में है। कुछ विभागों में भर्ती प्रक्रिया शुरू भी हो चुकी है। प्रस्तावित भर्तियों की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगले साल तक योगी सरकार पहली सरकार बन जाएगी जिसने दस साल में रिकॉर्ड दस लाख सरकारी नौकरियां दीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश के ज्यादा से ज्यादा युवाओं को पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरी देने के लिए पुलिस विभाग में अब तक 2.19 लाख पदों पर भर्ती की गयी है। इसी क्रम में सीएम योगी के निर्देश पर वर्ष 2026 में पुलिस विभाग की ओर से करीब 50 हजार पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया जाएगा। इसको लेकर अंतिम तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। वर्ष 2026 में पुलिस विभाग द्वारा 30 हजार आरक्षी और 5 हजार सब इंस्पेक्टर के पदों पर भर्ती की जाएगी।

## संघ शताब्दी वर्ष : उत्तर बंगाल में युवाओं से मिले मोहन भागवत, वैभवशाली राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य पर मंथन

**एजेंसी**
**सिलीगुड़ी।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत संघ के शताब्दी वर्ष पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सिलीगुड़ी पहुंच गए। इस दौरे के तहत उत्तर बंगाल में दो दिवसीय विभिन्न संगठनात्मक और वैचारिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें युवाओं और समाज के विशिष्ट वर्ग के लोगों के साथ वैभवशाली राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य पर मंथन शामिल है। मोहन भागवत बुधवार दोपहर को सिलीगुड़ी पहुंचे थे। यहां से वह सीधे माटीगाड़ा रवाना हो गए। इस दौरान उनके साथ के उत्तर बंगाल के प्रांतीय पदाधिकारी भी मौजूद रहें। संघ के प्रांतीय पदाधिकारियों के अनुसार अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान वह संघ के विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इस दौरान युवाओं और बुद्धिजीवियों के साथ वैभवशाली राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य पर मंथन करेंगे। संघ के शताब्दी वर्षकार्यक्रम के मद्देनजर गुरुवार सुबह सेवक रोड स्थित शारदा स्कूल के शताब्दी सदन में उत्तर बंगाल प्रांत के युवाओं का एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन में लगभग पांच से सात हजार युवा स्वयंसेवकों की सहभागिता रही। इस दौरान संघ प्रमुख ने युवाओं को संगठनात्मक अनुशासन, सामाजिक दायित्व और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका को लेकर संबोधित किया। वहीं, कार्यक्रम के दूसरे दिन संघ प्रमुख उत्तर बंगाल के विभिन्न हिस्सों से आमंत्रित लगभग 200 विशिष्ट व्यक्तियों से मुलाकात करेंगे। इनमें संघ और समाज से जुड़े बुद्धिजीवी, शिक्षाविद, चिकित्सक, अधिवक्ता, लेखक तथा विभिन्न समुदाय के बुद्धिजीवी शामिल हैं।

## त्रिपुरा टूरिज्म प्रतिनिधमंडल ने समझी मप्र पर्यटन विकास निगम की कार्यप्रणाली

**एजेंसी**
**भोपाल।** मध्य प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे पर्यटन ढांचे, बढ़ती पर्यटक संख्या और नवाचार आधारित पर्यटन विकास मॉडल देशभर में आकर्षण का केंद्र बन रहा है। त्रिपुरा टूरिज्म के प्रतिनिधमंडल ने मप्र की राजशानी भोपाल पहुंचकर पर्यटन विकास निगम की कार्यप्रणाली का जाना और समझा।

त्रिपुरा अर्बन एंड टूरिज्म डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (टीयूटीडीपी) के अंतर्गत त्रिपुरा टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीटीडीसीएल) का प्रतिनिधिमंडल राजधानी भोपाल स्थित मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड और पर्यटन भवन पहुंचा। निगम के प्रबंध संचालक डॉ. इलैया राजा टी. से त्रिपुरा टूरिज्म के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रशांत बादल नेगी ने विस्तृत चर्चा की। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के अपर प्रबंध संचालक डॉ. अभय अरविंद बेड़ेकर ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और त्रिपुरा में पर्यटन के विकास के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि ज्ञान-साझाकरण आधारित ऐसे अध्ययन दौरों से राज्यों के बीच पर्यटन विकास की नई संभावनाएँ और साझेदारी मजबूत होती है। त्रिपुरा टूरिज्म के प्रतिनिधिमंडल ने मध्य प्रदेश के पर्यटन मॉडल का विस्तृत अध्ययन किया। प्रतिनिधिमंडल ने मध्य प्रदेश की ग्रामीण पर्यटन मॉडल, होमस्टे नीति, फिल्म टूरिज्म पॉलिसी, तथा सेफ एंड सस्टेनेबल टूरिज्म जैसे नवाचारों में विशेष रुचि दिखाई और त्रिपुरा में विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्राप्त किया। नेगी ने बताया कि जिस प्रकार मध्य प्रदेश में महाकाल लोक के विकास के बाद धार्मिक पर्यटन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, उसी प्रकार त्रिपुरा में भी 51 शक्तिपीठों में से एक 'मालाबाड़ी शक्तिपीठ' (त्रिपुरेश्वरी) के विकास का कार्य प्राथमिकता पर लिया जाएगा। मध्य प्रदेश की ग्रामीण पर्यटन पहल, होमस्टे ईकोसिस्टम, सरल शूटिंग अनुमति व्यवस्था और सामुदायिक भागीदारी मॉडल से प्रभावित प्रतिनिधिमंडल ने इसे त्रिपुरा में लागू करने की इच्छा व्यक्त की। यह दौरा दोनों राज्यों के बीच पर्यटन क्षेत्र में सहयोग और सतत पर्यटन विकास के नए अवसरों को गति देगा। त्रिपुरा टूरिज्म के प्रतिनिधिमंडल में एक्ज़ीक्यूटिव इंजीनियर उत्तम पाल, एक्ज़ीक्यूटिव इंजीनियर सुनील पोद्दार, जूनियर इंजीनियर सुनंदा पॉल, जूनियर इंजीनियर झुतन दास, जूनियर इंजीनियर देबब्रत दास, डिप्टी प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर तन्मय दाश, तथा ऑफिस मैनेजर-कम-अकाउंटेंट कुंतल भौमिक शामिल रहे। साझा की नवाचारों की जानकारीप्रतिनिधिमंडल ने 'पर्यटन भवन' पहुंचकर मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की प्रशासनिक संरचना एवं निगम द्वारा किए जा रहे नवाचारों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पर्यटकों के लिए जंगल भ्रमण हेतु ट्रेक्स क्रूजर एवं कैंटर बसों के संचालन, भोपाल स्थित बोट क्लब में 20 शिकारा बोट, चप्पू बोट तथा 5 नई वॉटर साइकिल के संचालन के बारे में अवगत कराया।

## कर्नाटक में तीन साल में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाने के 12 मामले हुए दर्ज :गृह मंत्री परमेश्वर

**एजेंसी**
**बेलगाम।** कर्नाटक राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने सदन में बताया कि राज्य में पिछले तीन वर्षों में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाने के 12 मामले दर्ज किए गए हैं। मंत्री परमेश्वर यहां सुवर्णा सौधा में विधान परिषद सत्र के प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान सवालों का जवाब दे रहे थे। भाजपा सदस्य सी.टी. रवि के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए गृहमंत्री परमेश्वर ने कहा कि वर्ष 2023 से 2025 की अवधि के दौरान जनता से मिली स्वतःस्फूर्त शिकायतों और शिकायतों के आधार पर 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाने के 12 मामले दर्ज किए गए थे। उन्होंने सदन को बताया कि इन 12 मामलों में से 5 मामलों में अदालत में आरोपपत्र दाखिल किए जा चुके हैं। दो मामलों में 'बी' रिपोर्ट और एक मामले में 'सी' रिपोर्ट दाखिल की जा चुकी है। इसके अलावा तीन मामलों में जांच चल है और एक अन्य मामले में एफएसएल रिपोर्ट लंबित है।

## आईआईटी खड़गपुर और इंट्यूटिव फाउंडेशन की साझेदारी से रोबोटिक सर्जरी में नई पहल

**एजेंसी**
**खड़गपुर।** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर ने रोबोटिक-सहायित शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए इंट्यूटिव फाउंडेशन के साथ साझेदारी में मनसे (मल्टी-मॉडल एआई इन नेविगेशन एंड ऑटोमेशन फ़ॉर सर्जिकल रोबोटिक्स) नामक नवीन अनुसंधान कार्यक्रम की शुरुआत की है। इस पहल का उद्देश्य एआई-सक्षम सर्जिकल मॉडलिंग के माध्यम से शल्य चिकित्सा को अधिक सुरक्षित, मानकीकृत और विश्वसनीय बनाना है। शुरू की गई यह पहल सर्जिकल सुरक्षा, डिजिटल प्रलेखन और जिम्मेदार स्वचालन के क्षेत्र में वैश्विक विमर्श में भारत की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करती है और रोबोटिक-सहायित शल्य चिकित्सा के भविष्य के लिए मजबूत वैज्ञानिक आधार तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस कार्यक्रम के तहत आईआईटी खड़गपुर शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के संरचित डिजिटल मॉडल विकसित करेगा। ये मॉडल सर्जनों द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों का व्यवस्थित मानचित्रण करेंगे और

रोबोटिक-सहायित सर्जरी में एकरूपता व विश्वसनीयता बढ़ाने में सहायक होंगे। वास्तविक सर्जिकल आंकड़ों के एआई-आधारित विश्लेषण से उन महत्वपूर्ण चरणों की पहचान की जाएगी, जिन्हें प्रारंभिक स्तर पर सुरक्षित और जिम्मेदार स्वचालन के लिए उपयुक्त माना जा सकता है। यह शोध इंट्यूटिव फाउंडेशन द्वारा समर्थित दा विंची रिसर्च किट पर आधारित है, जो सेवानिवृत्त दा विंची प्रणालियों से पुनः विकसित एक गैर-नैदानिक शोध मंच है। इस मंच के माध्यम से डिजिटल मॉडलों को रोबोटिक गतियों से जोड़ा जाएगा, जिससे कृत्रिम ऊतकों और शारीरिक मॉडलों पर नियंत्रित प्रयोगशाला वातावरण में परीक्षण संभव हो सकेगा। इस अनुसंधान में किसी भी प्रकार की मानव सर्जरी शामिल नहीं होगी।

आईआईटी खड़गपुर के निदेशक प्रो. सुमन चक्रवर्ती ने कहा कि यह कार्यक्रम शल्य चिकित्सा से जुड़ी जटिल चुनौतियों के समाधान के लिए अकादमिक जगत, चिकित्सकों और वैश्विक प्रौद्योगिकी संस्थाओं के सहयोग का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस तरह की साझेदारियां सर्जिकल सुरक्षा को मजबूत करने और रोगियों के बेहतर परिणाम देने में सहायक होंगी। इस परियोजना से जुड़े एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. देबदूत शीत ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य सर्जरी का ऐसा प्रलेखन तैयार करना है, जिसे संगणकीय प्रणालियां समझ सकें। उन्होंने कहा कि इससे उन चरणों की पहचान संभव होगी, जहां लक्षित मार्गदर्शन या स्वचालन के माध्यम से सर्जनों को सहायता मिल सकती है, ताकि वे जटिल निर्णयों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकें। इस शोध में प्रो. पार्थ प्रतिम चक्रवर्ती और प्रो. शुभमय मंडल भी सहभागी हैं।

## कर्नाटक विधानसभा में हेट स्पीच और घृणा अपराध विधेयक पारित, विपक्षी सदस्यों ने बिल की प्रतियां फाड़ीं

**एजेंसी**
**बेलगाम।** कर्नाटक विधानसभा में हेट स्पीच और घणा संबंधी अपराधों को नियंत्रित करने के लिए विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच एक विधेयक पारित कर दिया गया। इस हेट स्पीच और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक में दोषी पाए जाने पर सात साल तक की जेल और एक लाख रुपये तक जुर्माना का प्रावधान किया गया है। इस विधेयक के विरोध में भाजपा सदस्यों ने सदन में हंगामा कर धरना दिया और विधेयक की प्रतियां फाड़ीं। राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने विधेयक के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हाल ही में समाज को ठेस पहुंचाने वाले शब्दों का प्रयोग बढ़ा है, जिसके परिणामस्वरूप मारपीट और हत्या जैसी घटनाएं हो रही हैं। सामाजिक और राजनीतिक सभाओं में बोले जाने वाले घृणास्पद शब्द समुदायों के बीच तनाव पैदा कर रहे हैं। उन्होंने तर्क दिया कि इसे नियंत्रित करने के लिए एक कानून की आवश्यकता है। गृह मंत्री परमेश्वर ने स्पष्ट किया कि बार-बार अपराध करने वालों के लिए सजा, जो पहले 10 साल की कैद थी, उसे घटाकर 7 साल कर दिया गया है। सदन में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि आशंका है कि इस अधिनियम का दुरुपयोग राजनीतिक प्रतिशोध के लिए किया जाएगा। पुलिस को अत्यधिक शक्तियां देने से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रभावित होगी। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोपों की रिपोर्टिंग के लिए भी मीडिया प्रतिनिधियों को जमानत करानी पड़ सकती है। उन्होंने इसे लोकतंत्र विरोधी कदम बताते हुए इसकी आलोचना की।

इसी बीच तटीय क्षेत्र में घटी घटनाओं के संबंध में मंत्री बैराती सुरेश के बयान से भारी हंगामा हुआ। तटीय क्षेत्र के विधायक विरोध प्रदर्शन करने के लिए सदन की वेल में आ गए। बाद में बढ़ते हंगामे के बीच सरकार ने विधेयक को पारित करा दिया। इस दौरान विपक्ष के नेता अशोक समेत कई लोगों ने विधेयक की प्रतियां फाड़कर अपना गुस्सा जाहिर किया। पहली बार घृणास्पद भाषण या घृणा अपराध करने पर न्यूनतम एक वर्ष से अधिकतम सात वर्ष तक का कारावास और पचास हजार का जुर्माना हो सकता है। यदि अपराध दोहराया जाता है, तो कम से कम दो वर्ष से अधिकतम सात वर्ष तक की कारावास और एक लाख रुपये का जुर्माना होगा।

# ट्रैविस हेड ने ब्रैडमैन और स्मिथ के बाद बनाया खास रिकॉर्ड, इंग्लैंड को एडिलेड में खूब 'पीटा'

**एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलियाई स्टार बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने शुक्रवार को अपने घरेलू स्टेडियम एडिलेड ओवल में इंग्लैंड को खूब 'पीटा' (शतक) और डॉन ब्रैडमैन तथा स्टीव स्मिथ के साथ खास रिकॉर्ड बना दिया है। हेड शानदार शतक लगाने के बाद अपने देश के एक क्रिकेट मैदान पर लगातार 4 शतक लगाने वाले क्रिकेट दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

ट्रैविस ने मौजूदा एशेज सीरीज के दौरान अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। कप्तान बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स की शतकीय साझेदारी के बाद संघर्ष कर रही इंग्लैंड टीम के लिए उम्मीदें और वादे से भरी सुबह की शुरुआत हुई जिसमें जेक वेदरल्ड को आउट करके शुरुआती विकेट लिया गया, लेकिन यह एक और बुरे सपने वाले दिन में बदल गया क्योंकि ट्रैविस ने इंग्लिश लाइन-अप की धुनाई की और दिन का अंत 196 गेंदों में शानदार 142* रन बनाकर किया जिसमें 13 चौके और दो छक्के शामिल थे, स्ट्राइक रेट 72 से अधिक था।

**क्लार्क के बाद ऐसा करने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई**

हेड पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क के बाद दूसरे बल्लेबाज हैं जिन्होंने जनवरी 2012 और दिसंबर 2014 के बीच एडिलेड में लगातार चार टेस्ट शतक बनाए हैं। उन्होंने 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ (175), 2024 में उसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ (119) और पिछले साल भारत के खिलाफ (140) एडिलेड में शतक बनाए हैं। अब उन्होंने एक और शानदार शतक लगाया है जो उनके घरेलू स्टेडियम एडिलेड ओवल में उनके अविश्वसनीय प्रदर्शन को जारी रखता है।

**दिग्गजों की लिस्ट में शामिल**

हेड ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डॉन ब्रैडमैन (1928 से 1932 तक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में), माइकल क्लार्क (2012 से 2014 तक एडिलेड में), स्टीव स्मिथ (2014 से 2017 तक गब्बा में) और इंग्लिश दिग्गज वैली हैमंड (1928 से 1936 तक सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में) की एलीट कंपनी में शामिल हो गए हैं, जो किसी खास ऑस्ट्रेलियाई मैदान पर लगातार चार टेस्ट शतक बनाने वाले पांचवें बल्लेबाज हैं। एडिलेड ओवल में हेड ने आठ मैचों और 11 पारियों में 87.33 की औसत से 786 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं और उनका बेस्ट स्कोर 175 है।

**इस साल टेस्ट में ट्रैविस हेड का रिकॉर्ड**

इस साल 10 टेस्ट और 19 पारियों में उन्होंने 43.00 की औसत और 79.71 के स्ट्राइक रेट से 731 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक, तीन अर्धशतक और 142* का बेस्ट स्कोर शामिल है। चल रही एशेज सीरीज में हेड तीन मैचों और छह पारियों में 70.20 की औसत और 86.24 के स्ट्राइक रेट से 351 रन बनाकर सबसे आगे हैं, जिसमें दो शतक और 142* का बेस्ट स्कोर शामिल है।

## भारत टीम के लिए खेला पाकिस्तान का मशहूर कबड्डी खिलाड़ी, झंडा भी लहराया, तस्वीरें वायरल होने पर बुरा फंसा

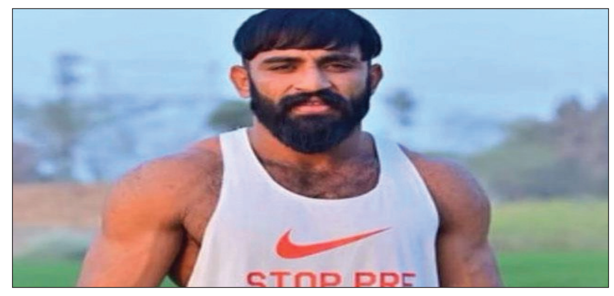

**कराची (एजेंसी)।** पाकिस्तान के लोकप्रिय अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि वह 16 दिसंबर को बहरीन में एक निजी टूर्नामेंट में भारतीय टीम के लिए खेले थे। जीसीसी कप में भारतीय शर्ट पहने और भारतीय झंडा लहराते हुए उबैदुल्लाह के वीडियो और तस्वीरें वायरल होने के बाद वह बड़ी मुश्किल में फंस गए हैं।

पाकिस्तान कबड्डी महासंघ (PKF) के सचिव राणा सरवर ने कहा कि पीकेएफ की एक आपात बैठक 27 दिसंबर को बुलाई गई है जिसमें इस मामले पर चर्चा की जाएगी और राजपूत तथा कुछ अन्य खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा।

सरवर ने कहा, 'मैं पुष्टि कर सकता हूं कि यह एक निजी टूर्नामेंट था जिसमें आयोजकों द्वारा प्रतियोगिता में भारत, पाकिस्तान, कनाडा, ईरान आदि नामों से निजी टीमें बनाई गई थीं लेकिन सभी टीमों में अपने-अपने देश के खिलाड़ी थे। भारतीय खिलाड़ियों ने भारतीय निजी टीम का प्रतिनिधित्व किया और उबैदुल्लाह उनके लिए खेले जो इन परिस्थितियों में स्वीकार्य नहीं है।'

सरवर ने यह भी दावा किया कि 16 पाकिस्तानी खिलाड़ी महासंघ या पाकिस्तान खेल बोर्ड से बिना किसी इजाजत के बहरीन गए थे। उन्होंने कहा, 'इसलिए, इन खिलाड़ियों के खिलाफ भी पाकिस्तान टीम के नाम पर गलत तरीके से खेलने के लिए कार्रवाई की जाएगी।' राजपूत ने माफी मांगी है और साफ किया है कि उन्हें बहरीन में इस प्रतियोगिता में खेलने के लिए आमंत्रित किया गया था और उन्हें एक निजी टीम में शामिल किया गया। उन्होंने कहा, 'लेकिन मुझे बाद में पता चला कि उन्होंने टीम का नाम भारतीय टीम रखा था और मैंने आयोजकों से कहा कि वे भारत और पाकिस्तान के नाम इस्तेमाल नहीं करें।'

## कुलदीप यादव को लियोनेल मेसी का खास तोहफा, भारतीय स्पिनर हुआ भावुक

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट और विश्व फुटबॉल का अनोखा संगम उस वक्त देखने को मिला, जब टीम इंडिया के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव को फुटबॉल के महान खिलाड़ी लियोनेल मेसी से साइन की हुई अर्जेंटीना जर्सी मिली। यह खास पल मेसी के 'त्ल्झ्ञ इंडिया टूर 2025' के दौरान राजधानी दिल्ली में देखने को मिला। इस मुलाकात ने न सिर्फ खेल प्रेमियों का दिल जीता, बल्कि यह दिखाया कि खेल सीमाओं और खेलों से परे एक-दूसरे को जोड़ने की ताकत रखते हैं।

लियोनेल मेसी के भारत दौरे के दौरान कुलदीप यादव को अर्जेंटीना की ऑटोग्राफ वाली जर्सी भेंट की गई। यह तस्वीर एडिडास इंडिया के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की गई, जिसमें कुलदीप के साथ भारत के नामी पैरा एथलीट भी नजर आए। इस खास मौके पर कुलदीप की खुशी साफ झलक रही थी, क्योंकि वह लंबे समय से मेसी और एफसी बार्सिलोना के बड़े प्रशंसक रहे हैं।

इस आयोजन में सिर्फ कुलदीप यादव ही नहीं, बल्कि भारत के कई दिग्गज एथलीटों को मेसी से मिलने का मौका मिला। दो बार के पैरालंपिक भाला फेंक चैंपियन सुमित अंतिल, पैरा हाई-जंप स्टार निशाद कुमार, बॉक्सिंग की स्टार खिलाड़ी निकहत ज़रीन और महिला क्रिकेट विश्व कप विजेता गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर भी इस यादगार पल का हिस्सा बने।

## भारत अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पहुंचा, 11 साल बाद पाकिस्तान से होगा खिताबी मुकाबला

**दुबई (एजेंसी)।** उप-कप्तान विहान मल्होत्रा की शानदार स्ट्रोक-प्ले को आरोन जॉर्ज के संयम ने बखूबी साथ दिया जिससे भारत अंडर-19 ने शुक्रवार को बारिश से प्रभावित सेमीफाइनल में श्रीलंका को 8 विकेट से हराकर अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में जगह बनाई।

बारिश के कारण मैच 20-20 ओवर का कर दिया गया जिसके बाद भारतीय गेंदबाजी यूनिट जिसने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है, ने श्रीलंका को 20 ओवर में 8 विकेट पर 138 रन पर रोक दिया। जवाब में बाएं हाथ के बल्लेबाज मल्होत्रा (45 गेंदों में 61 रन नाबाद), जिन्हें हाल ही में हुए IPL मिनी ऑक्शन में RCB ने खरीदा था, ने आसानी से फ्लिक और पुल शॉट खेलते हुए कुछ चौकों के अलावा दो छक्के भी लगाए। उनके साथी और इस टूर्नामेंट में भारत के संकटमोचक जॉर्ज (49 गेंदों में 58 रन नाबाद) ने अपने स्ट्रोक्स में तकनीकी रूप से परफेक्ट थे जिससे भारत ने 18 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। फाइनल में भारत की आठवीं उपस्थिति मल्होत्रा और जॉर्ज के बीच तीसरे विकेट के लिए अटूट 114 रन की साझेदारी पर आधारित थी।

दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया और ये दोनों पड़ोसी देश 11 साल के अंतराल के बाद महाद्वीपीय फाइनल में मिलेंगे। पिछली बार जब भारत -19 ने 2014 में एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराया था, तो उस टीम में श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, संजू सैमसन और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी शामिल थे।

भारत अंडर-19 की शुरुआत अच्छी नहीं रही, जब किशोर IPL सनसनी आयुष म्हात्रे (7) और वैभव सूर्यवंशी (9) को तेज गेंदबाज रसिथ निमसार ने आउट कर दिया। म्हात्रे जिनका टूर्नामेंट खराब रहा है, निमसार की एक छोटी गेंद पर गलत टाइमिंग से पुल शॉट खेलने की कोशिश में आउट हो गए। निमसार ने सूर्यवंशी के लिए अपनी गति में बदलाव किया जिन्होंने बल्ले का मुंह बंद करने की कोशिश की लेकिन गेंद बल्ले के किनारे पर लगी और हवा में उछल गई।

हालांकि मल्होत्रा ने निमसार की गेंद पर फ्लिक करके छक्का लगाकर शुरुआत की और उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। जॉर्ज के मामले में ऑफ-स्पिनर कविजा गमागे की गेंद पर एक शानदार ड्राइव ने उनकी क्लास दिखाई। श्रीलंका अंडर19 अभी भी दुनिथ सिगेरा द्वारा फेंके गए 13वें ओवर तक मुकाबला कर रही थी, जहां मल्होत्रा ने पहले बाउंड्री के लिए एक छोटा, मजबूत पुल शॉट खेला, उसके बाद एक्स्ट्रा कवर के जरिए एक ड्राइव और फिर एक और फ्रंट-फुट पुल शॉट खेला जो घास के किनारे पर गिरा।

फील्डिंग चुनने के बाद भारतीय टीम की बॉलिंग यूनिट ने पहले 6 ओवरों में श्रीलंका को 28 रन पर 3 विकेट पर रोककर अच्छा प्रदर्शन किया जिसके बाद कप्तान विमथ दिंसारा (32) और चमिका हेनाटिगाला (42) ने अगले छह ओवरों में 45 रन जोड़कर पारी को संभाला। हालांकि यह सेथमिका सेनेविरत्ने की छोटी लेकिन तेज़ पारी थी - 22 गेंदों में 30 रन - जिसने श्रीलंका को 135 रन के पार पहुँचाया। भारत के लिए, स्पिनर कनिष्क चौहान और हेनिल पटेल ने दो-दो विकेट लिए।

## फाइनल के चार मिनट में बदला खेल, मोरक्को ने जॉर्डन को हराकर अरब कप का खिताब जीता

दोहा। अब्दररज्जाक हामेद अल्लाह के दो गोल से मोरक्को ने अतिरिक्त समय तक चले अरब कप के फाइनल में जॉर्डन को 3-2 से पछाड़कर खिताब अपने नाम किया। लुसैल स्टेडियम में हामेद अल्लाह ने 88वें मिनट में बराबरी का गोल दागा और फिर 100वें मिनट में विजयी गोल करके मोरक्को को 'अफ्रीका कप ऑफ नेशंस' से पहले अरब कप ट्रॉफी दिला दी। फाइनल के चार मिनट से भी कम समय में ओसामा तन्नाने ने सेंटर लाइन के पीछे से शानदार स्ट्राइक लगाकर मोरक्को को बढ़त दिलाई थी। अली ओलवान के 48वें मिनट में हेडर से गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया और 68वें मिनट में पेनल्टी से जॉर्डन को बढ़त दिला दी।

## विश्व कप की तैयारियों के लिए खुद को चुनौती देना जरूरी : वरुण चक्रवर्ती

अहमदाबाद। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कहा कि टी20 विश्व कप की तैयारी में उनका पूरा ध्यान अपनी गेंदबाजी की लेंथ पर भरोसा करने, आत्मविश्वास बनाए रखने और आसान दिखने वाले मैचों में भी खुद को मानसिक रूप से चुनौती देने पर केंद्रित है। इस 34 साल के खिलाड़ी ने 32 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 51 विकेट लिए हैं। इसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा पांच मैचों की श्रृंखला के शुरुआती तीन मैचों में लिए गए छह विकेट भी शामिल हैं।

भारत और श्रीलंका की मेजबानी में सात फरवरी से आठ मार्च तक होने वाले टी20 विश्व कप में भारत के खिताब की रक्षा के लिए चक्रवर्ती काफी अहम खिलाड़ी है। उन्होंने 'जियोस्टार' के 'फॉलो द ब्लूज' कार्यक्रम में कहा, '' विश्व कप की तैयारी के लिए खुद पर लगातार दबाव बनाए रखना बहुत जरूरी है।' कर्नाटक में जन्में इस गेंदबाज ने कहा, ''जब कोई चुनौती न हो तब भी आपको खुद को चुनौती देनी होगी। अगर कोई मैच आसान लगे तो आपको मानसिक रूप से दबाव बनाना होगा और खुद को चुनौती देना शुरू करना होगा।' उन्होंने कहा, 'उनके लिए आत्मविश्वास, सही लेंथ पर गेंदबाजी करना और विपक्षी टीम को समझना बहुत जरूरी है। यह एक अहम बात है जिसे मैं विश्व कप में ध्यान में रखना चाहता हूं। विपक्षी टीम को बेहतर ढंग से समझने से मुझे लगता है कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं।' चक्रवर्ती ने कहा कि बुनियादी बातों पर टिके रहना और अपनी काबिलियत पर भरोसा रखना ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी हालिया सफलता की कुंजी रही है। उन्होंने कहा, 'मेरी योजना काफी सरल है, बुनियादी बातों पर ध्यान देना और अपनी लेंथ पर गेंदबाजी करना। कभी-कभी यह कारगर साबित होता है और शुक्र है कि पिछले तीन मैचों में यह कारगर रहा है। मैं अगले मैच में भी यही रणनीति अपनाऊंगा।'

## विजय हजारे ट्रॉफी: मुंबई की संभावित टीम से रोहित-जायसवाल बाहर !

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 से पहले मुंबई क्रिकेट टीम को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ओपनर रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल के साथ-साथ ञ्20द्ध कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे को कथित तौर पर मुंबई की शुरुआती टीम में शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, चयन समिति ने इस पर स्थिति साफ करते हुए संकेत दिए हैं कि इन खिलाड़ियों के लिए दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं।

**24 दिसंबर से शुरू होगा मुंबई का विजय हजारे अभियान**

मुंबई की टीम 24 दिसंबर से विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में अपने सफर की शुरुआत करेगी। टीम को एलीट ग्रुप ष्ट में रखा गया है और ग्रुप स्टेज के सभी मुकाबले जयपुर में खेले जाएंगे। इस बार टीम की कमान अनुभवी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को सौंपी गई है, जिनसे संतुलित नेतृत्व और ऑलराउंड प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

**बड़े नाम शुरुआती टीम से बाहर**

रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई की घोषित टीम में कई बड़े भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के नाम नहीं हैं। इनमें कप्तान रोहित शर्मा, युवा स्टार यशस्वी जायसवाल, भारत के टी20आई कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे शामिल हैं। इन खिलाड़ियों का बाहर होना फैंस के लिए चौंकाने वाला जरूर है, लेकिन इसके पीछे रणनीतिक और फिटनेस से जुड़े कारण माने जा रहे हैं।

**बाहर होने का मतलब बाहर रहना नहीं**

मुंबई चयन समिति ने साफ कर दिया है कि इन खिलाड़ियों का टीम सूची में नाम न होना यह तय नहीं करता कि वे टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे। चयनकर्ताओं के मुताबिक, जो भी भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उपलब्ध होंगे, उन्हें बाद में टीम में शामिल किया जा सकता है। यानी रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी जरूरत पड़ने पर विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

**यशस्वी जायसवाल की फिटनेस पर नजर**

यशस्वी जायसवाल के मामले में फिटनेस एक अहम कारण है। हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार शतक जड़ने के बाद उन्हें एक्यूट गैस्ट्रोएंटेराइटिस के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। हालांकि अब उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है, लेकिन उनकी मैच फिटनेस का अंतिम आकलन टूर्नामेंट शुरू होने के करीब किया जाएगा।

**BCCI का खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलने का संदेश**

गौरतलब है कि BCCI ने सभी भारतीय खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट, खासकर विजय हजारे ट्रॉफी में भाग लेने पर जोर दिया है। यह टूर्नामेंट 50 ओवर फॉर्मेट का सबसे बड़ा घरेलू इवेंट है और 11 जनवरी से शुरू होने वाली भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से पहले खिलाड़ियों के लिए अहम तैयारी मंच माना जा रहा है।

**विराट कोहली का उदाहरण और मुंबई को उम्मीद**

इस महीने की शुरुआत में विराट कोहली को दिल्ली की संभावित विजय हजारे टीम में शामिल किया गया था। इससे संकेत मिलता है कि रोहित शर्मा, जायसवाल और सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी भी उपलब्धता के आधार पर अपनी-अपनी घरेलू टीमों के लिए खेल सकते हैं। अगर ये स्टार खिलाड़ी मुंबई के लिए उतरते हैं, तो टीम का विजय हजारे अभियान और भी मजबूत हो सकता है।

## टी20 विश्वकप के लिए आज भारतीय टीम की घोषणा कर सकता है बीसीसीआई

मुम्बई। अगले साल की शुरुआत में होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट के लिए शनिवार को भारतीय टीम की घोषणा हो सकती है। अब देखना होगा कि इसमें किन-किन खिलाड़ियों को अवसर मिलता है। भारतीय टीम नये साल की शुरुआत में जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी ही धरती पर 5 मैच की टी20 सीरीज खेलेगी। जिसके बाद फरवरी में टी20 विश्वकप कप शुरु होगा। आमतौर पर आईसीसी टूर्नामेंट के लिए टीमों को एक महीने पहले अपने दल घोषित करने होते है पर भारतीय बोर्ड अधिकतर अंतिम समय में ही टीम की घोषणा करता रहा है हालांकि इस बार माना जा रहा है कि बोर्ड टीम की घोषणा पहले ही कर सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई 20 दिसंबर को ही न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के साथ-साथ ही विश्वकप के लिए भी टीम की घोषणा कर सकता है। भारत की 15 सदस्यीय टी20 टीम और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए टीमों के चयन की बैठक शनिवार 20 दिसंबर को दोपहर होने की संभावना है। अब देखना होगा कि इसमें चोटिल बल्लेबाज शुभमन गिल को टीम में जगह मिलती है या नहीं। शुभमन फिट नहीं होने के कारण ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज नहीं खेल पाये थे। शुभमन का प्रदर्शन इस साल टी20 में अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में अगर वह फिट नहीं होते हैं तो उनकी जगह पर संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल में से किसी एक को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है। वहीं पिछले काफी समय से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को भी टीम में जगह मिलने की उम्मीद है।

## होल्डर गुजरात टाइटंस के लिए फायदेमंद साबित होंगे : पार्थिव

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस ने इस बार आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर को सबसे अधिक 7 करोड़ रुपए में खरीदने को सही फैसला बताया है। टीम के सहायक कोच पार्थिव पटेल ने कहा है गुजरात टाइटंस की पिछले काफी समय से होल्डर पर नजरें थीं। पार्थिव ने कहा, हमने पिछले डेढ़ साल से होल्डर पर नजर बनाए रखी थी। वह टी20 क्रिकेट के एक बेहतरीन ऑलराउंडर हैं। उन्होंने सभी लीग में अच्छा खेला है। गुजरात टाइटंस हमेशा अनुभवी खिलाड़ियों को जोड़ने के लिए तैयार रहता है। हम सभी जानते हैं कि होल्डर कितने फायदेमंद हैं, वह अच्छी बल्लबाजी और गेंदबाजी करते हैं। वहीं युवा अशोक शर्मा को 90 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ने पर पार्थिव पटेल ने कहा, हम सभी को लगता है कि अशोक अच्छी तेज गेंदबाजी कर रहे हैं। हम टीम में एक प्रतिभाशाली अनकैप्ड तेज गेंदबाज को लाना चाहते थे और ये खोज अशोक के साथ पूरी हुई है। वहीं फ्रेंचाइजी ने पृथ्वीराज यारा को 30 लाख रुपए में खरीदने के फैसले का भी बचाव किया है। इस युवा की प्रशंसा करते हुए कोच ने कहा, वह काफी समय से फर्स्ट-क्लास क्रिकेट खेल रहे हैं। बीच में उन्हें चोट भी लगी थी। वह हमारे लिए एक बाएं हाथ के गेंदबाज के तौर पर विविधता लाते हैं। हमें लगा कि पृथ्वीराज और अशोक का का संयोजन अच्छा रहेगा। हम उन्हें अपनी टीम में लाकर खुश हैं।

**गुजरात टाइटंस टीम :** रिटेंशन : अनुज रावत, ग्लेन फिलिप्स, गुरनूर सिंह बराड़, ईशांत शर्मा, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद अरशद खान, निशांत सिंधु, प्रसिद्ध कृष्णा, साई किशोर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, जयंत यादव, जोस बटलर, कगिसो रबाडा, कुमार कुशाग्र, मानव सुथार, साई सुदर्शन, शाहरुख खान, शुभमन गिल और वाशिंगटन सुंदर।

**नीलामी में खरीदारी :** जेसन होल्डर (7 करोड़ रुपए), टॉम बैंटन (2 करोड़ रुपए), अशोक शर्मा (90 लाख रुपए), ल्यूक वुड (75 लाख रुपए) और पृथ्वी राज (30 लाख रुपए)।

# गौतम गंभीर को लेकर कपिल देव का दो टूक: वो कोच नहीं, टीम संभालने वाले मैनेजर हैं!

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिग्गज ऑलराउंडर और भारत के पहले विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने आधुनिक कोच की परिभाषा पर ही सवाल उठाकर एक नई बहस छेड़ दी है। भारत के मौजूदा मुख्य कोच गौतम गंभीर पर उनकी तीखी टिप्पणियों ने दक्षिण अफ्रीका में भारत की हालिया टेस्ट सीरीज हार के बाद पहले से ही चल रही तीखी बहस को और हवा दे दी है। गंभीर की कोचिंग में भारत ने अब तक खेले गए 19 टेस्ट मैचों में से सात जीते हैं, दस हारे हैं और दो ड्रॉ रहे हैं। इनमें न्यूजीलैंड (0-3) और दक्षिण अफ्रीका (0-2) के खिलाफ घरेलू मैदान पर क्लीन स्वीप भी शामिल है।

टीम ने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भी 1-3 से गंवाई। गंभीर के कार्यकाल में एकमात्र टेस्ट सीरीज जीत बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर मिली हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में घरेलू मैदान पर हुई टेस्ट सीरीज में करारी हार के बाद गंभीर को बर्खास्त करने की मांग तेज हो गई है, प्रशंसक और विशेषज्ञ उनकी टीम चयन और रणनीति की आलोचना कर रहे हैं। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के आईसीसी शताब्दी सत्र में बोलते हुए कपिल देव ने स्पष्ट किया कि समकालीन क्रिकेट में ÷कोच÷ शब्द को अक्सर गलत समझा जाता है।

उनके अनुसार, आज के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पारंपरिक अर्थों में कोच की नहीं, बल्कि एक कुशल प्रबंधक की आवश्यकता है। कपिल ने साफ तौर पर कहा कि गौतम गंभीर कोच नहीं हो सकते, लेकिन टीम के प्रबंधक के रूप में वे निश्चित रूप से भूमिका निभा सकते हैं। उनका तर्क खेल के विकास पर आधारित था। लेग स्पिनरों से लेकर विकेटकीपरों और तेज गेंदबाजों तक, हर खिलाड़ी की विशेषज्ञता को देखते हुए, कपिल ने सवाल उठाया कि एक व्यक्ति सभी को तकनीकी रूप से कैसे प्रशिक्षित कर सकता है। इसके बजाय, उन्होंने जोर दिया कि खिलाड़ियों के व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और अपेक्षाओं का प्रबंधन करना सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बन गई है।

कपिल देव की ये टिप्पणियां भारतीय क्रिकेट के लिए एक संवेदनशील समय पर आई हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 की हार के बाद गौतम गंभीर आलोचनाओं के घेरे में हैं। आलोचकों ने उनके खेलने के तरीके पर सवाल उठाए हैं, खासकर खिलाड़ियों को लगातार बदलने और अंशकालिक खिलाड़ियों पर निर्भरता पर, जिससे कई लोगों का मानना है कि टीम का संतुलन बिगड़ गया। कपिल ने रणनीति की सीधी आलोचना करने के बजाय व्यापक परिप्रेक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने सुझाव दिया कि गंभीर की ताकत तकनीकी कोचिंग के बजाय खिलाड़ियों को बेहतर ढंग से संभालने में है, इस तरह उन्होंने पूर्व सलामी बल्लेबाज का परोक्ष रूप से बचाव करते हुए उनकी भूमिका से जुड़ी अपेक्षाओं को नए सिरे से परिभाषित किया।

# अब ब्रॉडर ऑडियंस के लिए फिल्में कर रहा हूं

**आयुष्मान खुराना इस साल फिल्म थामा में दिखे। उनकी यह फिल्म सुपरहिट रही और उनका मानना है कि यह सफर उनके लिए एक्सपेरिमेंट से भरा रहा है।**

### क्या अब सिर्फ कमर्शियल फिल्मों की तरफ बढ़ रहे हैं?

मुझे लगता है कि मैं कमर्शियल और एक्सपेरिमेंटल दोनों तरह की फिल्मों में काम करता हूं। ड्रीम गर्ल मेरे लिए कमर्शियल थी, वहीं थामा भी मेरे लिए कमर्शियल फिल्म साबित हुई है। आगे पति, पत्नी और वो 2 और सूरज बड़जात्या की फिल्म भी बहुत कमर्शियल वैल्यू वाली हैं। इसके बीच में मेरे पास ऐसी कहानियां भी हैं जो थोड़ी-सी टेढ़ी हैं या कहें हटके हैं। कमर्शियल सिनेमा का करना बहुत जरूरी है, क्योंकि मुझे लगता है कि जैसे पहले बधाई हो और अंधाधुन जैसी हिट फिल्मों का फायदा आर्टिकल 15 जैसी अलग फिल्म को हुआ था, वैसे ही अब ये बड़ी फिल्में उन टेढ़ी फिल्मों को लोगों तक पहुंचाने में मदद करेंगी।

### हॉरर-कॉमेडी जॉनर को कैसे देखते हैं?

मुझे लगता है कि हॉरर-कॉमेडी को अब बहुत अच्छा दर्जा दिया गया है, खासकर मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स ने। इतनी बैक-टू-बैक फिल्में अच्छे दर्जे की बनाना आसान नहीं है। मैं बचपन में रामसे ब्रदर्स की फिल्में देखता था और इस जॉनर का फैन रहा हूं। हॉरर-कॉमेडी का यह कॉम्बिनेशन बहुत कमाल का है। इसके लिए हमेशा ऑडियंस रहती है।

### इंटरेस्टिंग स्टोरी मिले तो मैं आम आदमी की बायोपिक भी कर सकता हूं

मैं किसी क्रिकेटर और संगीतज्ञ पर भी फिल्म करना चाहूंगा। ये दोनों चीजें मेरे दिल के बहुत करीब हैं। यहां तक कि अगर कोई इंटरेस्टिंग स्टोरी मिले तो मैं आम आदमी की बायोपिक भी कर सकता हूं, क्योंकि मुझे लगता है, वो सबसे ज्यादा खतरनाक और सबसे अलग होगी। बाकी आगे मैं सूरज बड़जात्या की एक पारिवारिक फिल्म कर रहा हूं। उसे लेकर बहुत एक्साइटेड हूं।

# त्रिधा चौधरी ने वेब सीरीज आश्रम सीजन 4 पर दिया बड़ा अपडेट

प्रकाश झा की क्राइम ड्रामा सीरीज आश्रम का चौथा सीजन, जिसमें बॉबी देओल लीड रोल में हैं, अगले साल प्रोडक्शन में जाने के लिए तैयार है। इस शो से नेशनल लेवल पर फेमस होने वाली एक्ट्रेस त्रिधा चौधरी ने सीरीज के नए सीजन को लेकर बड़ा अपडेट शेयर किया है और बताया है कि ये कब फ्लोर पर आएगी। त्रिधा चौधरी ने शो के बारे में स्पष्ट जानकारी दी। उन्होंने कहा, जी हां, हम बहुत जल्द, 2026 में शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं!, जिससे यह पुष्टि हो गई कि आश्रम 4 पर काम आधिकारिक तौर पर शुरू होने वाला है।

### आश्रम सीजन 4 पर अपडेट

बातचीत के दौरान, एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि कैसे वह इस सीरीज का हिस्सा बनीं और एक मुलाकात का किस्सा सुनाया जिसने उनके करियर की दिशा बदल दी। उन्होंने कहा, आश्रम में काम मिलने की कहानी बहुत दिलचस्प है। मैं एक सुपरमार्केट में थी जहां मेरी मुलाकात डीए माधवी भट्ट से हुई। उन्होंने मुझसे कहा, 'त्रिधा, मुझे बहुत खुशी है कि मैं तुमसे यहां मिली। मुझे सच में लगता है कि तुम्हें यह शो करना चाहिए'।

### त्रिधा को कैसे मिला रोल!

त्रिधा ने बताया कि लेखिका माधवी भट्ट ने फिल्ममेकर प्रकाश झा को उन्हें इस रोल के लिए चुनने के लिए राजी किया, हालांकि कास्टिंग के साथ कुछ शर्तें भी थीं। उन्होंने बताया, माध्वी ने प्रकाश झा सर को मुझे लेने के लिए राजी किया। सर ने कहा, 'नहीं, वो थोड़ी बच्ची लगेगी। हमें उसे एक महिला के रूप में दिखाना होगा', इसलिए, मैंने वजन बढ़ाया क्योंकि उन्होंने सलाह दी थी, 'तुम किरदार के लिए इतनी परफेक्ट नहीं दिख सकतीं। तुम्हें अनुभवी दिखना होगा'। हमारे पास ट्रेनर थे और हमने डायलॉग्स पर भी काफी काम किया। सीरीज को याद करते हुए, त्रिधा ने कहा कि उन्होंने इसकी इतनी बड़ी सफलता की कल्पना कभी नहीं की थी। एक्ट्रेस बोलीं, मुझे यकीन करना बहुत मुश्किल था कि इस प्रोजेक्ट से मैं भारत में घर-घर में मशहूर हो जाऊंगी। लेकिन ऐसा हो गया है।

### त्रिधा की किस किसको प्यार करूं 2

इस बीच, त्रिधा हाल ही में किस किसको प्यार करूं 2 में नजर आईं, जो 12 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। कपिल शर्मा की इस कॉमेडी फिल्म को रिलीज के बाद आलोचकों और दर्शकों से मिले-जुले रिएक्शन मिल रहे हैं।

# अर्जुन रामपाल ने इस काम को बताया जिंदगी का सबसे मुश्किल रोल

अर्जुन रामपाल फिल्म धुरंधर में बेहतरीन अदाकारी को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके अलावा वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने गैब्रिएला डेमेट्रियड्स से सगाई कर ली है। उन्होंने बताया है कि अपनी पहली पत्नी से तलाक के बाद उन्होंने अपनी बेटियों की परवरिश की है। बेटियों की परवरिश करते हुए रिश्तों को लेकर उनकी समझ बदली है। धुरंधर एक्टर ने कहा, बच्चों की परवरिश दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती है। छोटी-छोटी चीजों के लिए भी उन्हें आपसे चिपके रहना पड़ता है और वे हमेशा आपके आस-पास रहते हैं। आप उनके लिए सब कुछ होते हैं। जब उन्हें अपने छोटे पंख मिलते हैं और वे आपके घोंसले से बाहर उड़ना शुरू करते हैं, तब आप अचानक उनकी निगरानी करने वाले बन जाते हैं। अभिनेता ने इस बात पर जोर दिया कि परवरिश का मतलब कंट्रोल करना नहीं है। उन्होंने कहा, उन्हें (बच्चों को) पता है कि आप हमेशा उनके साथ रहेंगे। लेकिन यह आसान नहीं है। वे बॉयफ्रेंड, दोस्तों, अपनी जिंदगी के बारे में बातें करती हैं। हालांकि उनकी दुनिया में आप दाखिल नहीं हो सकते। उन्होंने बताया कि जब हम बच्चे होते हैं तब हमें लगता है कि हम सब कर सकते हैं। लेकिन जब हमारे बच्चे होते हैं तो लगता है कि चीजें उतनी आसान नहीं थीं। तब हम अपने माता-पिता की तरफ लौटते हैं।

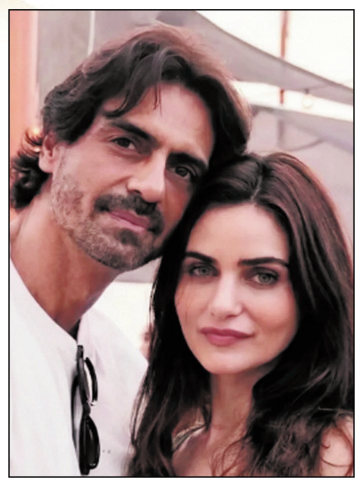

# मिस इंडिया बनने के बाद भी एक्ट्रेस बनने का सफर आसान नहीं था

**एक्ट्रेस वर्तिका सिंह ने मॉडलिंग और मिस इंडिया प्रतियोगिताओं के जरिए अपने अभिनय की राह शुरू की। कई ऑडिशन देने के बाद 'हक' फिल्म में काम करने का मौका मिला। इमरान हाशमी और यामी गौतम जैसे बड़े कलाकारों के साथ काम करके उन्हें प्रेरणा मिली। हाल ही में बातचीत के दौरान वर्तिका सिंह ने बताया कि मिस इंडिया बनने के बाद भी एक्ट्रेस बनने का सफर आसान नहीं था।**

### फिल्म 'हक' में काम करने का मौका कैसे मिला था?

फिल्म हक में काम करने का मौका मुझे कई बार ऑडिशन देने के बाद मिला। शुरुआत में ऑडिशन देने का मन नहीं था, क्योंकि पहले भी कई बार ऑडिशन दिया था, लेकिन कुछ नहीं हुआ था। फिर भी कोशिश की, और मेरे लिए रास्ते खुल गए। डायरेक्टर से मिलने पर उन्होंने तुरंत कहा कि मैंने सही सायरा ढूंढ ली है, क्योंकि क्योंकि मेरी दिमाग में सायरा की जो छवि थी उसी के हिसाब से तैयार होकर गई थी।

### मिस इंडिया बनने के बाद एक्ट्रेस बनने में क्या मुश्किलें आईं?

मॉडलिंग और एक्टिंग अलग होती हैं। मॉडलिंग में दिखना अच्छा होना चाहिए, लेकिन एक्टिंग में किरदार निभाने की कला और लुक दोनों जरूरी होते हैं। किस्मत और सही समय भी बहुत मायने रखता है। कई बार अच्छे ऑडिशन मिलने के बाद भी किसी और को चुना जाता है क्योंकि मेरा नाम बहुत बड़ा नहीं था। ऐसा मेरे साथ कई बड़े वेब सीरीज में हुआ।

# अरशद वारसी ने किया 'असुर 3' का एलान

अभिनेता अरशद वारसी ने हरियाणा में एक कार्यक्रम के दौरान अभिनेता ने सिनेमा और अपने करियर को लेकर बात की। बातचीत के दौरान अभिनेता ने अपनी लोकप्रिय सीरीज असुर को लेकर भी बड़ी अपडेट साझा की। कार्यक्रम के दौरान जब अरशद वारसी से उनके लोकप्रिय शो 'असुर' को लेकर सवाल किया गया, तो एक्टर ने इसके बारे में बड़ी अपडेट साझा की। एक्टर ने बताया कि वो जल्द ही सीजन 3 की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। अरशद ने कहा कि यह बहुत ही मुश्किल स्क्रिप्ट है लिखने में भी और एक्टिंग के लिहाज से भी। ये साइंस और मायथोलॉजी का ऐसा मिश्रण है, जिसमें आप कहीं भी न तो चूक सकते हैं और न ही लोगों से झूठ बोल सकते हैं। हम इसमें कोई भी मनगढ़ंत बातें नहीं कर सकते। अरशद वारसी ने ये साफ कर दिया है कि सीजन 3 बन रहा है और वो जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू करेंगे।

# रजनीकांत की फिल्म से तमन्ना भाटिया का कटा पत्ता

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है. क्योंकि वो एक ब्लॉकबस्टर फिल्म के सीक्वल पर काम कर रहे हैं. यूं तो इस साल उनकी 'कुली' रिलीज हुई है, जिसे लोकेश कनगराज ने डायरेक्ट किया था. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी काफी कमाई की है, पर जैसा काम लोग लोकेश कनगराज से देखना चाहते थे, वैसा दिखाई नहीं दिया. अब रजनीकांत की फिल्म में एक एक्ट्रेस की एंट्री हुई है, जिसने तमन्ना भाटिया का पत्ता काट दिया. इस साल साउथ और बॉलीवुड की कई फिल्मों ने सिनेमाघरों में दस्तक दी. कुछ बुरी तरह से फ्लॉप हो गई, तो कुछ ने बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों का कारोबार किया है.अब इंतजार है अगले साल का. जब कई यंग एक्टर्स की फिल्में रिलीज की जाएंगी. जबकि, रजनीकांत की एक बड़ी फिल्म भी आ रही है, जिसमें कुछ बॉलीवुड स्टार्स दिखाई देंगे. हाल ही में पता लगा था कि फिल्म में विद्या बालन की एंट्री कंफर्म है. साथ ही पिक्चर अगले साल यानी 2026 अगस्त तक आ सकती है. लेकिन अब नई एंट्री ने सबको हैरान कर दिया है. क्योंकि इस एक्ट्रेस ने तमन्ना भाटिया का पत्ता काटा है. रजनीकांत जल्द ही कमल हासन के साथ काम करने जा रहे हैं. फिल्म जब अनाउंस हुई थी, जब डायरेक्टर कंफर्म था. लेकिन बाद में फिल्म से डायरेक्टर ने हाथ पीछे खींच लिए. अभी नए डायरेक्टर की तलाश की जा रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, नोरा इस गाने के लिए रजनीकांत के साथ 8 दिनों तक शूटिंग कर रही हैं. यूं तो नोरा फतेही लगातार कई म्यूजिक वीडियोज का हिस्सा रह चुकी हैं. साथ ही उनमें भी धमाल मचाती नजर आ जाती हैं. एक बार फिर उसी अंदाज में दिखाई देने वाली हैं. कहा जा रहा है कि 'जेलर 2' का ये गाना नोरा के ब्लॉकबस्टर सॉन्ग की लिस्ट में एंट्री ले सकता है.

# फिल्म साली मोहब्बत मैंने एक एक्सपेरिमेंट के तौर पर की

**जी 5 पर आने वाली फिल्म साली मोहब्बत को लेकर दिव्येंदु शर्मा खासे उत्साहित हैं। इसमें वह रतन पंडित नामक एक कॉप बने हैं। इस फिल्म समेत उनसे अन्य प्रोजेक्ट्स पर हुई खास बातचीत...**

### साली मोहब्बत का ऑफर आपको कैसे मिला?

यह फिल्म मेरे पास दबे पांव से, बिल्कुल खुसुर-खुसुर करते हुए आई थी। दरअसल इसकी चर्चा काफी समय से चल रही थी लेकिन जब टिस्का चोपड़ा ने पहली बार मुझसे संपर्क किया तो डेट्स की उपलब्धता न होने के कारण बात आगे नहीं बढ़ पाई। सीधी बात ये थी कि टाइम विंडो मैच नहीं कर पाई। बहरहाल, उसके लगभग आठ-नौ महीने बाद इस प्रोजेक्ट पर दोबारा काम शुरू हुआ। इस बार जब हम मिले और मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे वाकई में बहुत मजा आया। स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद मैं फिर से टिस्का से मिला और तब तक फैशन की दुनिया के बड़े नाम मनीष मल्होत्रा भी एक निर्माता के तौर पर इस फिल्म से जुड़ चुके थे। इस तरह इस प्रोजेक्ट की बात दोबारा शुरू हुई और वहीं से पूरा प्रोसेस आगे बढ़ा। मेरे लिए यह फिल्म एक तरह से किस्मत का फेर थी जो घूमकर मेरे पास आई।

### यह मर्डर मिस्ट्री आपको बाकी कहानियों से अलग कैसे लगीं?

मैं हमेशा कहता हूं कि इस स्क्रिप्ट में एक अलग सी खुशबू थी, जो मुझे बहुत पसंद आई। इसमें जो बातें थीं, वो कुछ अनकही सी थीं, कुछ धुंधली-सी थीं, यानी सब कुछ स्पष्ट नहीं था। यह फ्लेवर मुझे खींच लाया। यह मर्डर मिस्ट्री है लेकिन यहां जो किरदार इस कहानी में घूम रहे हैं, उनकी सिचुएशन बहुत ही जटिल है। कोई भी किरदार न तो पूरी तरह ब्लैक है और न ही पूरी तरह व्हाइट। यहां अलग शेड्स हैं, जो कहानी को विश्वसनीय बनाते हैं। साथ ही मुझे एक पुलिस वाले का किरदार निभाने का मौका मिल रहा था। इन सब चीजों को मिलाकर मुझे लगा कि यह एक शानदार प्रोजेक्ट है। ईमानदारी से कहूं तो, मैंने यह फिल्म एक एक्सपेरिमेंट के तौर पर की, यह देखने के लिए कि फिल्म का नैरेटिव किस तरह से आगे बढ़ेगा, और मैं अपने रतन पंडित के किरदार को किस हद तक जस्टिफाई कर पाऊंगा।

### राधिका के साथ काम करने का अनुभव कैसा था?

राधिका आप्टे के साथ काम करके मुझे बहुत मजा आया। हमारे बहुत अधिक सीन तो साथ में नहीं थे, क्योंकि हमारे ट्रैक्स ज्यादातर पैरेलल को-एक्टर साबित हुईं।

### क्या फीमेल डायरेक्टर वॉयलेंस को कम ग्लोरीफाई करती हैं?

एक फीमेल डायरेक्टर का वॉयलेंस को देखने का तरीका अलग होता है। मेल डायरेक्टर्स का वॉयलेंस दिखाने का तरीका सामने से आकर लड़ाई-झगड़ा करना होता है लेकिन टिस्का चोपड़ा जैसी डायरेक्टर के साथ यह मुझे बिल्कुल अंडर दी टेबल जैसी लगी। हालांकि, मैं यह साफ कर दूं कि उनकी अप्रोच अलग थी पर फिल्म वॉयलेंट उतनी ही है।

**शिक्षकों को यह बात दिमाग में रखकर काम करना चाहिए कि बच्चों के पास कौन से संसाधन उपलब्ध होंगे। उसके हिसाब से ही बच्चों को काम दें। साथ ही शिक्षकों की प्राथमिकता ऐसी रचनात्मक गतिविधियां कराना होना चाहिए कि बच्चों का स्क्रीन टाइम घट सके।**

# ऐसे बने घर में अपने बच्चों के टीचर

ग्लोबल टीचर प्राइज जीतने वालीं ब्रिटेन की शिक्षिका एंड्रिया जाफिरकाऊ कहती हैं कि आभासी तरीके से बच्चों को पढ़ाना कठिन है क्योंकि कक्षा का माहौल बच्चों को एकाग्र बनाता है। वह कहती हैं कि इस वक्त शिक्षकों को यह बात दिमाग में रखकर काम करना चाहिए कि बच्चों के पास कौन से संसाधन उपलब्ध होंगे। उसके हिसाब से ही बच्चों को काम दें। साथ ही शिक्षकों की प्राथमिकता ऐसी रचनात्मक गतिविधियां कराना होना चाहिए कि बच्चों का स्क्रीन टाइम घट सके। वे घर में रंग, कागज, कलम और रोचक खेल खेलते हुए समय बिताएं।

कोरोना वायरस की इस लड़ाई ने मासूम बच्चों को उनके स्कूल, टीचर और दोस्तों से दूर कर दिया है। पर बच्चों के लिए सबसे जरूरी उनकी पढ़ाई है इसलिए कोविड–19 से लड़ रहे देशों में ई–लर्निंग को वैकल्पिक माध्यम बनाया जा रहा है। इस तकनीक के बाबजूद अभिभावकों के लिए यह समय चुनौतीभरा है क्योंकि बच्चों को पढ़ाने का दारोमदार पूरी तरह उन पर आ गया है। आइए आज जानते हैं कि अभिभावक घर में रहकर अपने बच्चों को ई माध्यमों से पढ़ाई के लिए किस तरह प्रोत्साहित कर सकते हैं और शिक्षक की भूमिका निभा सकते हैं।

**अरब दुनिया के बच्चे स्कूल से हैं दूर–** विश्व आर्थिक मंच ने संस्कृति व शिक्षा से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ कोरोना वायरस के दौर की चुनौतियों पर चर्चा की। इस दौरान वहां मौजूद शिक्षकों ने माना कि अपने बच्चे को पढ़ाना दुनिया में सबसे ज्यादा कठिन काम है क्योंकि वह अभिभावक की जगह शिक्षक से पढ़ने का आदी होता है। ऐसे में अभिभावकों की चुनौतियां बहुत अधिक हैं, इन विशेषज्ञों ने अभिभावकों के लिए ये सुझाव दिए हैं .

**सवाल पूछने दें** – रचनात्मकता सवालों से पैदा होती है, बच्चों के हर सवाल को धैर्य से सुने और उसका हल खोजने में उनकी मदद करें।

लक्ष्य तय करें – हर दिन के लिए एक लक्ष्य या चुनौती तय करें, जिससे बच्चों के साथ मिलकर पूरा करने में लग जाएं। उन्हें पूरा समय दें।

**री–डू सिखाएं** – घर में पड़े इस्तेमाल न होने वाले सामान को निकालकर बच्चों संग उससे कुछ रचनात्मक बनाएं इससे बच्चों में पुरानी चीजों के दोबारा इस्तेमाल की आदत बनेगी।

**ऑनलाइन मदद** – पढ़ाई या कुछ रचनात्मक बनाते समय ऑनलाइन माध्यमों की मदद लेने से न झिझकें, हर वक्त बच्चों के सामने परफेक्ट दिखने सही नहीं। अलग सोचे – बच्चों की आर्ट, क्राफ्ट से बाहर की रचनात्मक दुनिया से पहचान करवाएं। कपड़े कैसे तय करें, कमरे की सफाई, किचन आदि काम सिखाएं।

**स्कूल वापसी** – इस बात को सुनिश्चित करें कि बच्चे अपने शिक्षक और दोस्तों के संपर्क में बने रहे क्योंकि तब ही उनके मन में स्कूल वापस लौटने का ख्याल बना रहेगा।

**तकनीक सीखें** – ई–लर्निंग के जरिए अगर बच्चा पढ़ रहा है तो इस दौरान उसे तकनीक संबंधी समस्या आ सकती है इसलिए बच्चे के साथ मिलकर इन तकनीकों को सीखें।

# सब्जी में ऊपर से नमक डालना हो सकता है खतरनाक

**नमक, स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी उपयोगी है। मगर, हर चीज की एक तय सीमा होती है। इसी तरह नमक से ज्यादा प्यार भी आपकी सेहत के लिए हजारों खतरे पैदा कर सकता है। बेशक आपको नमक इतना पसंद है कि आप सब्जी में ऊपर से नमक डालने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन इस आदत के जरिए आप अनजाने ही कई बीमारियों को न्योता दे रही होती हैं।**

खाना बनाते वक्त नमक सबसे पहले याद आता है। आप चाहे जितने भी अच्छे और खुशबूदार मसाले डाल लें, लेकिन अगर खाने में नमक नहीं है, तो सारा खाना बेस्वाद हो जाता है। बेशक आप सब्जी में ऊपर से नमक डालने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन इस आदत के जरिए आप अनजाने ही कई बीमारियों को न्योता दे रही होती हैं।

## नमक और आपकी सेहत

नई दिल्ली के सफदरजंग हॉस्पिटल में प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ.जुगल किशोर कहते हैं, 'नमक हमारे शरीर की इलेक्ट्रोलाइट संबंधी जरूरतों को पूरा करता है यानी इससे हमें सोडियम, पोटैशियम और कैल्शियम मिलता है। इसके अलावा इससे आयोडीन भी मिलता है। लेकिन, खाने में नमक ज्यादा हो जाए तो भी दिक्कत है और कम हो तो भी दिक्कत है। रोजाना की खुराक में नमक यानी सोडियम क्लोराइड की मात्रा पांच ग्राम से कम होनी चाहिए। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि नमक ज्यादा खाने की आदत के साथ रक्तचाप संबंधी समस्या भी बढ़ने लगती है। जितनी भी दिल से जुड़ी बीमारियां हैं, वे रक्तचाप के कारण ही होती हैं। इसके अलावा नमक के ज्यादा सेवन से किडनी पर भी दबाव पड़ता है। उच्च रक्तचाप का मस्तिष्क पर भी असर पड़ता है। यानी शरीर के जो मुख्य अंग हैं, वे ज्यादा नमक के सेवन से प्रभावित होने लगते हैं। यही वजह है कि नमक का सेवन संतुलित मात्रा में करने की सलाह दी जाती है। एक और बात को ध्यान में रखने की जरूरत है, रोटी, चावल, दलिया आदि खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक तौर पर सोडियम मौजूद होता है। ऐसे में इनमें नमक न भी डाला जाए तो भी सोडियम की पूर्ति हो जाती है। उच्च रक्तचाप के मरीज को भी चार से पांच ग्राम नमक ही दिन भर में खाना चाहिए। सेहतमंद रहने के लिए किसी भी डिश में ऊपर से नमक डालकर खाने की आदत को भी बदलना जरूरी है।

## मात्रा तय करें

खाना बनाते वक्त आप उसमें कितना नमक डाल रही हैं, उसकी मात्रा को देखना एक अच्छा आइडिया है। कितने लोगों के लिए सब्जी पकाई जा रही है, उसे किस तरह से पकाया जा रहा है, नमक डालते वक्त इन सब बातों को जरूर ध्यान में रखें। अगर आपके परिवार के सदस्यों को ज्यादा नमक खाने की आदत है तो धीरे–धीरे खाने में नमक की मात्रा कम करती जाएं। संभव है कि शुरुआत में उन्हें परेशानी हो, पर जल्द ही उन्हें कम नमक वाला खाना भी पसंद आने लगेगा। मसाले, टमाटर और धनिया व पुदीना आदि भी खाने में नमक की कम मात्रा को संतुलित करने में आपकी मदद करेंगे। इंडियन स्पाइनल इंजरीज सेंटर में सीनियर डाइटीशियन डॉ.हिमांशी शर्मा के मुताबिक, 'इसमें कोई दोराय नहीं है कि आयोडीन युक्त नमक हमारी सेहत के लिए जरूरी है। गर्भवती महिलाओं के साथ–साथ होने वाले शिशु की सेहत पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे दिमाग चुस्त–दुरुस्त रहता है और याददाश्त मजबूत बनी रहती है। लेकिन कुछ लोग रोजाना के खाने में ज्यादा नमक का सेवन करने लगते हैं। यह मात्रा कई बार रोजाना नौ से दस ग्राम नमक के सेवन तक पहुंच जाती है। रोजाना की डाइट में नमक की मात्रा पांच ग्राम तक ही सीमित रखें। हमेशा याद रखें कि बिना डॉक्टरी सलाह के कभी भी नमक का सेवन पूरी तरह से बंद नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से भी आपको सेहत से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं।'

## विकल्प हैं बेहतर

अगर आपको ज्यादा नमक खाने की आदत है, तो इससे निजात पाने के लिए नमक के अन्य विकल्पों पर अपना ध्यान केंद्रित करें। इसके लिए आप नीबू और सिरका की मदद ले सकती हैं। स्वाद के लिहाज से नमक की कमी को यह काफी हद तक पूरा करते हैं। अदरक, लहसुन और कुछ सूखे मसाले भी इसमें मददगार साबित हो सकते हैं। बेशक ये नमक का विकल्प नहीं बन सकते हैं, लेकिन नमक की ज्यादा खाने की जो लत है, उसे कम करने में ये चीजें काफी मददगार साबित हो सकती हैं।

बदलें खाना पकाने का तरीका

कुछ सब्जियां और व्यंजन ऐसे होते हैं, जो लोगों को कम ही पसंद आते हैं। कई बार उनका स्वाद बढ़ाने के लिए हम उसमें नमक ज्यादा मात्रा में डालने लगते हैं। सलाद में ज्यादा मात्रा में नमक डालना, खाने के साथ सब्जी की तरह ढेर सारा अचार खाना आदि पहली नजर में बेहद सहज लगता है, पर धीरे–धीरे खानपान से जुड़ी ये आदतें हमारे शरीर में प्रतिदिन पांच ग्राम से ज्यादा नमक पहुंचाने लगती हैं। इसका असर सेहत पर देर–सबेर नजर आने लगता है। ऐसे में जरूरत है खाना पकाने का तरीका बदलने की। आपके परिवार के सदस्य जिन सब्जियों का नाम सुनकर ही मुंह बनाने लगते हैं, उन्हें अब दूसरे तरीके से पकाकर देखिए। सादा तरीके से उन सब्जियों को बनाने की जगह उन्हें रोस्ट या ग्रिल करके पकाएं। इससे खाना स्वादिष्ट भी लगेगा और नमक पर भी नियंत्रण बना रहेगा।

## प्रोसेस्ड फूड से बनाएं दूरी

रेडी–टू–ईट फूड और तरह–तरह के प्रोसेस्ड फूड को अपनी डाइट में कम–से–कम मात्रा में शामिल करें। इनमें नमक और चीनी दोनों की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसकी जगह घर में बने ताजा खाने को तरजीह दें। सही मात्रा में नमक के सेवन का यह सबसे अच्छा तरीका है। आप अपनी डाइट में सेहतमंद खाद्य पदार्थों को जितनी ज्यादा मात्रा में शामिल करेंगी, नमक की मात्रा उसी अनुपात में संतुलित होती जाएगी।

## न करें यह गलती

फल खा रहे हों या सलाद या फिर सामान्य तौर पर खाना। नमक कम लगने पर हम ऊपर से नमक डालने लगते हैं। यह सेहत के लिए ठीक नहीं है। एक तो नमक ज्यादा मात्रा में शरीर में पहुंचता है, वहीं सलाद और फल के पोषक तत्व भी कम होने लगते हैं। सीमित मात्रा में नमक का सेवन ही काफी नहीं है,उसे किस तरीके से खाया जाना चाहिए, यह तरीका जानना भी उतना ही जरूरी है।

# सुकून चाहती हैं तो वर्क–लाइफ बैलेंस स्थापित करें

**अपने प्रोफेशनल जीवन में आप आगे बढ़ना चाहती हैं, नए मुकाम हासिल करना चाहती हैं। लेकिन इस बात पर भी ध्यान देना जरूरी है कि आपकी महत्वाकांक्षाएं कहीं आपके जीवन को प्रभावित तो नहीं कर रहीं। प्रोफेशनल लाइफ में आगे बढ़ने के साथ जिंदगी खुशगवार बनाए रखना बेहद जरूरी है, तभी आप वर्क-लाइफ बैलेंस स्थापित कर सकती हैं। कुछ बातें इस काम में आपकी मदद करेंगी**

## स्मार्ट तरीके से काम करें

अगर आप अपनी नींद के घंटे घटाकर काम कर रही हैं तो कोई उसकी हिमायत नहीं करेगा। अमेरिकी अकादमी से संबद्ध मैट माइट अपने ब्लॉग वर्कलाइफ बैलेंस में कहते हैं, 'आजकल लोग अपने दिमाग को ज्यादा काम करने और कम सोने के लिए अड्टयस्त बना रहे हैं, लेकिन यह चलन सही नहीं है। आपके लिए काम के घंटे जितने महत्वपूर्ण हैं, काम के बाद का समय उतना ही मूल्यवान है।' मेंटल हेल्थ फाउंडेशन का सुझाव है कि काम ज्यादा नहीं, स्मार्ट होना चाहिए। इसके लिए वरीयता स्पष्ट होनी चाहिए और हर काम के लिए समय तय होना चाहिए। गैर जरूरी चीजों में नहीं उलझना चाहिए।

## काम को घर न लाएं

ऑफिस से बाहर निकलने से पहले उन कामों की सूची बना लें, जो पूरे नहीं हो पाए। लेकिन काम की लिस्ट बनाने के बाद खुद को पूरी तरह ऑफिस के काम से आजाद कर लें। यही सोचें कि आप शाम को घर पर परिवार के साथ क्या करने जा रही हैं। अगर आप मानसिक तौर पर ऑफिस में ही फंसी हुई हैं तो एक गहरी सांस लें और इस बात का अहसास करें कि आप ऑफिस से बाहर आ गई हैं। इससे आपका मन शांत और स्थिर रहेगा।

## ना कहना सीखें

अगर आप काम के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी, तो स्वाड्टाविक रूप से आप पर काम का बोझ बढ़ जाएगा। अगर आप आदतन काम के लिए हां कह देती हैं तो कुछ अतिरिक्त काम मिलने पर तुरंत हां कहने से पहले थोड़ा ठहर जाएं। आप कुछ देर बाद उस पर जवाब देने के लिए कह सकती हैं और इस दौरान इस बात पर विचार कर सकती हैं कि आपको हां कहना चाहिए या नहीं। अगर हां कहना चाहती हैं, तो अच्छी बात है लेकिन अगर ना कहने की इच्छा है, तो ना ही कहें और अपनी प्रतिक्रिया देने से पहले स्वयं कई बार ना बोलने का अड्टयास करें।

## काम के लिए 'शहीद' होने की जरूरत नहीं

कुछ महिलाओं में यह प्रवृति होती है कि वे सब काम खुद ही कर लेना चाहती हैं। उन्हें इस भाव में जीना अच्छा लगता है कि वे व्यस्त हैं और उनके बारे में ज्यादा चर्चा होती है। इस बात को गंभीरता से सोचने की जरूरत है कि इससे दूसरे लोगों पर क्या प्रभाव पड़ रहा होगा। ज्यादातर लोग अत्यधिक काम यह सोचकर ले लेते हैं कि इससे दूसरों की नजर में उनका सम्मान बढ़ जाएगा। इस प्रवृति के साथ आपके सिर कितना बोझ बढ़ जाएगा, अगर आप इस बात पर विचार करें तो शायद आप ऐसा व्यवहार नहीं करेंगी।

## हर वक्त आपाधापी अच्छी नहीं

चाहे ऑफिस हो, जिम हो या कोई पार्टी हो, क्या आप हर जगह दौड़ते–ड्टागते पहुंचती हैं आपको इस बात पर निगरानी रखने की जरूरत है। आपको खुद से यह पूछने की जरूरत है कि आपकी जिंदगी कैसी चल रही है। असल में जल्दबाजी करने वाले लोग एक चीज खत्म होने पर दूसरी चीज के लिए हड़बड़ी करने लगते हैं। लेकिन ऐसी स्थिति में आप अपने दोस्तों और अपने परिवार वालों के लिए समय कैसे निकालेंगी आपाधापी में थकान होना ड्टी स्वाड्टाविक है, इसीलिए हर वक्त भागमभाग से बचें।

## रिटायरमेंट के बारे में सोचें

कुछ महिलाएं काम में इस कदर डूब जाती हैं कि उन्हें उसी में आनंद मिलता है। अगर आप पूरा वक्त काम में ही दे देंगी तो किसी बुरे हालात में फंस जाने मसलन, जॉब न कर पाने की स्थिति खड़ी हो जाने, जॉब छूटने या व्यवसाय नहीं चल पाने पर आप खुद को कैसे संभालेंगी और इनसे इतर रिटायरमेंट के बाद आप समय किस तरह बिताएंगी, क्या आपने इस बारे में सोचा है अगर रिटायरमेंट के बाद भी आप थोड़ा–बहुत काम करें तो आपके लिए अच्छा है, लेकिन आपको अपने कुछ और शौकों को पूरा करने के बारे में भी सोचना चाहिए ताकि रिटायरमेंट के बाद भी आप सक्रिय रह सकें।